

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 58 । पेज: 12। mahanagarmetro7@gmail.co || अहमदाबाद, 24 अक्टूबर 2026(शनिवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

सीवान में दर्दनाक हादसा: पटाखा बनाते समय मकान में हुआ भीषण विस्फोट

अवैध बारूद के जखीरे से उड़ा रिहायशी मकान, मलबे और सड़कों पर बिखरे शव, डीएम-एसपी ने संभाला मोर्चा

जामो थाना क्षेत्र के आलमपर गांव की सनसनीखेज घटना

पति-पत्नी और बेटी समेत 7 लोगों की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

सीवान। बिहार के सीवान जिले से एक बेहद दिल दहला देने वाली और भयावह खबर सामने आई है, जहाँ जामो थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले आलमपुर गांव में एक घनी आबादी वाले रिहायशी मकान के भीतर अवैध रूप से आतिशबाजी और पटाखे तैयार करने का खतरनाक खेल चल रहा था। इसी दौरान अचानक एक जोरदार और भीषण धमाका हुआ, जिसकी गूंज से पूरा इलाका दहल उठा। पलक झपकते ही दो मंजिला मकान ताश के पत्तों की तरह ढह गया और मलबे के ढेर में तब्दील हो गया। इस भयंकर विस्फोट की चपेट में आने से एक ही परिवार के पति-पत्नी और उनकी मासूम बेटी सहित कुल 7 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि आसपास के कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। ग्रामीणों और प्रत्यक्षदर्शियों ने रोंगटे खड़े कर देने वाले मंजर को याद करते हुए बताया कि जिस समय यह हादसा हुआ, उस वक्त घर के भीतर कई लोग अवैध रूप से बारूद की पैकिंग और पटाखे बनाने के काम में जुटे हुए थे। अचानक हुए इस विस्फोट की तीव्रता इतनी जबरदस्त थी कि मकान की छत और दीवारें हवा में उड़ गईं। धमाके के बाद मलबे में दबे शव और शरीर के चिथड़े उड़कर काफी दूर पास की मुख्य सड़कों पर जा गिरे, जिसे देखकर मौके पर मौजूद लोगों के होश उड़ गए। स्थानीय लोगों के मुताबिक, मुख्य धमाका होने के बाद भी लगभग डेढ़ घंटे तक लगातार रुक-रुक कर छोटे-बड़े धमाके होते रहे, जिसके कारण पूरे क्षेत्र में कोहराम मच गया और कोई भी तुरंत पास जाने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा था। घटना की भनक लगते ही आसपास के ग्रामीण अपनी जान की परवाह किए बिना तुरंत राहत और बचाव कार्य में जुट गए। उन्होंने अपनी तरफ से मलबे के नीचे दबे लोगों को निकालने का प्रयास किया। कुछ ही देर में जामो, बड़हरिया, गोरेयाकोठी और आसपास के कई थानों की पुलिस फोर्स के साथ-साथ दमकल विभाग की कई गाड़ियां सायरन बजाती हुई मौके पर पहुँच गईं। पुलिस बलों और फायर ब्रिगेड के जवानों ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर कड़ी मशक्कत के बाद आग की लपटों पर काबू पाया और मलबे में बुरी तरह फंसे गंभीर रूप से घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पतालों में पहुँचाया, जहाँ डॉक्टरों ने कई घायलों की हालत बेहद नाजुक बताई है। इस भीषण हादसे की गंभीरता और भयावहता को देखते हुए जिला प्रशासन के आला अधिकारी तुरंत हरकत में आ गए और फौरन घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। सीवान के जिलाधिकारी विजय प्रकाश मीणा और पुलिस अधीक्षक भारत सोनी भारी पुलिस बल के साथ तुरंत मौके पर पहुँचे और स्थिति का बारीकी से जायजा लिया। उनके साथ सदर एसडीओ आशुतोष गुप्ता और महाराजगंज एसडीपीओ अमन भी पूरी टीम के साथ मौजूद रहे। अधिकारियों ने घटनास्थल का मुआयना करने के साथ-साथ स्थानीय लोगों से लंबी पूछताछ की, ताकि यह पता





लगाया जा सके कि घनी आबादी वाले इस रिहायशी क्षेत्र में पिछले कितने समय से यह अवैध कारोबार पनप रहा था और इसके पीछे कौन-कौन लोग संलिप्त हैं। पुलिस अधीक्षक भारत सोनी ने मीडिया को आधिकारिक जानकारी देते हुए बताया कि हमारी पहली प्राथमिकता घटनास्थल पर सुलग रही आग को पूरी तरह बुझाने और घायलों को तत्काल उच्च स्तर का चिकित्सीय इलाज मुहैया कराने की थी। उन्होंने बताया कि धमाका इतना ज्यादा खतरनाक और भीषण था कि मृतकों में से कई के शवों की तुरंत पहचान करना भी बेहद मुश्किल हो गया था, जिनकी शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट कर दिया है कि रिहायशी बस्तियों और घरों के बीच अवैध रूप से विस्फोटक सामग्री और पटाखे बनाने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा और उनके खिलाफ अब बेहद कड़ी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इस मामले की वैज्ञानिक और तकनीकी जांच के लिए फॉरेंसिक एक्सपर्ट्स की टीम को भी मौके पर बुला लिया गया है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज की AISA अध्यक्ष नेहा बोरा की याचिका: पीस बॉन्ड भरना होगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो



नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ प्रदर्शन में शामिल अखिल भारतीय छात्र संघ की अध्यक्ष नेहा बोरा की याचिका को शुक्रवार को खारिज कर दिया। अदालत के इस फैसले के बाद अब नेहा बोरा को शांति बनाए रखने के लिए 10 हजार रुपए का निजी बांड (पीस बॉन्ड) भरना होगा। हालांकि, हाईकोर्ट ने मजिस्ट्रेट को निर्देश दिए हैं कि इस मामले से जुड़े सभी दस्तावेज याचिकाकर्ता को उपलब्ध कराए जाएं। इससे पहले कोर्ट ने 22 अक्टूबर को इस मामले पर सुनवाई पूरी कर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। नेहा बोरा को 16 अक्टूबर को मंडी हाउस से कनॉट प्लेस की ओर निकाले जा रहे मार्च के दौरान हिरासत में लिया गया था। यह मार्च 'सिटिजन्स फॉर जस्टिस एंड पीस' के 'लहरा दो तिरंगा' कार्यक्रम से जुड़ा हुआ था। हालांकि उन्हें अगले दिन ही रिहा कर दिया गया था, लेकिन इसके बाद 18 अक्टूबर को उन्हें विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट की तरफ से एक आधिकारिक नोटिस मिला। कार्यकारी मजिस्ट्रेट द्वारा जारी इस नोटिस में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए 10 हजार रुपए का निजी बांड भरने का निर्देश दिया गया था। नोटिस में विशेष तौर पर जंतर-मंतर के आसपास बार-बार होने वाले प्रदर्शनों का उल्लेख किया गया, जबकि जंतर-मंतर को पहले ही आधिकारिक प्रदर्शन स्थलों की सूची से हटाया जा चुका है। नोटिस में यह भी आरोप लगाया गया था कि निषेधाज्ञा लागू होने के बावजूद नेहा बोरा ने भीड़ को कनॉट प्लेस की तरफ आगे बढ़ने के लिए उकसाया था। सुनवाई के दौरान नेहा बोरा की पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने अदालत के सामने पांच प्रमुख बिंदु रखे मंडी हाउस पहुंचने के मात्र 10 से 15 मिनट के भीतर ही पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया था। उस दिन नेहा ने न तो किसी प्रकार का कोई अपराध किया और न ही सार्वजनिक शांति भंग करने वाली किसी गतिविधि में हिस्सा लिया। 15 अक्टूबर को हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस और सोशल मीडिया पोस्ट से यह स्पष्ट है कि नेहा की तमाम गतिविधियां पूरी तरह से शांतिपूर्ण थीं। केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने याचिका का कड़ा विरोध किया।

झांसी में दर्दनाक हादसा: खेत में तार डालते वक्त 11 हजार वोल्ट की लाइन की चपेट में आया युवक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी जिले से एक अत्यंत विदारक और झकझोर देने वाली घटना सामने आई है, जहाँ जिला मुख्यालय से करीब 17 किलोमीटर दूर रक्सा थाना क्षेत्र के राजापुर गांव में खेत में काम कर रहा एक युवक हाईटेंशन करंट की चपेट में आ गया और जिंदा जलकर उसकी दर्दनाक मौत हो गई। इस भीषण हादसे में बचाने दौड़ा उसका छोटा भाई भी गंभीर रूप से झुलस गया, जिसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। पुलिस और परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, राजापुर गांव के रहने वाले मुरारी परिहार गांव में चौकीदारी का काम करते हैं और उनके परिवार में दो बेटे दीपक (मृतक) और आकाश तथा एक बेटी अंजू हैं। मृतक दीपक की शादी करीब दो साल पहले कविता के साथ हुई थी और उसकी छह महीने की एक छोटी बेटी भी है।



कांग्रेस ने विधायक नरेंद्र बुडानिया की पत्नी को मैदान में उतारा; देखें 11 जिला परिषदों में कौन उम्मीदवार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

चूरू। जिला परिषद में पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ के बेटे पराक्रम सिंह और बहू कनिका को भाजपा का टिकट मिला है। वहीं चूरू में कांग्रेस विधायक नरेंद्र बुडानिया की पत्नी को जिला परिषद के वार्ड- 38 से प्रत्याशी बनाया है। यहां वार्ड- 39 से कांग्रेस ने पूर्व विधायक भंवरलाल शर्मा के बेटे केशरीचंद और बहू अंजूबाला को टिकट दिया। चित्तौड़गढ़ में निर्दलीय विधायक चंद्रभान सिंह आक्या की पत्नी सुशीला कंवर को भाजपा ने जिला परिषद के वार्ड 16 से टिकट दिया है। भरतपुर जिला परिषद के वार्ड नंबर 22 से भाजपा ने आगरा छावनी के पूर्व विधायक गुटयारी लाल दुवेश की बेटी पूजा दुवेश को मैदान में उतारा है।



देशभर से आए 73 स्निफर डॉग्स दिखा रहे अपनी कलाबाजी और सूंघने की गजब क्षमता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी स्थित आरपीएफ ग्राउंड में ऑल इंडिया रेलवे डॉग मीट की भव्य शुरुआत हो चुकी है, जिसमें देश के अलग-अलग हिस्सों से कुल 73 प्रशिक्षित खोजी और स्निफर डॉग्स ने अपने हैंडलर्स के साथ हिस्सा लिया है। इस अनूठे आयोजन में शामिल ये श्वान अपराधियों को ढूंढने, गांजा, शराब और अन्य प्रतिबंधित नशीले पदार्थों को सूंघकर पकड़ने के साथ-साथ खतरनाक विस्फोटकों का सुराग लगाने में पूरी तरह माहिर हैं। मीट के पहले दिन जर्मन शेफर्ड, लैब्राडोर, बेल्जियन मेलिनोइस और डोबरमैन जैसी बेहतरीन नस्लों के डॉग्स ने अपने बेहतरीन कौशल और अनुशासन का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान कई ऐसे दिल जीतने वाले पल आए जिन्होंने वहां मौजूद सभी लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। ईस्ट कोस्ट रेलवे से आए लैब्राडोर नस्ल के 'हीरो' नामक डॉग ने मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार को अपने मुंह में गुलदस्ता (बुके) थामकर स्वागत किया, वहीं आंध्र प्रदेश से पहुंचे लैब्राडोर 'रैमो' ने एक महिला अधिकारी से प्यार से हाथ मिलाकर सबका दिल जीत लिया। पहले दिन इन प्रशिक्षित श्वानों ने अपनी सूंघने की असाधारण क्षमता और विभिन्न अड़चनों को पार करने के करतब दिखाए। रेलवे सुरक्षा बल का यह विशेष ऑल इंडिया डॉग मीट आगामी 27 अक्टूबर तक चलेगा, जिसमें देश भर के डॉग्स अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे।



निजीकरण के विरोध में कई जिलों में ठप रही बिजली आपूर्ति, लोगों ने किए जाम और प्रदर्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा में बिजली कर्मचारियों की हड़ताल का शुक्रवार शाम को दूसरा दिन समाप्त हो गया। गुरुग्राम और नूंह में बिजली निगम के निजीकरण के फैसले के खिलाफ शुरू हुए इस विरोध प्रदर्शन का असर अब राज्य के अधिकांश जिलों में साफ तौर पर देखने को मिल रहा है, जिसके चलते कई शहरों में लगातार 24-24 घंटे तक बिजली गायब रही और आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। हड़ताल के चलते विभिन्न जिलों में हालात काफी गंभीर बने रहे। हिसार में आक्रोशित लोगों ने बिजली निगम कार्यालय जा रही पेयजल आपूर्ति को ही रोक दिया, वहीं रेवाड़ी बस स्टैंड पर बिजली न होने के कारण इलेक्ट्रिक बसों का संचालन ठप पड़ गया और बाद में एक पुलिसकर्मी द्वारा लाइन चालू करनी पड़ी। पानीपत के सेक्टर-25 में दुकानदारों को मोमबत्ती जलाकर काम चलाना पड़ा, और दूध-दही के ऑर्डर तक रद्द करने पड़े। बिजली और इलैक्ट्रिक कांटे बंद होने से बाजार का कामकाज थम गया। इसके अलावा, पानीपत थर्मल पावर प्लांट की दो यूनिटें भी बंद करनी पड़ीं, जिससे पानीपत, करनाल, रोहतक, सोनीपत, अंबाला, हिसार, गुरुग्राम और फरीदाबाद जैसे प्रमुख शहरों में बिजली सप्लाई पर भारी असर पड़ा है।



दिलजीत दोसांझ के दिल्ली कॉन्सर्ट को मंजूरी

दिलजीत दोसांझ के दिल्ली कॉन्सर्ट को मिली हरी झंडी: सुरक्षा योजना की समीक्षा के बाद पुलिस और प्रशासन ने दी मंजूरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। मशहूर पंजाबी गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ के प्रशंसकों के लिए बड़ी और राहत भरी खबर सामने आई है। दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 30 अक्टूबर को होने वाले उनके बहुप्रतीक्षित लाइव कॉन्सर्ट को दिल्ली पुलिस और नागरिक प्रशासन ने आधिकारिक तौर पर मंजूरी दे दी है। आयोजकों द्वारा सुरक्षा, ट्रैफिक और भीड़ प्रबंधन की विस्तृत व ठोस योजना प्रस्तुत किए जाने के बाद प्रशासन ने इस बड़े आयोजन के लिए अपनी एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) जारी कर दी है। इससे पहले सुरक्षा इंतजामों, आगामी त्योहारों के सीजन और कार्यक्रम के दौरान शहर में भारी जाम व यातायात व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका को लेकर पुलिस ने शुरुआत में अनुमति देने से अस्थायी रूप से इनकार कर दिया था। इस गतिरोध को दूर करने के लिए पिछले कुछ दिनों में आयोजकों (बुकमायशो लाइव) और दिल्ली पुलिस के अधिकारियों के बीच कई दौर की उच्चस्तरीय बैठकें हुईं। इन बैठकों में आयोजकों ने स्टेडियम में दर्शकों के प्रवेश और निकास के सुगम रास्तों, आपातकालीन निकासी, पार्किंग और सुरक्षा बलों की तैनाती का पूरा खाका पेश किया। प्रशासनिक अनुमति मिलने के बाद अब 30 अक्टूबर को होने वाले इस भव्य लाइव शो का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है, जिसे लेकर दिल्ली-एनसीआर के प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। कॉन्सर्ट में जुटने वाली भारी भीड़ को देखते हुए आयोजकों और पुलिस प्रशासन ने मिलकर तैयारियां तेज कर दी हैं ताकि कार्यक्रम के दौरान दर्शकों की सुरक्षा और शहर की यातायात व्यवस्था सुचारु रूप से बनी रहे।



उज्जैन में पैरोल पर आए आसाराम की तबीयत बिगड़ी: सीने में दर्द के कारण नहीं गए अस्पताल, आश्रम में कर रहे आराम



महानगर मेट्रो ब्यूरो

उज्जैन। नाबालिग से बलात्कार के मामले में जोधपुर जेल में उम्रकैद की सजा काट रहे आसाराम बापू की शुक्रवार को अचानक तबीयत बिगड़ गई। सीने में दर्द की शिकायत के चलते वे धन्वंतरि आयुर्वेदिक चिकित्सालय में पंचकर्म कराने के लिए नहीं पहुंचे और अंकपात रोड स्थित आश्रम में ही रहकर आराम किया। डॉक्टरों के मुताबिक, स्वास्थ्य में सुधार होने पर शनिवार को उनके दोबारा अस्पताल जाने की संभावना है आसराम पिछले 21 अक्टूबर (बुधवार) से पैरोल पर उज्जैन में हैं। वे बुधवार और गुरुवार को तो नियमित रूप से पंचकर्म कराने अस्पताल पहुंचे थे, लेकिन शुक्रवार को स्वास्थ्य खराब होने के कारण नहीं जा सके। चिकित्सालय के डॉ. निपेंद्र मिश्रा ने बताया कि आसाराम लंबे समय से सिर और कमर दर्द की समस्या से जूझ रहे हैं, जिसके इलाज के लिए उन्हें 14 दिनों तक पंचकर्म कराने की सलाह दी गई है। वे शरद पूर्णिमा तक उज्जैन के इसी आश्रम में रुकेंगे और उनके यहां आने की खबर मिलते ही अनुयायियों की भारी भीड़ जुटने लगी है। इससे पहले वे मार्च 2025 में भी इलाज के लिए शहर आए थे। गौरतलब है कि आसाराम को 31 अगस्त 2013 को बलात्कार के मामले में गिरफ्तार किया गया था, जिसके बाद जोधपुर की अदालत ने उन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई थी। इसके अलावा गुजरात के गांधीनगर की अदालत ने भी उन्हें एक अन्य बलात्कार मामले में उम्रकैद की सजा दे रखी है। और 6 अक्टूबर 2026 को जोधपुर हाईकोर्ट ने उन्हें 20 दिन की पैरोल दी है।

विदेशी ताकतों के साथ मिलकर देश को बांटने की साजिश रचने का लगाया आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दुमका। झारखंड के गोड्डा से भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे ने दुमका में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी और विपक्ष पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। सांसद ने दावा किया कि जब भी राहुल गांधी विदेश यात्रा पर जाते हैं, तो वे नेविल रॉय सिंघम, इल्हान उमर, रो खन्ना और सोरोस फाउंडेशन जैसे सिंडिकेट के संपर्क में आते हैं। अमेरिकी कांग्रेस की विभिन्न रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए निशिकांत दुबे ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि राहुल गांधी को क्रिप्टोकरेंसी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑनलाइन जुआ लॉबी द्वारा खरीद लिया गया है।



उन्नाव में सनसनीखेज बक्सा हत्याकांड

मेरठ के नीले ड्रम कांड जैसी खौफनाक वारदात, शराब पीने से परेशान पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर की पति की हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

उन्नाव। उत्तर प्रदेश के मेरठ में हुए चर्चित नीले ड्रम हत्याकांड की खौफनाक यादें अभी लोगों के जेहन से मिटी भी नहीं थीं कि अब उन्नाव जिले से एक और दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। रायबरेली-उन्नाव हाईवे के किनारे एक लोहे के बक्से के अंदर से एक युवक का खून से लथपथ शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस अंधे कत्ल का महज 12 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया और मृतक की पत्नी समेत तीन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक बाल अपचारी को पुलिस संरक्षण में लिया गया है। पुलिस के अनुसार, मृत युवक की पहचान सोनू के रूप में हुई है। शुरुआती जांच में सामने आया कि 19 और 20 अक्टूबर की दरमियानी रात को उसकी निर्मम हत्या की गई थी। आरोप है कि हत्या के बाद शव को चादर और कंबल में लपेटकर एक भारी लोहे के बक्से में भूसे या सामान की तरह ठूंस दिया गया और फिर लोडर गाड़ी से लाकर उसे सुनसान हाईवे किनारे फेंक दिया गया। घटना का खुलासा तब हुआ जब 20 अक्टूबर 2026 की रात कोतवाली पुलिस को सूचना मिली कि रायबरेली-उन्नाव हाईवे पर स्थित हेल्थ अस्पताल के ठीक सामने एक संदिग्ध और बड़ा लोहे का बक्सा लावारिस हालत में रखा हुआ है। पुलिस ने जब मौके पर पहुंचकर उस संदूक को खोला, तो उसके अंदर का नजारा देखकर दंग रह गए। संदूक के भीतर चादर और कंबल में लिपटा हुआ एक व्यक्ति का खून से सना शव मिला। मृतक के भाई आशु की शिकायत पर पुलिस ने तुरंत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के सख्त निर्देश पर पांच विशेष टीमों का गठन किया गया। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे दर्जनों सीसीटीवी कैमरों और एनपीआर फुटेज को खंगालना शुरू किया। तकनीकी सर्विलांस और फुटेज की मदद से एक 'छोटा हाथी' लोडर (संदिग्ध अवस्था में आता-जाता दिखाई दिया, जिसमें वह बक्सा रखकर लाया गया था। वाहन मालिक राजेश गुप्ता से पूछताछ के बाद पुलिस के हाथ मुख्य सूत्रधार तक पहुंच गए। मुख्य आरोपी मृतका की पत्नी नेहा रावत (42) मूल रूप से लखनऊ के हरौनी गांव की रहने वाली है। उसकी पहली शादी करीब 23 साल पहले मलिहाबाद क्षेत्र के अटौरा निवासी जगदीश से हुई थी, जिससे उसकी पांच बेटियां हैं। सोनू प्राइवेट नौकरी करता था और दोनों का एक 5 साल का बेटा भी है। पुलिस की सघन पूछताछ में मुख्य अभियुक्ता नेहा रावत ने अपना जुर्म कबूल करते हुए बताया कि शादी के कुछ समय बाद से ही सोनू शराब पीने का आदी हो गया था और नशे की हालत में वह रोजाना नेहा के साथ मारपीट और कलह करता था।

रतलाम में आवारा कुत्ते के हमले से ढाई साल की मासूम मनीषा की दर्दनाक मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रतलाम। मध्य प्रदेश के रतलाम जिले के पलसोड़ी गांव में आवारा कुत्तों के आतंक का एक बेहद विदारक मामला सामने आया है, जहाँ घर के आंगन में खेल रही ढाई साल की बच्ची मनीषा पर एक खूंखार कुत्ते ने अचानक हमला कर दिया। कुत्ते ने मासूम के सिर और पीठ को बुरी तरह नोच डाला, जिससे उसकी रास्ते में ही मौत हो गई। घटना के बाद से पूरे गांव में शोक और आक्रोश का माहौल है। घटना की जानकारी मिलते ही मजदूरी के सिलसिले में अजमेर गए बच्ची के माता-पिता रोते-बिलखते गांव लौटे। शुक्रवार को पोस्टमॉर्टम के बाद जब पिता राजीव भाभर अपनी मृत बेटी के शव को गोद में लेकर सीने से लगाए फफक-फफक कर रो रहे थे, तो वहां मौजूद हर शख्स की आंखें नम हो गईं। माता-पिता करीब एक महीने पहले ही अजमेर मजदूरी करने गए थे और मनीषा को उसके दादा-दादी के पास छोड़कर गए थे। शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे परिजन शव वाहन के जरिए बच्ची का शव लेकर अपने पैतृक गांव के लिए रवाना हुए। जिसमें वह खुशी से नाचती-दौड़ती और मासूमियत से यह कहती नजर आ रही है .



बोर्ड गायब, नहरों और कूड़े के ढेर में पड़े बोर्ड से हादसों का खतरा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। एक तरफ राज्य सरकार सड़कों के रेनोवेशन, चौड़ीकरण और डेवलपमेंट के बड़े-बड़े दावे कर रही है, वहीं दूसरी तरफ डभोई-बोडेली स्टेट हाईवे पर प्रशासन की बड़ी लापरवाही और बेपरवाही सामने आ रही है। लाखों-करोड़ों रुपये के भारी-भरकम बजट से बने इस हाईवे पर गाड़ी चलाने वालों की सुरक्षा के लिए लगाए गए ज़रूरी दिशा बताने वाले बोर्ड और रोड क्रॉसिंग साइनबोर्ड अब पूरी तरह से गायब हो चुके हैं या बहुत खराब हालत में दिख रहे हैं। नहरों और कूड़े के ढेर में पड़े सरकारी बोर्ड डभोई-बोडेली हाईवे से गांव के इलाकों की ओर जाने वाली सड़कों, खतरनाक मोड़ों और मुख्य क्रॉसिंग को दिखाने वाले ज़रूरी साइनबोर्ड ज़मीन पर गिरा दिए गए हैं। कई जगहों पर लाखों रुपये की लागत से बने ये सरकारी बोर्ड टूटकर सड़क के किनारे नहरों में पड़े हैं, तो कुछ जगहों पर कूड़े के ढेर में पड़े दिखते हैं। रोड्स एंड बिल्डिंग्स डिपार्टमेंट या संबंधित हाईवे अथॉरिटी के ज़िम्मेदार अधिकारियों की बड़ी लापरवाही के कारण इन दिशा बताने वाले बोर्ड का कोई रखरखाव या मरम्मत नहीं हो रही है। दिन में तो गाड़ी चलाने वाले ध्यान से इधर-उधर देखकर निकल जाते हैं, लेकिन असली दिक्कत सूरज डूबने के बाद होती है। रात के समय पूरी स्पीड से दौड़ते वाहनों को आने वाले क्रॉसिंग, खतरनाक मोड़ या गांवों की ओर जाने वाली सड़कों का कोई अंदाज़ा नहीं होता। सही रिफ्लेक्टर या साइन बोर्ड न होने के कारण इस सड़क पर अक्सर छोटे-बड़े हादसे हो रहे हैं। नतीजतन, बेकसूर पैदल चलने वालों और गाड़ी चलाने वालों की जान लगातार खतरे में पड़ रही है। लोकल लोगों में भारी गुस्साः तुरंत नए बोर्ड लगाने की ज़ोरदार मांग हाईवे पर लगातार बढ़ते ट्रैफिक के बीच, प्रशासन की ऐसी बड़ी लापरवाही लोकल गांववालों और रोज़ाना आने-जाने वालों के लिए बहुत बड़ा सिरदर्द बन गई है। लोगों में इस बात को लेकर भारी गुस्सा है कि करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी जनरल सेफ्टी बोर्ड लगाने या मेंटेन करने में प्रशासन इतना इनएक्टिव क्यों है? लोकल लोगों की ज़ोरदार मांग है कि प्रशासन अपनी नींद से जागे और तुरंत सभी टूटे या गायब साइन बोर्ड ठीक कराए और नए रिफ्लेक्टर बोर्ड लगाए।



डभोई के काजीवड़ से राणा होटल तक धूल के गुबार से परेशान हैं लोगः नगर पालिका की सफाई मशीन बंद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

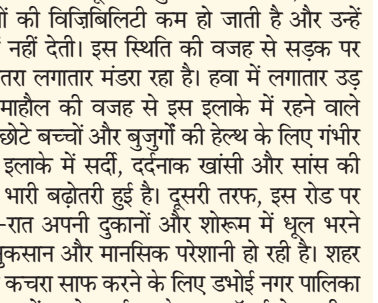
डभोई। डभोई में काजीवड़ इलाके से राणा होटल तक मेन रोड पर लंबे समय से भारी धूल के गुबार उड़ रहे हैं, जिससे स्थानीय निवासियों, व्यापारियों और यहां से गुजरने वाले पैदल चलने वालों का जीना मुश्किल हो गया है। नगर पालिका प्रशासन की घोर लापरवाही, अनाड़ी प्रशासन और निष्क्रियता के कारण जनता को लगातार वायु प्रदूषण और गंभीर स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। जब इस मेन रोड से गाड़ियां गुजरती हैं, तो इतनी ज्यादा धूल उड़ती है कि ड्राइवर और पैदल चलने वाले लोग मुंह पर रूमाल या मास्क लगाने को मजबूर हो जाते हैं। सड़क पर धूल की मोटी परत होने की वजह से आगे चल रही गाड़ियों के पीछे धूल का गुबार बन जाता है, जिससे पीछे से आ रही गाड़ियों की विज़िबिलिटी कम हो जाती है और उन्हें आगे की सड़क दिखाई नहीं देती। इस स्थिति की वजह से सड़क पर गंभीर एक्सीडेंट का खतरा लगातार मंडरा रहा है। हवा में लगातार उड़ रही धूल और प्रदूषित माहौल की वजह से इस इलाके में रहने वाले शहरवासियों, खासकर छोटे बच्चों और बुज़ुर्गों की हेल्थ के लिए गंभीर खतरा पैदा हो गया है। इलाके में सर्दी, दर्दनाक खांसी और सांस की दिक्कतों के मामलों में भारी बढ़ोतरी हुई है। दूसरी तरफ, इस रोड पर व्यापारियों को भी दिन-रात अपनी दुकानों और शोरूम में धूल भरने की वजह से आर्थिक नुकसान और मानसिक परेशानी हो रही है। शहर की सड़कों से धूल और कचरा साफ करने के लिए डभोई नगर पालिका ने जनता के टैक्स से लाखों रुपये खर्च करके एक मॉडर्न रोड स्वीपर मशीन खरीदी थी। लेकिन सही देखभाल और मेंटेनेंस न होने की वजह से यह मशीन भी खराब हालत में धूल फांक रही है। करोड़ों के बजट वाली नगर पालिका इस मशीन को तुरंत ठीक करवाने या सड़कों की रेगुलर सफाई करवाने की ज़हमत भी नहीं उठाती, जिससे सरकारी खजाने से जनता का पैसा बर्बाद हो रहा है। अधिकारियों के खिलाफ़ लोगों में भारी गुस्साः तुरंत सफाई और पानी का छिड़काव करने की मांग नगर पालिका प्रशासन और चुनी हुई अधिकारियों की बड़ी लापरवाही के खिलाफ़ स्थानीय शहरवासियों, व्यापारियों और राहगीरों में भारी गुस्सा है। लोगों की ज़ोरदार मांग है कि काजीवाड़ से राणा होटल तक इस सड़क से तुरंत धूल हटाई जाए और रोज़ाना रेगुलर पानी का छिड़काव और सफाई का काम किया जाए। अगर यह समस्या जल्द से जल्द हल नहीं हुई, तो स्थानीय लोग आंदोलन करने की धमकी भी दे रहे हैं।



गोत्री के गोकुलनगर इलाके में एक कपड़े की दुकान में भीषण आग लग गई

महानगर मेट्रो ब्यूर

वडोदरा। शहर के सेंसिटिव और बिज़ी इलाके गोकुलनगर सोसाइटी में आज एक कपड़े की दुकान में भीषण आग लग गई, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। दुकान में दिवाली के सीजन के लिए रखे लाखों रुपये के नए कपड़े और फर्नीचर आग में जल गए हैं, जिससे व्यापारियों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। मिली जानकारी के मुताबिक, गोत्री के गोकुलनगर इलाके में इस रेडीमेड कपड़ों की दुकान से अचानक धुआं निकलता देखा गया। आग ने देखते ही देखते भयंकर रूप ले लिया और दुकान के अंदर से ऊंची-ऊंची लपटें निकलने लगीं। दुकान से अचानक आग की लपटें निकलती देख वहां रहने वाले लोगों और दूसरे दुकानदारों में अफरा-तफरी मच गई। लोग अपनी जान बचाने के लिए सुरक्षित जगहों पर भागे, जिससे कुछ देर के लिए पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए तुरंत फायर ब्रिगेड डिपार्टमेंट को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां सायरन बजाती हुई मौके पर पहुंचीं। फायर कर्मियों ने तुरंत मोर्चा संभाला और पानी की बौछार की और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि, आग इतनी भीषण थी कि फायरफाइटर्स के पहुंचने से पहले ही दुकान का ज्यादातर सामान जलकर राख हो चुका था। अच्छी बात यह है कि इस आग लगने की घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन दुकान का पूरा सामान जलकर राख हो जाने से व्यापारी को भारी नुकसान हुआ है। इतनी बड़ी आग लगने का सही कारण अभी पता नहीं चल पाया है। शुरुआती अंदाज़ा है कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी होगी। आग लगने का सही कारण पता लगाने के लिए लोकल पुलिस और फायर डिपार्टमेंट की टीम ने आगे की जांच की है।



तथाकथित मुनि सागरचंद्र सागर की खुली पोल!

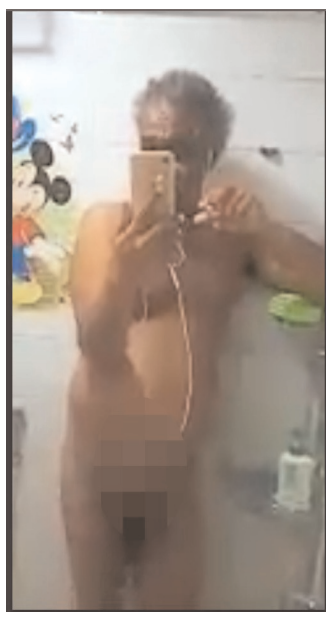
जिनालयों के नाम पर करोड़ों का दान लूटकर साध्वियों की इज्जत के साथ खेलने वाले ढोंगियों पर अब आर-पार की लड़ाई!

धर्म की पवित्रता पर प्रहार: क्या सफेद वस्त्रों की आड़ में चल रहा है अधर्मियों का साम्राज्य?

सफेद वस्त्रों की ओट में बैठे शैतानी चेहरों के खिलाफ 'महानगर मेट्रो न्यूज़' और मीडिया का लाल प्रहार

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

नई दिल्ली/अहमदाबाद। सत्य, अहिंसा, ब्रह्मचर्य और धर्म के पवित्र सिद्धांतों से पूरी दुनिया को मार्ग दिखाने वाला महान जैन धर्म आज एक ऐसे गंभीर मोड़ पर आ खड़ा हुआ है, जहाँ इसके कुछ संरक्षकों और साधु वेषधारियों के काले आचरण पर बड़े सवाल खड़े हो गए हैं। गुजरात से लेकर मध्य प्रदेश और देश के कोने-कोने में आज एक ही चर्चा आम बन गई है कि क्या सफेद कपड़ों की आड़ में कोई राक्षस समाज को दीमक की तरह चाट रहा है? हाल ही में तथाकथित मुनि सागरचंद्र सागर नामक शख्स और उससे जुड़े प्रकरणों को लेकर जो सनसनीखेज खुलासे सामने आए हैं, उसने जैन समाज की नींव को हिलाकर रख दिया है।



क्या है पूरा मामला और क्यों मचा है हाहाकार?

प्राप्त विवरणों और सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे दावों के अनुसार, सागरचंद्र सागर नामक इस कथित साधु पर अत्यंत गंभीर आरोप हैं कि वह अपनी हवस और विलासिता को संतुष्ट करने के लिए मासूम साध्वियों को अपने जाल में फंसाता था और उनकी जिंदगी बर्बाद कर रहा था। जब ऐसे पाखंडियों की अश्लील, आपत्तिजनक और नग्न तस्वीरें सार्वजनिक पटल पर आईं, तो धर्मप्रेमी जनता में भारी रोष और आक्रोश फूट पड़ा। एक तरफ भगवान महावीर ने त्याग और तपस्या का मार्ग बताया, तो दूसरी तरफ ऐसे तथाकथित मुनि करोड़ों रुपये के दान से ऐशो-आराम की जिंदगी जीकर धर्म पर कलंक लगा रहे हैं। यह सवाल सिर्फ एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था का है जो ऐसे तत्वों को आश्रय और संरक्षण देती है। गुजरात के बाद अब मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों में भी ऐसे ढोंगियों द्वारा अपने शिकार तलाशने की खबरें सामने आ रही हैं, जो बेहद चिंताजनक है।

महानगर न्यूज़' की खुली चेतावनी और सवाल

'महानगर मेट्रो 'हमेशा बेधड़क और निर्भीक पत्रकारिता का प्रतीक रहा है। हम इस कुसाधु सागरचंद्र सागर और उसके कारनामों को खुली चेतावनी देते हैं:

1. **हिम्मत हो तो सामने आएं:** यदि आप या आपके पाले हुए चमचे बेकसूर हैं, तो पर्दे के पीछे छिपकर या पत्रक जारी करके नाटक करना बंद करें और मीडिया के सामने आकर सच्चाई का सामना करें।

2. **दलालों और पैंतरेबाजों के लिए चेतावनी:** जब भी ऐसे खुलासे हों तब उसके इशारे पर तुरंत खंडन या पोस्टरबाजी शुरू कर देने वाले दलालों की अब खैर नहीं!

3. **सार्वजनिक विरोध:** भविष्य में देश के किसी भी कोने में यदि इस कुसाधु का स्वागत होगा या कोई धार्मिक अनुष्ठान रखा जाएगा, तो जनता वहां पहुंचकर इसका उग्र विरोध करेगी। मीडिया एडवायज़र अभय चोपड़ा और पीठबल प्रदान करने वालों पर प्रहार जब भी सागरचंद्र सागर के विरुद्ध कोई समाचार किसी भी समाचार पत्र या न्यूज प्लेटफ़ॉर्म पर प्रसारित होता है, तो तुरंत ही उसके मीडिया एडवायज़र अभय चोपड़ा मैदान में कूद पड़ते हैं। वे न्यूज का सरेआम खंडन करते हैं, सोशल मीडिया पर पोस्टर बनाकर वायरल करते हैं और मीडिया को चुनौती देते हैं कि जो छापा गया है वह सच नहीं है। हमारा सीधा सवाल अभय चोपड़ा और उनके समर्थकों से हैः यदि कथित कुसाधु सागरचंद्र सागर सच्चा है और उसके पास सत्य की ताकत है, तो फिर अभय चोपड़ा मीडिया से सवाल पूछने के बजाय खुद सागरचंद्र सागर से ही सवाल क्यों नहीं करते? इन नग्न तस्वीरों और काले कारनामों के सामने आने के बाद, किस आधार पर अभय चोपड़ा मीडिया की सच्चाई पर सवाल उठा रहे हैं? क्या जनता और मीडिया को धमकाने के लिए पिछले दरवाजे से कोई बड़े वित्तीय पैकेज या सौदेबाजी हुई है? सागरचंद्र सागर जैसे कुसाधुओं को प्रोत्साहन देने वाले, उन्हें छुपाने वाले और ऐसे दलाल-पैंतरेबाज चलाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के विरुद्ध अब कानूनी और सामाजिक स्तर पर सख्त कार्रवाई होनी ही चाहिए।

जैन समाज खामोश क्यों? कौन बचा रहा है इस पापी को?

सबसे बड़ा और पीड़ायक सवाल यह है कि इतने पुख्ता और गंदे प्रमाण सामने आने के बाद भी जैन समाज के जिम्मेदार अग्रणीय, संघ और संस्थाएं गूंगे बनकर क्यों बैठे हैं? क्या करोड़ों रुपये के साम्रा'य और दान के मोह में समाज की आंखें अंधी हो गई हैं? क्या जैन समाज के पास ऐसे स'चे संतों और आचार्यों की कमी है जो धर्म का सही प्रचार कर सकें? जब तक समाज खुद आगे आकर ऐसे भ्रष्ट तत्वों का बहिष्कार नहीं करेगा, तब तक जैन समाज की बेटियां और दीक्षा लेने वाली साध्वियां सुरक्षित नहीं रह सकेंगी। यह समय मूकदर्शक बनने का नहीं, बल्कि एकजुट होकर अपनी अस्मिता की रक्षा करने का है।

सोसायटी में घुसकर गुंडों का नंगा नाचः वैष्णोदेवी सर्किल के पास श्री बालाजी विंड पार्क के ट्रेज़रर पर जानलेवा हमला, 15 लाख की लूट और 4 लोगों के खिलाफ शिकायत!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर में कानून-व्यवस्था को खतरा पहुंचाने वाली घटनाएं अब आम होती जा रही हैं। आम नागरिक ही नहीं, बल्कि अब तो सुरक्षित मानी जाने वाली हाई-प्रोफाइल सोसाइटियों में भी गुंडे उपद्रवी बनकर आतंक मचा रहे हैं। एक सनसनीखेज घटना सामने आई है जिसमें अहमदाबाद के पॉश और व्यस्त वैष्णोदेवी सर्किल इलाके में स्थित जानी-मानी सोसायटी 'श्री बालाजी विंड पार्क' में घुसकर सोसायटी के ट्रेज़रर पर लाठियों और कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला किया गया। पुरानी रंजिश और अंदरूनी झगड़े की रंजिश में किए गए इस हमले से पूरे इलाके में काफी चर्चा है। मिली खास जानकारी के मुताबिक, सोसायटी में रहने वाले जयदीप प्रजापति नाम के एक व्यक्ति से सोसायटी के WhatsApp ग्रुप और दूसरी बातों को लेकर पहले से ही कहासुनी और विवाद चल रहा था। इसी पुरानी दुश्मनी का फ़ायदा उठाकर आरोपियों ने सोसाइटी के ट्रेज़रर और 48 साल के सुनीलभाई पटेल को निशाना बनाया, जो सेकंड-हैंड कारों का बिज़नेस करते हैं। मामला तब गरमा गया जब त्रागड़ गांव के कुछ असामाजिक और शरारती लोगों - मुख्य रूप से शकराजी विराजी ठाकोर और भरत ठाकोर - ने सोसाइटी का सिक्योरिटी गेट तोड़ दिया या ज़बरदस्ती अंदर घुस गए। इन लोगों ने सोसाइटी के ट्रेज़रर सुनीलभाई पर डंडों और जानलेवा हथियारों से बेरहमी से हमला किया।

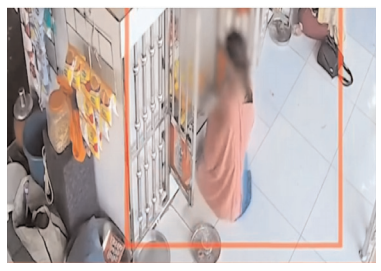


सोसाइटी के सिक्योरिटी गार्ड और हाउसकीपिंग स्टाफ़ ने बीच-बचाव करके सुनीलभाई को बचाने की कोशिश की। हमलावरों का आतंक यहीं नहीं रुका।

राजकोट में आस्था के प्रतीक मंदिर में चोरीः भगवान के दरबार में हाथ आजमाती लड़की का CCTV फुटेज वायरल, कैसी मजबूरी या लालच था?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। राजकोट शहर से एक बहुत ही चौंकाने वाली, शर्मनाक और सवाल उठाने वाली घटना सामने आई है। एक छोटी लड़की मंदिर में, जो आस्था का केंद्र है, एक पवित्र जगह जहां लोग भगवान से हाथ जोड़कर अपने दर्द ठीक करने और अपनी मुश्किलों को दूर करने की प्रार्थना करते हैं, चोरी करने के इरादे से घुसी और मौजूदगी का फायदा उठाकर उसने चोरी को अंजाम दिया। भगवान के दरबार में हुई यह चोरी की घटना मंदिर के CCTV कैमरे में साफ कैद हो गई है, जिसका फुटेज अब सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिससे पूरे शहर में हलचल मच गई है। भगवान के मंदिर में हाथापाई CCTV फुटेज से सच सामने आया मिली जानकारी के मुताबिक, यह घटना राजकोट के एक जाने-माने और मशहूर मंदिर में हुई। मंदिर रोज़ की तरह खुला था और भक्तों का आना-जाना भी जारी था। उसी दौरान, एक लड़की भक्त के भेष में या नॉर्मल तरीके से मंदिर में घुसी। यह



देखने के बाद कि आस-पास कोई है या नहीं, उसने अंदर रखी कीमती चीज़, दानपेटी या भगवान के श्रृंगार पर हाथ साफ करने की कोशिश की। यह पूरी जानलेवा और बेखौफ हरकत मंदिर के हर कोने में लगे CCTV कैमरों में कैद हो गई। वीडियो में लड़की के चेहरे के हाव-भाव और उसकी चालाकी साफ देखी जा सकती है। इस घटना के सामने आने के बाद, आस-पास के लोगों और सोशल मीडिया यूज़र्स के बीच काफी चर्चा हो रही है। लोगों के मन में सवाल है कि ऐसी कौन सी बहुत बुरी हालत या मजबूरी थी जिसने लड़की को सीधे भगवान के दरबार से चोरी करने का घिनौना रास्ता चुनने पर मजबूर कर दिया? क्या वह बहुत ज़्यादा पैसे की तंगी से गुज़र रही थी या कर्ज़ के बोझ तले दबी थी? क्या परिवार में कोई गंभीर बीमारी या पैसे की तंगी थी? चोरी को कभी भी सही नहीं ठहराया जा सकता, लेकिन इसके पीछे की सच्चाई जानना ज़रूरी है। किसी भी हालात में या कितनी भी बड़ी प्रॉब्लम क्यों न हो, किसी धार्मिक जगह या भगवान के घर से चोरी करना कभी भी सही या सही नहीं ठहराया जा सकता। कानून की नज़र से यह एक बड़ा जुर्म है और आस्था पर सीधा हमला है। लेकिन सामाजिक नज़रिए से अगर कोई लड़की ऐसा कदम उठाने पर मजबूर होती है, तो उसके पीछे की असली बातें और सामाजिक वजहें सामने आना भी उतना ही ज़रूरी है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। पुलिस की जांच ज़ोरों पर है, गिरफ्तारी के बाद ही राज़ खुलेंगे। मंदिर के ट्रस्टी और एडमिनिस्ट्रेटर ने CCTV फुटेज के साथ पुलिस को इस मामले की जानकारी दी है।

सूरत के सीमाडा इलाके के वलम नगर में पुल बनाने के दौरान बड़ा हादसा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। सूरत के सीमाडा इलाके के वलम नगर में नाले के किनारे लापरवाही की एक बहुत ही चौंकाने वाली और गंभीर घटना सामने आई है। चल रहे पुल बनाने के काम के दौरान, नाले के किनारे बना एक पूरा घर मिट्टी के लैंडस्लाइड से अचानक गिरकर एक तरफ धंस गया। इस घटना के बाद आसपास के इलाके में भारी अफरा-तफरी और डर का माहौल फैल गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, सीमाडा वलम नगर के पास नाले के किनारे पुल बनाने का काम जोरों पर चल रहा था। इस काम के दौरान, बिना सही सेफ्टी उपायों या सेफ्टी दीवारों के गहरी खुदाई की गई, और अचानक जमीन से बड़ी मात्रा में मिट्टी गिर गई। मिट्टी खिसकने से नाले के किनारे बना घर अपनी नींव से हिलकर खतरनाक तरीके से एक तरफ झुक गया। इस घर के नीचे बनी दुकान के मालिक को बहुत बड़ा फाइनेंशियल नुकसान हुआ है। अभी यह घर बहुत ही खतरनाक और खतरनाक स्थिति में खड़ा है, एक तरफ झुका हुआ है। अगर यह घर अचानक धमाके के साथ गिर गया, तो वहां से गुजरने वाले लोगों या आस-पास के घरों के लिए बड़ा खतरा है। आस-पास के लोगों में बहुत ज़्यादा डर है क्योंकि यह घर कभी भी गिर सकता है और बड़ी मौतें हो सकती हैं।कॉन्ट्रैक्टर और एडमिनिस्ट्रेशन की लापरवाही और लापरवाही की वजह से आज एक आम नागरिक और बिजनेसमैन का स्ट्रक्चर और रोजी-रोटी खतरे में है। तो 'पाको गुजरात' एडमिनिस्ट्रेशन और एडमिनिस्ट्रेशन से सीधा और तीखा सवाल पूछता है तो इसका पूरा ज़िम्मेदार कौन होगा? क्या पुल के उस कॉन्ट्रैक्टर के खिलाफ तुरंत क्राइम रजिस्टर किया जाएगा जिसने बिना किसी सावधानी के खुदाई की?

पीड़ित का सनसनीखेज दावा कि उसकी जेब से 10 रुपए भी नहीं छोड़े

महानगर मेट्रो ब्यूरो

थराद। गुजरात पुलिस की छवि खराब करने वाली और खाकी वर्दी को शर्मसार करने वाली एक बेहद चौंकाने वाली घटना बनासकांठा सीमा क्षेत्र में स्थित थराद पुलिस चेकपोस्ट से सामने आई है. गंभीर आरोप लगाया गया है कि थराद चेकपोस्ट पर ड्यूटी पर तैनात कथित पुलिसकर्मियों ने मोरबी की ओर जा रहे एक निर्दोष चालक/व्यक्ति से अवैध रूप से 'एंट्री' की और किश्तें वसूलीं. इस पूरी शर्मनाक घटना का वीडियो भी बनाए जाने का दावा किए जाने के बाद पूरा बनासकांठा जिला पुलिस बल सदमे में है. उसकी जेब से 10 रुपये निकाल लिए! पीड़ित के खुलासे के मुताबिक, जब वह थराद चेकपोस्ट से गुज़र रहा था, तो वहां तैनात पुलिसवालों ने उसे रोका। पहले तो बिना किसी कानूनी कार्रवाई या एडमिनिस्ट्रेटिव प्रोसेस के, 500 रुपये से 1,000 रुपये तक की गैर-कानूनी एंट्री फीस या किश्त वसूली की गई। पीड़ित के यह कहने पर भी कि उसके पास इतने पैसे नहीं हैं, खाकी वर्दी वालों की धौंस और भूख शांत नहीं हुई। पीड़ित का एक बहुत ही गंभीर आरोप है कि उसकी जेब में सिर्फ़ 140 रुपये बचे थे, जिसमें से भी एक पुलिसवाले ने उसे धमकाकर 10 रुपये की रकम हड़प ली! पीड़ित ने आरोप लगाया है कि चेकपोस्ट पर इस काले धंधे और कथित किश्त वसूली का पूरा वीडियो रिकॉर्ड किया गया है। पीड़ित ने वाव-थराद डिस्ट्रिक्ट पुलिस चीफ चिंतन जे. तरैया से इस मामले में वीडियो सबूतों के साथ निष्पक्ष और गहरी जांच करने की मांग की है। वीडियो फुटेज के आधार पर गैर-कानूनी तरीके से वसूली करने वाले पुलिसवालों की तुरंत पहचान करने, उन्हें सस्पेंड करने और उनके खिलाफ क्रिमिनल कॉन्सपिरेसी और रॉबरी जैसी सख्त कानूनी कार्रवाई करने की ज़ोरदार मांग की गई है। अगर वही पुलिसवाले जो जनता की सुरक्षा और कानून के राज के लिए तैनात हैं, हाईवे और चेक पोस्ट पर खुलेआम लूटपाट करने लगें, तो जनता इंसाफ के लिए किसके पास जाए?



नई सड़कें बनाने से दोगुने खर्च वाले काम में सिर्फ लॉलीपॉपः कॉन्ट्रैक्टर पर पुराने नियमों को ताक पर रखकर डामर बिछाने के बजट का गलत इस्तेमाल करने का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। दिवाली का त्योहार नजदीक आते ही अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने शहर की टूटी-फूटी और गड्डे वाली सड़कों पर पैचवर्क का काम जोरों पर शुरू कर दिया है। हालांकि, गंभीर आरोप लगे हैं कि त्योहारों से पहले सड़कों को बेहतर बनाने के नाम पर किया गया यह काम 'घोटाला' और करोड़ों रुपये की बर्बादी के अलावा कुछ नहीं है। नई सड़कें बनाने से दोगुने खर्च वाले काम के सिर्फ 24 घंटे में पैचवर्क के ढेर उखाड़े जाने से AMC प्रशासन और कॉन्ट्रैक्टर की मिलीभगत के खिलाफ लोगों का गुस्सा भड़क गया है। नियमों को ताक पर रखकर सीधे मेटल पर डामर बिछाया गया अहमदाबाद के कई इलाकों में सड़क मरम्मत के पुराने और टेक्निकल तरीके को पूरी तरह से दरकिनार कर दिया गया है। रोड इंजीनियरिंग के नियमों के मुताबिक, गड्ढों को भरने से पहले ठीक से सफाई और प्राइमर कोटिंग ज़रूरी है, लेकिन कॉन्ट्रैक्टर सीधे मेटल (बजरी) पर डामर बिछा रहे हैं। बिना किसी क्वालिटी के सिर्फ़ ऊपरी काम करके बिल बनाने का यह बड़ा घोटाला चल रहा है, जिससे सड़क पर किया गया डामर एक ही दिन में उखड़कर पाउडर बन रहा है। पैचवर्क का खर्च नई सड़क बनाने से दोगुना क्यों? शहर के जागरूक नागरिक और विपक्ष सवाल उठा रहे हैं कि इस पैचवर्क के काम को कागज़ों में नई सड़क बनाने से दोगुना दिखाया जा रहा है। हर साल मानसून के बाद और दिवाली से पहले सड़क रिपेयर के लिए करोड़ों रुपये का बजट दिया जाता है, लेकिन



ये करोड़ों रुपये सीधे जनता की जेब से भ्रष्ट अधिकारियों और कॉन्ट्रैक्टरों की तिजोरियों में जा रहे हैं। सड़कों की क्वालिटी सुधारने के बजाय, गाड़ी चलाने वाले हादसों का शिकार हो रहे हैं। अहमदाबाद के लोग करोड़ों रुपये टैक्स के तौर पर देते हैं, लेकिन बदले में उन्हें सिर्फ़ खराब और टूटी-फूटी सड़कें मिलती हैं। हुक्मरान सिर्फ़ कागज़ पर काम दिखाकर खुश हैं।

अंबाजी-आबू रोड हाईवे पर सफर करने से पहले सावधान रहें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बनासकांठा. नॉर्थ गुजरात और राजस्थान को जोड़ने वाला बहुत बिज़ी अंबाजी-आबू रोड रोड अब गाड़ी चलाने वालों के लिए खून से लथपथ और खतरनाक सड़क बन गया है। टूरिस्ट और गाड़ी चलाने वालों को अंबाजी से आबू रोड जाने वाली सड़क से गुजरने से पहले खास तौर पर सावधान रहने की ज़रूरत है, क्योंकि इस हाईवे पर खतरनाक हथियारों से लैस लुटेरों और क्रिमिनल्स का एक बेरहम गैंग एक्टिव हो गया है और बेकसूर यात्रियों पर जानलेवा हमले कर रहा है।पिछले कुछ सालों से इस सड़क से गुजरने वाले कार और ट्रक ड्राइवर टारगेट बन रहे हैं। अंधेरा होते ही इस हाईवे पर असामाजिक तत्वों और लुटेरों का आतंक इतना बढ़ गया है कि गाड़ी चलाने वाले डर के साए में जी रहे हैं। लोहे की रॉड, डंडे, तलवार और दूसरे खतरनाक हथियारों से लैस ये गैंग अचानक गाड़ियों पर पत्थर फेंकते हैं या गाड़ियों को ज़बरदस्ती रोककर ड्राइवरों और यात्रियों को बुरी तरह पीटते हैं। पुलिस प्रशासन पर गंभीर सवाल और सख्त कार्रवाई की मांग एक तरफ, अंबाजी तीर्थस्थल और आबू रोड टूरिस्ट डेस्टिनेशन को जोड़ने वाले इस हाईवे पर लाखों श्रद्धालु और टूरिस्ट आते-जाते हैं, वहीं दूसरी तरफ, सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलने वाली इन घटनाओं से लोगों में बहुत गुस्सा है। यह ज़ोरदार मांग की गई है कि सिरोही पुलिस और बनासकांठा पुलिस इंटर-स्टेट बॉर्डर पर पेट्रोलिंग बढ़ाए और इस खतरनाक गैंग को जल्द पकड़कर जैसलमेर या दूसरी जेलों की सलाखों के पीछे भेजे।

एंटी-नारकोटिक्स विंग और चांगोदर पुलिस ने अहमदाबाद रूरल में बड़ा ऑपरेशन शुरू किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। एंटी-नारकोटिक्स विंग और चांगोदर पुलिस ने अहमदाबाद रूरल जिले में ड्रग्स के काले धंधे और गैर-कानूनी ड्रग नेटवर्क के खिलाफ एक बड़ा और जॉइंट ऑपरेशन चलाकर बड़ी कामयाबी हासिल की है। सीक्रेट जानकारी के आधार पर किए गए इस बड़े ऑपरेशन में, बड़ी मात्रा में बैन कोडीन वाली



कफ सिरप की 600 बोतलें जब्त की गई हैं और इस काले धंधे को चलाने वाले 3 लोगों को रंगे हाथों पकड़ा गया है। 22 अक्टूबर, 2026 को मिली खास जानकारी के आधार पर, पुलिस टीम ने चांगोदर इलाके में अचानक रेड की। जांच के दौरान, पुलिस भी तब हैरान रह गई जब उन्होंने एक ग्रे रंग की मारुति सुज़ुकी इको कार की तलाशी ली जो संदिग्ध हालत में मिली। इस कार में गैर-कानूनी तरीके से ले जाई जा रही बैन कफ सिरप की 480 बोतलें मिलीं। इको कार में पकड़े गए लोगों से कड़ी पूछताछ और मिले सुरागों के आधार पर, पुलिस ने तुरंत साणंद तालुका के दारन गांव में किरणभाई चौहान के घर पर छापा मारा। इस घर में की गई कड़ी जांच के दौरान, कफ सिरप की 120 और बोतलें मिलीं, जिससे पता चला है कि यह इस ड्रग नेटवर्क का एक बड़ा गोदाम है। जब जांच के लिए FSL (फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी) के अधिकारियों को मौके पर बुलाया गया, तो पता चला कि यह कफ सिरप NDPS एक्ट के तहत पूरी तरह से बैन है। पुलिस ने मौके से कफ सिरप की कुल 600 बोतलें, जुर्म में इस्तेमाल किए गए 4 मोबाइल फोन और एक मारुति इको कार, कुल 3,19,000 रुपये का सामान ज़ब्त किया है। गुजरात को ड्रग-फ्री बनाने की मुहिम के तहत, चांगोदर पुलिस और एंटी-नारकोटिक्स विंग ने यह बड़ी कार्रवाई की है और युवाओं के लिए खतरनाक नशीले पदार्थों की सप्लाई चेन पर चोट की है।

सरकारी ज़मीन पर गैर-कानूनी कब्ज़ा करने वालों के खिलाफ अब सख्त कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात में सरकारी ज़मीनों और चरागाहों पर गैर-कानूनी कब्ज़े और भू-माफियाओं की परेशानी के खिलाफ राज्य सरकार ने अब तक का सबसे बड़ा और सख्त कदम उठाया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के सभी जिला कलेक्टरों को साफ और सख्त आदेश जारी किए हैं और उनसे आग्रह किया है कि वे बिना किसी शर्म के बार-बार सरकारी ज़मीन पर कब्ज़ा करने



वालों के खिलाफ तुरंत क्रिमिनल केस दर्ज करें। पहले कई जगहों पर देखा गया था कि एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम के दबाव हटाने के बाद माफिया उसी ज़मीन पर दोबारा कब्ज़ा कर लेते थे। इस गंभीर मामले पर ध्यान देते हुए मुख्यमंत्री ने अब साफ कर दिया है कि सिर्फ तोड़फोड़ ही नहीं होगी, बल्कि ऐसे असामाजिक तत्वों और दबाव बनाने वालों के खिलाफ पुलिस में कानूनी केस दर्ज कर उन्हें जेल भेजा जाएगा। राज्य सरकार की इस सख्त पॉलिसी से लैंड माफियाओं में भारी हलचल मच गई है। सरकारी जमीनों की सुरक्षा की मुख्य जिम्मेदारी स्थानीय स्व-सरकारी संस्थाओं और पंचायतों की है। इस संबंध में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कलेक्टरों को सख्त निर्देश दिए हैं कि अगर कोई सरपंच या स्थानीय पंचायत पदाधिकारी अपने इलाके में सरकारी जमीन पर दबाव बनाने से रोकने या रिपोर्ट करने में नाकाम रहता है या अपनी ड्यूटी में लापरवाही दिखाता है, तो उसके खिलाफ भी डिपार्टमेंटल और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अब गांवों में सरकारी जमीनों और चारागाहों की सुरक्षा के लिए सीधे जमीनी स्तर से जिम्मेदारी तय की जाएगी। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात सरकार ने राज्य में कानून-व्यवस्था और सरकारी संपत्तियों की सुरक्षा के लिए 'जीरो टॉलरेंस' पॉलिसी अपनाई है।



SG हाईवे ड्राइवरों के लिए कितना सुरक्षित है?: कर्णावती क्लब सर्कल के पास लापरवाह BMW ड्राइवर का आतंक

दो भाइयों समेत तीन को घायल कर ड्राइवर फरार!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद की लाइफलाइन मानी जाने वाली S.G. हाईवे (सरखेज-गांधीनगर हाईवे) अब ड्राइवरों के लिए रोज़ की सड़क नहीं, बल्कि मौत का मैदान बनती जा रही है। हाई-प्रोफाइल और लापरवाह ड्राइवरों के लिए कानून और ट्रैफिक नियम कागज़ के टुकड़े बन गए हैं। स्त हाईवे पर मशहूर कर्णावती क्लब चौराहे के पास लापरवाही से गाड़ी चलाने का एक और जानलेवा मामला सामने आया है। एक शानदार BMW कार ड्राइवर ने तेज़ रफ़्तार से गाड़ी चलाते हुए एक एक्टिवा, एक ऑटोरिक्शा और एक दूसरी कार को एक ही समय में टक्कर मार दी, जिसमें दो भाइयों समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और नबीरा एक्सीडेंट करके मौके से भाग गया! मिली जानकारी के मुताबिक, आम लोग S.G.



हाईवे पर कर्णावती चौराहे के पास आराम से गुज़र रहे थे, तभी पूरी स्पीड से आ रही एक बेकाबू BMW कार का ड्राइवर अपनी कार पर से कंट्रोल खो बैठा। इस बेकाबू कार ने सबसे पहले आगे चल रही एक्टिवा को पीछे से टक्कर मारी। टक्कर इतनी ज़ोरदार थी कि एक्टिवा पर सवार दो भाई हवा में उछलकर सड़क पर गिर गए, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। लेकिन यह खतरनाक ड्राइविंग यहीं नहीं रुकी। एक्टिवा फूंकने के बाद भी नबीरा की स्पीड कम नहीं हुई। इसने आगे चल रहे एक ऑटोरिक्शा को भी टक्कर मार दी, जिससे रिक्शा में बैठे एक यात्री के पैर में गंभीर चोटें आईं। इतना ही नहीं, इस बेकाबू BMW कार ने एक दूसरी कार को भी टक्कर मार दी और चारों तरफ अफरा-तफरी मच गई। एक्सीडेंट करने के बाद, टक्कर मारने वाला BMW ड्राइवर अपनी कार लेकर मौके से भाग गया। हुक्मरानों और पुलिस की नाकामी पर सवाल इस घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि S.G. हाईवे पर महंगी और लग्ज़री कारें चलाने वाले नौजवानों या युवाओं को कानून का कोई डर नहीं है। दिन हो या रात, किसी भी समय पूरी स्पीड से दौड़ती ये गाड़ियां आम और मासूम लोगों की जान से खुलेआम खेल रही हैं।

मंत्री जीतूभाई वघानी कहते हैं 'सरकार किसानों के साथ है' तो राज्य में सूखा घोषित करके तुरंत किसानों को आर्थिक मदद दे: AAP नेता प्रवीण राम का BJP सरकार पर हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात में किसानों की बिगड़ती हालत और फसलों के नुकसान से पैदा हुए आर्थिक संकट ने राज्य की राजनीति में काफ़ी गरमाहट पैदा कर दी है। आम आदमी पार्टी के सीनियर नेता प्रवीण राम ने कैबिनेट मंत्री जीतूभाई वघानी के बार-बार किए गए इस दावे पर कड़ी आपत्ति जताई है कि 'राज्य सरकार किसानों के साथ है और उनके साथ खड़ी है'। प्रवीण राम ने सीधे तौर पर BJP सरकार से सवाल किया है और कहा है कि अगर सरकार सच में दुनिया के साथ है, तो किताबों में बातें करने के बजाय, राज्य के प्रभावित इलाकों में तुरंत 'सूखा' या 'प्राकृतिक आपदा' घोषित करे और करोड़ों रुपये का आर्थिक पैकेज देकर किसानों की मदद करे। खोखले दावों और कागज़ों पर हमदर्दी के कारण किसान बर्बाद हो रहे हैं। इस तरह, आदमी पार्टी के नेता प्रवीण राम ने मीडिया के सामने सरकार की नीतियों की पोल खोलते हुए कहा कि इस समय राज्य के कई ज़िलों में किसान बेमौसम बारिश, भारी बारिश या फसल खराब होने के कारण बड़ी मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। किसानों द्वारा बीज, खाद और मज़दूरी पर किए गए सारे खर्च मिट्टी में मिल गए हैं। आज कर्ज़ के पहाड़ के नीचे दबे किसान आत्महत्या करने को मजबूर हो रहे हैं, जबकि मंत्री और सरकार सिर्फ़ प्रेस कॉन्फ्रेंस करके और 'सरकार किसानों के साथ है' जैसे खोखले बयान देकर अपनी ज़िम्मेदारी से बच रहे हैं। सूखा घोषित करने और तुरंत उचित मुआवज़ा देने की ज़ोरदार मांग प्रवीण राम ने सरकार से साफ़ मांग की है कि अगर सरकार की मेहरबानी साफ़ है और किसानों के प्रति ज़रा भी हमदर्दी है बिना देर किए राज्य के सभी प्रभावित इलाकों में तुरंत सर्वे करके एक स्पेशल राहत पैकेज का ऐलान किया जाना चाहिए। कागज़ों पर लिखे नियमों को किनारे



करके सीधे किसानों के अकाउंट में पैसे जमा किए जाने चाहिए। खेती के लोन और बिजली के बिलों पर तुरंत पूरी राहत दी जानी चाहिए। मांग पूरी न होने पर पूरे राज्य में आंदोलन की चेतावनी इस तरह, आम आदमी पार्टी ने चेतावनी दी है कि BJP सरकार सिर्फ़ उद्योगपतियों का कर्ज़ माफ़ करने में दिलचस्पी रखती है, लेकिन देश के अन्नदाताओं के लिए खजाने के दरवाज़े बंद कर रही है।

वडोदरा के DPS स्कूल का नया विवाद: एडमिशन के समय 15,000 रुपये सिक्योरिटी डिपॉज़िट लेने पर हंगामा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। सांस्कृतिक शहर वडोदरा में शिक्षा के नाम पर कमर्शियलाइज़ेशन और माता-पिता के आर्थिक शोषण का एक और गंभीर मामला सामने आया है। यह सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि वडोदरा में स्थित मशहूर DPS (दिल्ली पब्लिक स्कूल) द्वारा एडमिशन के समय प्रति छात्र 15,000 रुपये की भारी रकम सिक्योरिटी डिपॉज़िट के रूप में वसूली जा रही है। इस गैर-कानूनी वसूली के खिलाफ जागरूक नागरिकों और माता-पिता में भारी गुस्सा है, जो शिक्षा के अधिकार अधिनियम का साफ उल्लंघन है। स्कूल एडमिनिस्ट्रेशन की मनमानी RTE एक्ट की धज्जियां उड़ा रही है राइट टू फ्री एंड कम्पलसरी एजुकेशन एक्ट) के तहत, कोई भी स्कूल एडमिशन के समय पेरेंट्स से ऐसी कोई कैपिटेशन फीस या सिक्योरिटी डिपॉजिट नहीं ले सकता है। लेकिन, DPS स्कूल नियमों को ताक पर रखकर हर साल कई पेरेंट्स से 15,000 रुपये की भारी रकम वसूल रहे हैं। गरीब और मिडिल क्लास पेरेंट्स अपने बच्चों के भविष्य की चिंता में मुंह बंद करके यह रकम देने को मजबूर हैं। गांधीनगर में बताने के बाद भी एडमिनिस्ट्रेशन चुप है, DEO ऑफिस के बाहर विरोध प्रदर्शन इस गैर-कानूनी वसूली के खिलाफ एक जागरूक नागरिक ने ऑनलाइन पोर्टल के जरिए राज्य के मुख्यमंत्री को लिखित शिकायत की थी। लेकिन, इतने दिन बीत जाने के बाद भी, एजुकेशन डिपार्टमेंट या लोकल एडमिनिस्ट्रेशन ने स्कूल के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। एजुकेशन डिपार्टमेंट की इस शक वाली निष्क्रियता और ढीली पॉलिसी से तंग आकर, जागरूक नागरिकों ने वडोदरा डिस्ट्रिक्ट एजुकेशन ऑफिसर के ऑफिस के बाहर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। स्कूल की NOC कैंसिल करने और सज़ा देने वाली कार्रवाई की मांग धरने पर बैठे आंदोलनकारियों ने सीधा हमला बोला है और मांग की है कि DPS स्कूल ने पेरेंट्स से गैर-कानूनी तरीके से जो भी सिक्योरिटी डिपॉज़िट रकम वसूली है, उसे तुरंत ब्याज के साथ वापस किया जाए। इसके अलावा, कानून न मानने वाले स्कूल एडमिनिस्ट्रेशन के खिलाफ सज़ा देने वाली कानूनी कार्रवाई की जाए और अगर ज़रूरी हो तो स्कूल की मान्यता कैंसिल करने जैसे सख्त कदम उठाए जाएं।

शिक्षा जगत में हंगामा: क्या शिक्षा विभाग जागेगा?

DPS स्कूल के इस घोटाले और ऑफिस के बाहर अनिश्चितकालीन धरने ने वडोदरा के शिक्षा जगत में भारी हलचल मचा दी है। देखना यह है स्टेट एजुकेशन डिपार्टमेंट पेरेंट्स की जेब खाली करने वाले प्राइवेट स्कूलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे, या पहले की तरह प्राइवेट स्कूल एडमिनिस्ट्रेटर्स की दादागिरी पर आंखें मूंद लेंगे।

राज्य सरकार और होम डिपार्टमेंट के लिए शर्मनाक स्थिति: क्या सरकारी स्कूल की खराब हालत के बारे में सवाल पूछना और मासूम बच्चों का यौन शोषण करना एक ही जुर्म है?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

क्या राज्य में शिक्षा व्यवस्था की सच्चाई और सरकारी स्कूलों की खराब, खस्ता हालत को सामने लाना अब जुर्म हो गया है? सरकारी स्कूलों की खराब हालत के खिलाफ जनता के सवाल उठाने और आवाज़ उठाने वाली विपक्षी नेता और सोशल एक्टिविस्ट जोत्सना अहीर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करके सख्त कार्रवाई की जा रही है, जिससे पूरे राज्य में सत्ताधारी पार्टी और पुलिस प्रशासन के खिलाफ गुस्से की आग भड़क उठी है। सबसे बड़ा और सबसे ज़रूरी सवाल यह है कि, क्या सरकारी स्कूलों की खराब हालत के बारे में सरकार से सवाल पूछना और बच्चों का यौन शोषण करना एक ही जुर्म है? POCSO जैसे गंभीर कानून का गलत इस्तेमाल क्यों? देश में बच्चों को सेक्सुअल हैरेसमेंट और शोषण से बचाने के लिए 'POCSO जैसे सख्त और कड़े कानून बनाए गए हैं, ताकि मासूम बच्चों के साथ रेप या गलत हरकत करने वालों को सख्त से सख्त सज़ा मिल सके। लेकिन जब किसी सरकारी स्कूल की छत से पानी टपक रहा हो, बच्चों के लिए पीने का पानी या टॉयलेट की सुविधा न हो, या स्कूल की बिल्डिंग गिरने का खतरा हो, और उस मुद्दे पर आवाज़ उठाने वाले पर ऐसी गंभीर धाराओं में केस दर्ज हो जाए, तो कानून के लागू होने और सिस्टम की ईमानदारी पर गंभीर सवाल उठते हैं। राज्य के कई सरकारी स्कूलों में टीचरों की कमी और खराब इंफ्रास्ट्रक्चर का रोना रोया जाता है। दावा किया जाता है कि जनता के टैक्स का करोड़ों पैसा शिक्षा पर खर्च किया गया है, लेकिन ज़मीनी हकीकत कुछ और ही तस्वीर पेश करती है। जोत्सना अहीर ने सरकारी स्कूलों की इस कड़वी सच्चाई को लोगों और सरकार तक पहुंचाने की कोशिश की। इसकी तारीफ़ करने या इसे सुधारने के बजाय, सत्ता के दम पर आवाज़ दबाने की इस पॉलिसी से लोगों में बहुत गुस्सा है। लोगों की आवाज़ सरकार तक पहुंचाने की मांग इस घटना ने साबित कर दिया है कि सिस्टम अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए किस हद तक जा सकता है। अगर सरकारी स्कूलों के सुधार के लिए सवाल पूछना गुनाह है, तो यह डेमोक्रेसी के वजूद के लिए ही बहुत बड़ा खतरा है। अधिकारियों तक आवाज़ पहुंचा रहा है कि पॉलिटिकल नाराज़गी या बदले की भावना से कानून का गलत इस्तेमाल करने के बजाय, ज़मीनी स्तर पर स्कूलों की हालत सुधारने पर ध्यान दिया जाना चाहिए। ऐसी धमकियों या झूठे केस से इंसाफ़ और सच की आवाज़ को कभी दबाया नहीं जा सकता।

मुंबई में हाहाकार: बॉलीवुड सुपरस्टार अमिताभ बच्चन के 'जलसा' बंगले को बम से उड़ाने की धमकी, पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के मेयर का ऑफिस और मशहूर सिंगर दिलजीत दोसांझ का कॉन्सर्ट भी निशाने पर ईमेल से मिली धमकी मुंबई बॉलीवुड के सुपरस्टार और सदी के महानायक अमिताभ बच्चन को लेकर एक बहुत ही चौंकाने वाली और परेशान करने वाली खबर सामने आई है। मुंबई में अमिताभ बच्चन के मशहूर बंगले 'जलसा' को बम से उड़ाने की गंभीर धमकी ने पूरे देश में सनसनी मचा दी है। इस धमकी के बाद मुंबई पुलिस, बम डिस्पोजल स्क्वॉड और एंटी-टेररिस्ट स्क्वॉड तुरंत एक्शन में आ गए हैं और सुरक्षा के इंतजाम बढ़ा दिए गए हैं। मेयर के ऑफिस को भेजा गया धमकी भरा ईमेल मिली जानकारी के मुताबिक, मुंबई की मेयर रितु राजेश तावड़े और दूसरे अधिकारियों को एक बहुत ही खतरनाक धमकी भरा ईमेल मिला है। इस ईमेल में न सिर्फ अमिताभ बच्चन के 'जलसा' बंगले को, बल्कि मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन हेडक्वार्टर और मेयर के ऑफिस को भी विस्फोटकों से उड़ाने की जानलेवा धमकी दी गई है। इसके अलावा, दावा किया गया है कि मुंबई में मशहूर पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ के आने वाले कॉन्सर्ट पर भी हमला करने की साजिश है। इस धमकी के सामने आने के बाद मुंबई पुलिस ने तुरंत एक्शन लिया है। बंगले के आसपास पुलिस सिक्योरिटी बढ़ा दी गई है और सिक्योरिटी एजेंसिया हर संदिग्ध हरकत पर नजर रख रही हैं। दूसरी ओर, मुंबई पुलिस की साइबर क्राइम विंग ने उस IP एड्रेस की गहन जांच शुरू कर दी है जिससे यह ईमेल भेजा गया था और किसने भेजा था। पहले भी सेलिब्रिटीज को इस तरह के गाली-गलौज और धमकियों वाले मैसेज मिलने की हिस्ट्री को ध्यान में रखते हुए, पुलिस इस मामले को बहुत गंभीरता से ले रही है और यह पता लगाने के लिए जांच तेज कर दी है कि यह किसी एंटी-सोशल एलिमेंट की हरकत है या कोई बड़ी साजिश।

चीन की घुसपैठ और बॉर्डर पर झड़पों के पीछे की सच्चाई का गंभीर खुलासा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। भारत और चीन के बीच चल रहे बॉर्डर तनाव को लेकर कई चौंकाने वाली बातें जो पर्दे के पीछे रखी गई थीं, अब सामने आ गई हैं। सबसे बड़े और गंभीर सवाल देश के सुरक्षा तंत्र और केंद्र सरकार के काम करने के तरीके पर उठे हैं। ITBP के डायरेक्टर जनरल शत्रुघ्न कपूर के दिए एक सनसनीखेज और विस्फोटक बयान ने देश की राजनीति और डिफेंस सेक्टर



में हलचल मचा दी है। उनके बयान ने मोदी सरकार के दावों की पोल खोल दी है और देश की सुरक्षा को हो रहे खतरे की ओर गंभीर उंगली उठाई है। DG ITBP शत्रुघ्न कपूर ने साफ तौर पर माना है कि पिछले कुछ दिनों से अरुणाचल प्रदेश में बॉर्डर पर कई जगहों पर भारतीय सेना और चीनी सैनिकों के बीच गतिविधियां और झड़पें हुई हैं, जो अभी तक रुकी नहीं हैं और अभी भी जारी हैं। अभी तक सरकार यह दिखा रही थी कि बॉर्डर पर सब कुछ ठीक है और कोई बड़ी घटना नहीं हो रही है, लेकिन ITBP चीफ के इस बयान ने सरकार के दावों की हवा निकाल दी है। इस मामले में सबसे बड़ा और चौंकाने वाला खुलासा यह है कि मोदी सरकार ने पिछले जुलाई से अब तक चीनी सैनिकों के साथ हुई इन सभी झड़पों और बॉर्डर पर हुई झड़पों की खबरों को जानबूझकर दबाया और जनता से छिपाकर रखा। राजनीतिक जानकारों का मानना ??है कि जब दुश्मन देश भारतीय बॉर्डर पर ऑपरेशन कर रहा है और हमारे सैनिक उसके खिलाफ लोहे के चने चबा रहे हैं, तब देश के नागरिकों को इस बात से अनजान रखना लोकतंत्र और राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ सीधा धोखा है। बॉर्डर पर चल रहे इस खामोश युद्ध का सच आखिरकार सामने आ ही गया है, जिससे पूरे देश में भारी गुस्सा फैल गया है। राजनीतिक फायदे या अपनी इमेज बचाने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे बेहद संवेदनशील और पवित्र विषय पर सच को छिपाना कोई आम जुर्म नहीं है, बल्कि सीधे-सीधे देशद्रोह के बराबर है, इसके खिलाफ आक्रामक आवाजें उठ रही हैं। देश की एकता और सैनिकों के बलिदान को नज़रअंदाज़ करके बॉर्डर की सच्चाई छिपाने के लिए अब जनता और विपक्षी पार्टियां सरकार को ज़िम्मेदार ठहरा रही हैं। डर है कि यह घटना आने वाले दिनों में पूरे देश में बड़ा राजनीतिक भूचाल ला देगी।

सरकारी स्कूलों में दिक्कतों और गड़बड़ियों को छिपाने के लिए सत्ता का गलत इस्तेमाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। गुजरात का एजुकेशन मॉडल सिर्फ कागजों पर चमक रहा है और असल में राज्य के सरकारी स्कूलों की हालत बेहद गंभीर और दयनीय हो गई है। इस कड़वी सच्चाई, एजुकेशन सेक्टर में दिक्कतों और गड़बड़ियों को छिपाने के लिए BJP सरकार ने एक नया 'ब्लैक सर्कुलर' जारी करके अपने ही पापों को छिपाने की गंदी कोशिश की है। आम आदमी पार्टी के प्रदेश नेता मनोज सोरठिया ने इस ब्लैक सर्कुलर के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है और सत्ताधारी पार्टी BJP पर कड़ा हमला बोला है और सरकार के इस कदम को लोकतांत्रिक मूल्यों की हत्या बताया है। मीडिया पर अपना गुस्सा ज़ाहिर करते हुए मनोज सोरठिया ने कहा कि आज राज्य के हज़ारों सरकारी स्कूल बेसिक सुविधाओं के बिना फेल हो रहे हैं। कहीं साफ़ पीने के पानी का इंतज़ाम नहीं है, तो कहीं गंदे टॉयलेट हैं। कई गाँवों में स्कूल के कमरे टूटे-फूटे हैं और हज़ारों क्लासरूम में टीचरों की भारी कमी है। जब भी विरोधी पार्टी के नेता, समाजसेवी या जागरूक नागरिक स्कूलों में जाकर यह सच जनता के सामने रखते हैं, तो सरकार अपनी नाकामी मानने और सुधार करने के बजाय, विरोधी की आवाज़ दबाने की साज़िश वाली नीति अपनाती है। सबसे चौंकाने वाली और गंभीर बात यह है कि स्कूलों की असलियत और गड़बड़ियों को सामने लाने वालों को सीधे POCSO जैसी बहुत सख्त और संवेदनशील धाराओं के तहत जेल भेजने की धमकी दी जा रही है। सरकार बच्चों की सुरक्षा के लिए बने कानून को अपनी नाकामी छिपाने और राजनीतिक दुश्मनी पैदा करने के हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रही है। विरोध करने वालों को मानसिक रूप से तोड़ना और समाज में डर का माहौल बनाना BJP सरकार की सोच और बुरे चरित्र का जीता-जागता उदाहरण है। सरकार के इस तानाशाही फैसले पर कड़ा गुस्सा दिखाते हुए AAP नेता मनोज सोरठिया ने कहा, 'अगर सरकार को सच में बच्चों के भविष्य की चिंता है, तो उन्हें स्कूलों का स्ट्रक्चर सुधारना चाहिए, नई भर्तियां करनी चाहिए और बच्चों को पूरी सुविधाएं देनी चाहिए। लेकिन शिक्षा का लेवल बढ़ाने के बजाय स्कूल जाने वाले जागरूक नागरिकों पर केस करने की पॉलिसी यह साबित करती है कि सरकार सच से डरती है।'

जम्मू-कश्मीर में सिक्योरिटी फोर्स को बड़ी कामयाबी, आतंकियों के दो मददगार गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बारामूला। जम्मू-कश्मीर में टेररिज्म के खिलाफ सिक्योरिटी फोर्स और पुलिस के चलाए जा रहे ऑपरेशन में एक के बाद एक बड़े खुलासे हो रहे हैं। सिक्योरिटी फोर्स ने बारामूला जिले से दो टेररिस्ट मददगारों को गिरफ्तार करके एक बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया है। इस ऑपरेशन के दौरान, उनके पास से बड़ी मात्रा में विदेशी हथियार और एक्सप्लोसिव जब्त किए



गए हैं, जो सिक्योरिटी एजेंसियों के लिए चिंता की बात और देश विरोधी ताकतों के लिए बड़ा झटका साबित हुआ है। सिक्योरिटी फोर्स ने गिरफ्तार किए गए टेररिस्ट मददगारों के पास से टर्की में बनी एक सोफिस्टिकेटेड पिस्टल और दो जिंदा ढ्वश्वष्ठ इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस जब्त किए हैं। शुरुआती जांच में पता चला है कि टर्की में बने इन हथियारों का इस्तेमाल सिक्योरिटी फोर्स को टारगेट करने और जानलेवा हमले करने के लिए किया जाना था। ढ्वश्वष्ठ मिलने के बाद, सिक्योरिटी फोर्स के बम डिस्पोजल स्क्वॉड ने इसे जल्दी और सुरक्षित रूप से डिफ्यूज कर दिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। पिछले 60 दिनों में सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों की कमर तोड़ने के लिए सुरक्षा बलों ने अपना अभियान तेज़ कर दिया है। पिछले 60 दिनों के छोटे से समय में ही सुरक्षा बलों ने कुल 18 लोगों को गिरफ्तार किया है जो आतंकवादियों को लॉजिस्टिक सपोर्ट, हथियार और पनाह दे रहे थे। यह आंकड़ा साफ करता है कि सुरक्षा एजेंसियां ज़मीनी स्तर पर सक्रिय आतंकवादी नेटवर्क को पूरी तरह खत्म करने के लिए कितनी कमिटेड हैं। सुरक्षा बलों की इस सख्त कार्रवाई से घाटी में सक्रिय आतंकवादी संगठनों और उनके ओवरग्राउंड वर्कर्स में दहशत फैल गई है। पूरा ऑपरेशन इंटेलिजेंस एजेंसियों द्वारा दी गई सटीक जानकारी के आधार पर किया गया। गिरफ्तार किए गए दोनों मददगारों से अभी कड़ी पूछताछ की जा रही है, जिसमें उनसे घाटी में छिपे दूसरे आतंकवादियों और उनके नापाक सपोर्ट नेटवर्क के बारे में अहम सुराग मिलने की पूरी संभावना है। सुरक्षा बलों ने साफ संदेश दिया है कि देश की सुरक्षा से आंख मूंदने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

जोधपुर में रातें ठंडी, दिन में गर्मी बरकरारः तीन दिन में 5 डिग्री गिरा न्यूनतम तापमान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। सूर्यनगरी में मौसम का मिजाज धीरे-धीरे बदलने लगा है। रात के तापमान में लगातार गिरावट से हल्की ठंड का अहसास होने लगा है, जबकि दिन में तेज धूप और गर्मी का असर बरकरार है। पिछले तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में करीब 5 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार, आगामी दिनों में तापमान में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। वहीं, 28 अक्टूबर तक मौसम साफ रहने का अनुमान है।

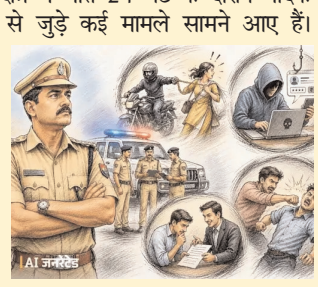


गुरुवार को जोधपुर में अधिकतम तापमान 37.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.4 डिग्री अधिक रहा। वहीं, न्यूनतम तापमान 20.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 1 डिग्री अधिक था। इससे पहले बुधवार को अधिकतम तापमान 36.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 21.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। सोमवार को न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रहा था। इस तरह कुछ ही दिनों में रात के तापमान में उल्लेखनीय गिरावट आई है। रात का पारा नीचे आने से सुबह और देर रात हल्की ठंड महसूस होने लगी है। हालांकि, दिन में तेज धूप के कारण लोगों को अभी भी गर्मी से राहत नहीं मिली है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, आगामी दिनों में अधिकतम तापमान में हल्की गिरावट आने की संभावना है। शुक्रवार को दिन का तापमान करीब 35 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। इसके बाद भी तापमान में ज्यादा बदलाव होने की संभावना नहीं है। 23 से 28 अक्टूबर के दौरान अधिकतम तापमान 35 से 36 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। इस दौरान दिन में गर्मी का असर बना रह सकता है, जबकि रात के समय अपेक्षाकृत ठंडक महसूस होगी। रात के तापमान को लेकर मौसम विभाग ने आगे गिरावट की संभावना जताई है। पूर्वानुमान के अनुसार, शुरुआती दिनों में न्यूनतम तापमान 23 से 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है।

जोधपुर में पुलिस की कार्रवाईः गांजे के साथ युवक गिरफ्तार, अवैध हथियार रखने के आरोप में 4 पकड़े

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। पुलिस कमिश्नरेट क्षेत्र में बीते 24 घंटे के दौरान मादक पदार्थों और अवैध हथियारों से जुड़े कई मामले सामने आए हैं। चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाना पुलिस ने गांजे के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया। वहीं, अलग-अलग थाना क्षेत्रों में बिना अनुमति हथियार रखने के आरोप में चार लोगों को पकड़ा गया। दूसरी ओर, सूरसागर क्षेत्र में सड़क हादसे में घायल एक व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत हो गई। चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाना पुलिस ने नशे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए विशाल पुत्र रतनलाल को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, तलाशी के दौरान उसके पास से 156 ग्राम गांजा बरामद हुआ। आरोपी के खिलाफ स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है। सूरसागर थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में घायल व्यक्ति ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। मीरा कॉलोनी निवासी नवीन वैष्णव ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि 16 अक्टूबर को उसके भाई और भाभी नोरवा रिंग रोड से स्कूटर पर जा रहे थे। शाम करीब साढ़े पांच बजे एक अज्ञात वाहन ने उनके स्कूटर को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों घायल हो गए, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान गुरुवार को नवीन के भाई की मौत हो गई। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। राजीव गांधी नगर थाना पुलिस ने बिना लाइसेंस टोपीदार बंदूक रखने के आरोप में नाथों की ढाणी निवासी कैलाश नाथ को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके कब्जे से बंदूक जब्त कर ली है। मथानिया थाना पुलिस ने तिंवरी के ओसियां चौराहे के निवासी जेठाराम को बिना अनुमति धारदार हथियार रखने के आरोप में गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके पास से हथियार बरामद किया। वहीं, उदय मंदिर थाना पुलिस ने गुरुवार शाम रोडवेज बस स्टैंड के पास कार्रवाई करते हुए हसीमुद्दीन उर्फ भूरिया और अजालुद्दीन को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, दोनों के पास से चाकू बरामद किए गए हैं। पुलिस सभी मामलों में नियमानुसार कार्रवाई कर रही है।



जोधपुर मंडल में रेल यात्रियों की बढ़ेगी परेशानीः सतलाना स्टेशन के पास निर्माण कार्य से ट्रेनें प्रभावित

महानगर मेट्रो ब्यूर

जोधपुर। जोधपुर मंडल के लूनी-समदड़ी-भीलड़ी रेलखंड पर सतलाना स्टेशन के पास निर्माण कार्य के चलते अक्टूबर के अंतिम दिनों और नवंबर की शुरुआत में रेल यातायात प्रभावित रहेगा। पुल संख्या चार के निर्माण कार्य को लेकर रेलवे ने कुछ ट्रेनों के संचालन में बदलाव किया है। जैसलमेर-साबरमती सुपरफास्ट ट्रेन तीन दिन बदले हुए मार्ग से संचालित होगी, जबकि दो एक्सप्रेस ट्रेनें अपने निर्धारित मार्ग के कुछ हिस्से में नहीं चलेंगी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, निर्माण कार्य के दौरान रेल यातायात का सुरक्षित संचालन सुनिश्चित करने के लिए यह व्यवस्था की गई है। यात्रियों को घर से निकलने से पहले अपनी ट्रेन के मार्ग, ठहराव और संचालन की स्थिति की जानकारी लेने की सलाह दी गई है। जोधपुर मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी के अनुसार, निर्माण कार्य के चलते ट्रेन संख्या 14896 बाड़मेर-भगत की कोठी एक्सप्रेस 27, 30 अक्टूबर और 1 नवंबर को समदड़ी से भगत की कोठी के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 14893 भगत की कोठी-पालनपुर एक्सप्रेस भी इन तीनों तारीखों पर भगत की कोठी से समदड़ी के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी। वहीं, जैसलमेर-साबरमती सुपरफास्ट ट्रेन 27 और 30 अक्टूबर तथा 1 नवंबर को बदले हुए मार्ग से संचालित की जाएगी। ऐसे में इन तारीखों पर यात्रा करने वाले यात्रियों को अपनी ट्रेन की स्थिति की पुष्टि करके ही यात्रा की योजना बनानी चाहिए। रेल यातायात में प्रस्तावित बदलावों के बीच जोधपुर मंडल ने गुरुवार को समयबद्ध संचालन का रिकॉर्ड दर्ज किया। उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल के अनुसार, इस दिन सभी मेल, एक्सप्रेस और यात्री ट्रेनें निर्धारित समय पर संचालित हुईं। इससे यात्रियों को अपने गंतव्य तक समय पर पहुंचने और आगे की यात्रा की योजना बनाने में सहूलियत मिली। नौकरीपेशा लोगों, विद्यार्थियों और जरूरी काम से यात्रा करने वालों के लिए समय पर ट्रेन मिलना विशेष रूप से महत्वपूर्ण रहा। जोधपुर मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी ने कहा कि ट्रेनों का समय पर संचालन यात्रियों की सुविधा के साथ उनकी यात्रा को भरोसेमंद बनाने के लिए भी जरूरी है। समयबद्ध सेवाओं से यात्रियों को स्टेशनों पर अनावश्यक इंतजार नहीं करना पड़ता और वे अपने समय का बेहतर उपयोग कर सकते हैं। कि निर्माण कार्य के दौरान यात्रा से संबंधित किसी भी परेशानी से बचने के लिए रवाना होने से पहले अपनी ट्रेन की नवीनतम जानकारी अवश्य प्राप्त करें।



माउंट आबू में जलदाय विभाग की बड़ी कार्रवाईः सरकारी पानी की लाइन से पानी खींच रही 6 अवैध मोटरें जब्त

देलवाड़ा भील कॉलोनी, बापू बस्ती और न्यू देलवाड़ा में एक साथ पहुंची विभाग की टीम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। शहर में सरकारी पेयजल व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए जलदाय विभाग ने अवैध रूप से पानी खींचने वालों के खिलाफ कार्रवाई की है। शुक्रवार सुबह विभाग की टीम ने देलवाड़ा भील कॉलोनी, बापू बस्ती और न्यू देलवाड़ा में एक साथ छह स्थानों पर दबिश देकर सरकारी मुख्य जलापूर्ति लाइन से जुड़े अवैध कनेक्शन काटे। इस दौरान घरों में लगी छह मोटरें और बूस्टर जब्त किए गए। विभाग को लंबे समय से इन इलाकों में मुख्य पाइपलाइन से अवैध तरीके से पानी खींचे जाने की जानकारी मिल रही थी। शिकायतों और मिली सूचनाओं के आधार पर शुक्रवार सुबह कार्रवाई की योजना बनाई गई। इसके बाद टीम ने एक साथ अलग-अलग स्थानों पर पहुंचकर अवैध कनेक्शन हटाने की कार्रवाई शुरू की। जलदाय विभाग की टीम ने सबसे पहले सरकारी जलापूर्ति लाइन में लगाए गए अवैध कनेक्शनों को काटा। इसके बाद संबंधित घरों में पहुंचकर पानी खींचने के लिए लगाई गई मोटरों और बूस्टर को जब्त किया गया। विभाग की इस कार्रवाई का उद्देश्य सरकारी पाइपलाइन से अवैध तरीके से पानी खींचने पर रोक लगाना और पेयजल वितरण व्यवस्था को बेहतर बनाए रखना है। मुख्य लाइन से सीधे मोटर लगाकर पानी खींचने से दूसरे उपभोक्ताओं तक पर्याप्त दबाव के साथ पानी पहुंचने में परेशानी हो सकती है। ऐसे में विभाग ने अवैध रूप से लगाए गए उपकरणों को हटाने की कार्रवाई की। जलदाय विभाग के कनिष्ठ अभियंता दिनेश कुमार ने बताया कि कार्रवाई के दौरान अलग-अलग स्थानों से कुल छह मोटरें जब्त की गई हैं। उन्होंने बताया कि न्यू देलवाड़ा और बापू बस्ती क्षेत्र में प्रकाश के यहां से दो मोटरें जब्त की गईं। इसके अलावा नरेंद्र सेन के यहां से एक, हीरा जी के यहां से एक और विजय राणा के यहां से एक मोटर जब्त की गई। एक अन्य स्थान से भी एक मोटर जब्त की गई है। इस तरह विभाग की टीम ने छह स्थानों पर कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से पानी खींचने में इस्तेमाल किए जा रहे उपकरणों को अपने कब्जे में लिया। कार्रवाई के दौरान जलदाय विभाग के फोरमैन द्वितीय रफीक मोहम्मद, सहायक प्रभुराम खेताजी और सहायक हेमाराम भी मौजूद रहे। टीम ने मौके पर अवैध कनेक्शनों को हटाने और मोटरों को जब्त करने की कार्रवाई पूरी की। शहर में सरकारी जलापूर्ति व्यवस्था को बनाए रखना विभाग के सामने एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। मुख्य पाइपलाइन से अवैध रूप से पानी खींचे जाने की स्थिति में अन्य उपभोक्ताओं को निर्धारित दबाव और पर्याप्त मात्रा में पानी मिलने में दिक्कत हो सकती है। माउंट आबू के देलवाड़ा भील कॉलोनी, बापू बस्ती और न्यू देलवाड़ा में की गई इस कार्रवाई के जरिए विभाग ने अवैध मोटरों और कनेक्शनों पर रोक लगाने का प्रयास किया है। आगे भी पेयजल व्यवस्था से जुड़ी अनियमितताओं की जानकारी मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है।



जयपुर में महाराजा सवाई मानसिंह द्वितीय सम्मान से नवाजे गए गायक कैलाश खेर, बोले–कलाकार की राह संघर्ष और अस्वीकृति से होकर गुजरती है

कैलाश खेर बोले–अपने ही घर से मिलने वाला सम्मान सबसे खास

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। प्रसिद्ध गायक कैलाश खेर का कहना है कि अपने लोगों से मिलने वाला सम्मान किसी भी कलाकार के लिए बेहद खास होता है। यह सम्मान केवल उपलब्धि का प्रतीक नहीं, बल्कि उन सवालों का जवाब भी होता है, जो इंसान के मन में जीवनभर उठते रहते हैं। अपने ही घर में स्वीकार किए जाने और अपनी पहचान साबित करने की जद्दोजहद के बीच मिलने वाला प्यार कलाकार को एक अलग ही संतुष्टि देता है। कैलाश खेर ने ये बातें दैनिक भास्कर से विशेष बातचीत में कहीं। जयपुर के पूर्व राजपरिवार की ओर से आयोजित सवाई जयपुर सम्मान समारोह में उन्हें महाराजा सवाई माधो सिंह द्वितीय सम्मान से नवाजा गया। इस अवसर पर उन्होंने अपने जीवन के संघर्ष, संगीत की दुनिया में



कलाकारों की स्थिति और जयपुर के पूर्व राजपरिवार के साथ अपने पुराने संबंधों को याद किया। कैलाश खेर के मुताबिक, भारत में किसी कलाकार के लिए अपनी पहचान बनाना आसान नहीं है। सफलता मिलने से पहले उसे कई तरह के संदेह, अस्वीकृति और मुश्किल परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। कई बार प्रतिभा होने के बावजूद कलाकार को अपनी जगह बनाने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि जब यही कलाकार अपनी मेहनत और कला के दम पर पहचान बना लेता है, तो उसे लोगों का भरपूर प्यार और सम्मान भी मिलता है। ऐसे में मिलने वाला सम्मान उसके लिए केवल पुरस्कार नहीं रहता, बल्कि वर्षों के संघर्ष और साधना की पहचान बन जाता है। कैलाश खेर ने अपने विचार रखते हुए कहा कि जब सम्मान अपनेपन से जुड़ा हो, तो उसका महत्व और बढ़ जाता है। जिस जगह पर इंसान लंबे समय तक अपनी स्वीकार्यता और सफलता को लेकर सवालों से घिरा रहता है, वहीं से मिलने वाला आदर उसे भावनात्मक सुकून देता है। जयपुर में सम्मानित होने के अवसर पर कैलाश खेर ने कलाकारों की संवेदनशीलता और संगीत के प्रति समाज की सोच पर भी अपने विचार साझा किए।

6 पंचायत समितियों में सरपंच-पंच के नामांकन शुरू, कल होगा मतदान; शाम से आएंगे नतीजे

सुबह 8 से 11 बजे तक दाखिल हुए नामांकन, दोपहर 2 बजे तक नाम वापस लेने का मौका



महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। जिले में पहले चरण की छह पंचायत समितियों की ग्राम पंचायतों में सरपंच और पंच पदों के लिए चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। शुक्रवार सुबह 8 बजे से नामांकन प्रक्रिया शुरू हुई, जो सुबह 11 बजे तक चली। नामांकन के बाद पत्रों की जांच की जाएगी। इसके बाद दोपहर 2 बजे तक प्रत्याशी अपने नाम वापस ले सकेंगे। नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद चुनाव चिह्न आवंटित किए जाएंगे और मैदान में बचे प्रत्याशियों की अंतिम सूची जारी होगी। नामांकन के दौरान प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ पहुंचे। गांवों में चुनाव को लेकर चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। कई जगह प्रत्याशी मतदाताओं से संपर्क साधने में जुटे हैं। वहीं, नाम वापस करवाने के लिए भी मान-मनुहार का दौर शुरू हो गया है।

कल सुबह 7 से शाम 6 बजे तक मतदान

पहले चरण की ग्राम पंचायतों में सरपंच और पंच पदों के लिए शनिवार को मतदान होगा। मतदान प्रक्रिया सुबह 7 बजे शुरू होकर शाम 6 बजे तक चलेगी। मतदान समाप्त होने के बाद मतगणना शुरू की जाएगी। इसके साथ ही चुनाव परिणाम सामने आने लगेंगे और यह स्पष्ट होगा कि किन प्रत्याशियों को ग्रामीणों ने अपना प्रतिनिधि चुना है। जिले की कुछ ग्राम पंचायतों में ग्रामीणों ने आपसी सहमति से सरपंच चुनने की पहल की है। ऐसे गांवों में निर्विरोध निर्वाचन की स्थिति बनी है। दूसरी ओर, जिन पंचायतों में एक से अधिक प्रत्याशी मैदान में हैं, वहां चुनावी मुकाबला रोचक होने की संभावना है। नामांकन प्रक्रिया के दौरान प्रत्याशी और उनके समर्थक सक्रिय नजर आए। नाम वापसी के समय तक कई पंचायतों में चुनावी समीकरण बदलने की संभावना भी बनी हुई है। इससे पहले गुरुवार को जोधपुर जिले की छह पंचायत समितियों और जिला परिषद के लिए मतदान कराया गया था। पहले चरण में शेरगढ़, चाबा, आगोलाई, चामू, सेखाला और बालेसर क्षेत्रों में मतदान हुआ। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, जिले में पहले चरण के दौरान 53.79 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

जालोर में भीषण सड़क हादसे ने छीनी मां और तीन बच्चों की जिंदगी, परिवार में अब सिर्फ जानवी बची

जालोर में भीषण सड़क हादसे ने छीनी मां और तीन बच्चों की जिंदगी

महानगर मेट्रो ब्यूर

जालोर। जिले में रोडवेज बस और टैक्सी के बीच हुई भीषण भिड़ंत ने एक परिवार की दुनिया उजाड़ दी। हादसे में घायल आठ वर्षीय राजू ने भी शुक्रवार को उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। इससे पहले गुरुवार को उसकी मां, बड़े भाई और बहन की मौत हो गई थी। एक ही हादसे में परिवार के चार सदस्यों की जान चली गई। अब इस परिवार में केवल जानवी बची है। हादसे की खबर सामने आने के बाद से ही परिजनों और परिचितों में शोक का माहौल है। यह दुर्घटना भरूड़ी गांव के पास उस समय हुई, जब भीनमाल से उदयपुर जा रही राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की बस की सामने से आ रही टैक्सी से भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि टैक्सी में सवार परिवार के सदस्यों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल राजू को उपचार के लिए उदयपुर भेजा गया था। वहां चिकित्सकों की देखरेख में उसका इलाज चल रहा था, लेकिन शुक्रवार को उसकी भी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, हादसे में भाद्राजून थाना क्षेत्र के चूंडा गांव के निवासी और वर्तमान में रामसीन थाना क्षेत्र के



मुड़तरा चिली में रहने वाले परिवार के तीन सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई थी। मृतकों में कैलाश दमामी (19), उनकी मां ललिता देवी (42) और बहन सुमन कुमारी (17) शामिल थीं। वहीं, परिवार का सबसे छोटा बेटा राजू (8) हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसकी हालत को देखते हुए उसे बेहतर उपचार के लिए उदयपुर रेफर किया गया। परिजनों को उम्मीद थी कि इलाज के बाद राजू की हालत में सुधार होगा, लेकिन शुक्रवार को उसकी मौत की सूचना ने परिवार के दुख को और बढ़ा दिया।ह हादसे के बाद राजू को गंभीर अवस्था में अस्पताल पहुंचाया गया था। चिकित्सकों ने उसका उपचार शुरू किया, लेकिन चोटें इतनी गंभीर थीं कि उसे बचाया नहीं जा सका। शुक्रवार को उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। इसके साथ ही हादसे में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर चार हो गई।ह गुरुवार को मां और दो बच्चों की मौत के बाद परिवार के लोग राजू के स्वस्थ होने की आस लगाए बैठे थे। शुक्रवार को उसकी मौत की खबर ने उनकी उम्मीद भी तोड़ दी। एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत से पूरे घटनाक्रम ने सभी को झकझोर दिया है। सड़क दुर्घटना में मां ललिता देवी और उनके तीनों बच्चों की मौत हो गई। अब परिवार में केवल जानवी बची है। जिस परिवार के सदस्य साथ जीवन बिता रहे थे, वह एक सड़क हादसे के बाद बिखर गया। परिजनों के लिए यह क्षति ऐसी है, जिसकी भरपाई संभव नहीं है,ास जानकारी के अनुसार, हादसा जालोर जिले में भरूड़ी गांव के पास हुआ था। भीनमाल से उदयपुर की ओर जा रही रोडवेज बस और सामने से आ रही टैक्सी की टक्कर के कारण यह दर्दनाक घटना हुई। दुर्घटना के बाद घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया था। हादसे में पहले तीन लोगों की मौत हुई थी, जबकि गंभीर रूप से घायल राजू ने शुक्रवार को दम तोड़ दिया। इस घटना ने एक बार फिर सड़क पर सावधानी और यातायात नियमों के पालन की अहमियत को सामने रखा है।

जयपुर में प्रेमिका की हत्या कर फरार हुआ आरोपी भरतपुर से गिरफ्तार, दूसरे व्यक्ति से संबंध होने के शक में की वारदात

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजधानी जयपुर में साथ रह रही महिला की हत्या के मामले में पत्रकार कॉलोनी थाना पुलिस ने शुक्रवार सुबह वारदात का खुलासा किया। पुलिस ने हत्या के बाद फ्लैट में शव छोड़कर फरार हुए आरोपी को भरतपुर से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पुलिस से बचने के लिए लगातार बसों में सफर कर रहा था। प्रारंभिक पूछताछ में उसने महिला की हत्या करने की बात स्वीकार की है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान भरतपुर जिले के चिकसाना निवासी युगराज सिंह उर्फ युवराज सिंह उर्फ दीपक (27) के रूप में हुई है। वह पिछले करीब एक साल से पत्रकार कॉलोनी क्षेत्र के रामपुरा स्थित आमोर सोसायटी के एक फ्लैट में रह रहा था। इसी फ्लैट में वह 35 वर्षीय मोना जाटव के साथ रहता था। दोनों मिलकर टिफिन केंद्र भी चलाते थे। दक्षिण जिले के पुलिस उपायुक्त राजर्षिराज के अनुसार, 18 अक्टूबर की देर रात आरोपी ने मोना जाटव पर किसी भारी वस्तु से वार कर दिया। हमले में महिला की मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी फ्लैट में शव छोड़कर 19 अक्टूबर की सुबह करीब साढ़े छह बजे वहां से फरार हो गया। घटना के बाद आरोपी ने अपना मोबाइल बंद कर लिया, ताकि पुलिस उसकी लोकेशन का पता नहीं लगा सके। पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी। आखिरकार गुरुवार देर रात उसे भरतपुर के बी. नारायण गेट क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस से बचने के लिए आरोपी लगातार अपना ठिकाना बदल रहा था। वह कभी दिल्ली, कभी आगरा तो कभी भरतपुर जाने वाली बसों में सफर करता रहा।



खाटूश्यामजी के दर्शन कर लौट रहे 4 दोस्तों की मौत, टायर फटने से खाई में गिरी कार

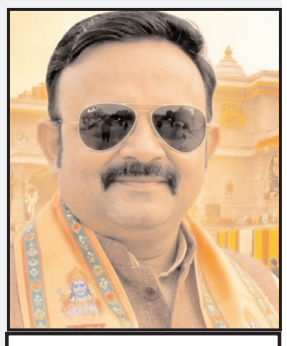
महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। जिले के रायसर क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में चार दोस्तों की मौत हो गई, जबकि दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी छह दोस्त खाटूश्यामजी मंदिर में दर्शन करने के बाद कार से लौट रहे थे। इसी दौरान दौसा-मनोहरपुर राष्ट्रीय राजमार्ग-148 पर उनकी स्विफ्ट कार का टायर फट गया। अनियंत्रित कार सड़क से नीचे खाई में जा गिरी। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना शुक्रवार सुबह करीब छह बजे रायसर थाना क्षेत्र में हुई। कार में सवार सभी युवक उत्तर प्रदेश के आगरा जिले के रहने वाले थे। हादसे में चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि घायल दो युवकों को उपचार के लिए निम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे में आगरा के रामबाग निवासी अतुल वार्षण (35), कालिंदी विहार निवासी मुकुल जायसवाल (21), रूपेश जाटव (25) और शिवा सिंह (20) की मौत हो गई। वहीं, नुनिहाई निवासी राहुल शर्मा (36) और ब्लकेश्वर निवासी अर्पित बंसल (20) घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने मृतकों के संबंध में आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। दुर्घटना के बाद दौसा-मनोहरपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। करीब एक घंटे तक यातायात धीमा रहा और जाम जैसे हालात बने रहे। पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाने के बाद यातायात सुचारू करवाया। खाई में गिरी क्षतिग्रस्त कार को क्रेन की सहायता से हटाया गया, जिसके बाद वाहनों की आवाजाही सामान्य हो सकी।



जनता के अधिकार, नेता का कब्ज़ा और सत्ता की वॉशिंग मशीन: 20 करोड़ के प्लॉट का खेल

वडोदरा म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन और पूर्व क्रिकेटर और नेता यूसुफ पठान के बीच 20.53 करोड़ रुपये के प्लॉट को लेकर 14 साल पुराना विवाद जिस तरह अचानक सुलझ गया है, वह सिर्फ़ ज़मीन के बंटवारे का मामला नहीं है। यह घटना सत्ताधारी पार्टी BJP की नीतियों, सिस्टम के दोहरे मापदंडों और लोकतंत्र में लोगों के खोए हुए अधिकारों का जीता-जागता और जानलेवा सबूत है।



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

वडोदरा के तंडलजा इलाके में TP-22 के तहत 978 वर्ग मीटर का यह कीमती प्लॉट जनता के टैक्स के पैसे से और जनता की सुविधाओं के लिए रिज़र्व किया गया था। इस ज़मीन पर कब्ज़ा करने की कवायद 2012 से चल रही थी। लेकिन 2024 में जब खुद म्युनिसिपैलिटी ने इसे गैर-कानूनी दबाव बताते हुए नोटिस जारी किया और मामला हाई कोर्ट पहुंचा, तो हाई कोर्ट ने भी सवाल उठाया कि बिना अलॉटमेंट के सरकारी ज़मीन पर कब्ज़ा क्यों किया जाए?

लेकिन, जैसे-जैसे राजनीतिक समीकरण बदले, कागज़ पर सिस्टम की नीतियां बदलती गईं। अगस्त 2026 में, अचानक हाई कोर्ट से अपील वापस ले ली गई और राज्य सरकार की तरफ से एक ऑर्डर जारी किया गया कि इस प्लॉट में से 500 स्क्वायर मीटर ज़मीन 'गिफ्ट' के तौर पर दी जाए और बाकी ज़मीन 45' डिस्काउंट पर दी जाए! इस ऑर्डर में साफ़-साफ़ लिखा है कि 'इस फ़ैसले को भविष्य में मिसाल नहीं माना जाएगा '।

सवाल यह है कि क्या कानून के नियम ताकतवर लोगों के लिए इतने रबर जैसे हैं?

जब कोई आम नागरिक या कोई गरीब लॉरी ड्राइवर अपनी रोज़ी-रोटी के लिए सड़क के किनारे ज़मीन का एक छोटा सा प्लॉट पार्क करता है, तो वडोदरा म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन का बुलडोज़र और एनफोर्समेंट टीम मिनटों में आ जाती है। आम आदमी को नोटिस दिया जाता है, फाइन लगाया जाता है और पल भर में उसका सामान ज़ब्त करके उसे सड़क पर भटकने पर मजबूर कर दिया जाता है। वहाँ, कानून और पॉलिसी और नियम सख्ती से याद रखे जाते हैं।

लेकिन जब बात 20 करोड़ रुपये की सरकारी ज़मीन की आती है, तो एडमिनिस्ट्रेशन का नोटिस बॉक्स 'वॉशिंग मशीन' जैसा हो जाता है। जिसमें हाई-प्रोफाइल लोगों के गैर-कानूनी दबाव और नोटिस धुलकर एक साफ़-सुथरी जगह में बदल जाते हैं। किन हालात में सरकार ने अचानक अपना ही 2014 का फैसला बदल दिया कि बिना पब्लिक ऑक्शन के ज़मीन नहीं दी जा सकती? यह प्लॉट वडोदरा के लोगों का है। इस ज़मीन पर गार्डन, स्पोर्ट्स ग्राउंड, हॉस्पिटल या कोई और पब्लिक इंटरेस्ट का काम हो सकता था। लेकिन पॉलिसी और रूल्स के नाम पर लोगों के इस हक को खुलेआम किनारे कर दिया गया।

आज गुजरात के लोग पूछ रहे हैं:

1. क्या वडोदरा के आम टैक्सपेयर का इस 20 करोड़ के प्लॉट पर कोई हक नहीं था?
2. क्या एडमिनिस्ट्रेशन और रूलिंग पार्टी के लिए 'रूल्स' सिर्फ़ आम लोगों को परेशान करने के लिए बनाए गए हैं?
3. नोटिस देकर गैर-कानूनी कब्ज़े को 'गिफ्ट' में बदलने की यह कौन सी पॉलिसी है?

सत्ता में बैठे शासकों को यह समझना होगा कि लोग सिर्फ़ टैक्स देने या वोटिंग के दिन बटन दबाने के लिए नहीं हैं। जब लोगों की प्रॉपर्टी की देखभाल करने वाले ही ऐसे 'मनमाने' बंटवारे को मंज़ूरी देते हैं, तो लोगों का डेमोक्रेसी से भरोसा उठ जाता है। 'पाको गुजरात' ने अपने एडिटोरियल के ज़रिए साफ़ तौर पर मांग की है कि लोगों के अधिकारों को कुचलने वाली ऐसी नीतियां बंद होनी चाहिए। प्रशासन को अपनी नज़रों से भेदभाव हटाना चाहिए और इस 20 करोड़ के प्लॉट पर लोगों के खोए हुए अधिकार वापस दिलाने चाहिए।

जब सब कुछ ऑनलाइन हो गया, तो इंसान अपने मन की बात किससे कहे?



रूपेश सोलंकी

आधुनिक युग में इंसान की जिंदगी में बहुत कुछ बदल गया है। पत्र लिखने की जगह मैसेज ने ले ली, आमने-सामने मिलने की जगह वीडियो कॉल ने ले ली, बाजार जाने की जगह ऑनलाइन खरीदारी शुरू हो गई और भावनाएँ व्यक्त करने की जगह सोशल मीडिया पर इमोजी भेजने की आदत पड़ गई। तकनीक ने जीवन को आसान बनाया है, लेकिन इस आसानी के बीच एक सवाल धीरे-धीरे उठ रहा है कि क्या इंसान वास्तव में एक-दूसरे के करीब आया है या केवल स्क्रीन के करीब रह गया है?

आज इंसान के पास दुनिया के किसी भी कोने में बैठे व्यक्ति से बात करने की सुविधा है, फिर भी कई बार अपने ही घर में बैठे व्यक्ति से बात करने के लिए समय नहीं है। मोबाइल में हजारों संपर्क सुरक्षित हैं, लेकिन मन की बात बिना किसी झिझक के कही जा सके, ऐसा व्यक्ति ढूँढ़ना मुश्किल हो गया है। सोशल मीडिया पर खुशियों की तस्वीरें साझा की जाती हैं, लेकिन उन्हीं तस्वीरों के पीछे छिपी उदासी को समझने के लिए किसी के पास समय नहीं है।

एक समय था, जब शाम होते ही घर के आँगन में परिवार के सदस्य एकत्र होते थे। दिनभर की बातें होती थीं, हँसी गूँजती थी और बड़ों के अनुभवों से जीवन जीने की सीख मिलती थी। आज घर में सभी साथ होते हैं, लेकिन हर किसी की दुनिया अलग-अलग स्क्रीन में सिमट गई है। एक ही छत के नीचे रहने वाले लोगों के बीच भी दूरियाँ पैदा हो जाती हैं। इन दूरियों को किलोमीटर में नहीं मापा जा सकता, क्योंकि ये भावनाओं की दूरियाँ हैं।

तकनीक बुरी नहीं है। यह तो मानव जीवन को अधिक सुविधाजनक बनाने का एक बेहतरीन साधन है। परेशानी तब पैदा होती है, जब साधन हमारे समय के अनुसार चलने के बजाय हम साधन के अनुसार जीने लगते हैं। मोबाइल हमारे हाथ में होना चाहिए, हमारे रिश्तों और संवेदनाओं पर उसका नियंत्रण नहीं होना चाहिए।

हमें कभी-कभी सोचना चाहिए कि दिन में कितने घंटे मोबाइल पर बिताते हैं और परिवार के सदस्यों की बातें ध्यान से सुनने के लिए कितने मिनट निकालते हैं? हम किसी का मैसेज तुरंत पढ़ लेते हैं, लेकिन सामने बैठे व्यक्ति की आँखों में छिपी उदासी को समझने में देर कर देते हैं। यही आधुनिक जीवन की एक विचित्र वास्तविकता है।

रिश्तों को जीवंत बनाए रखने के लिए महँगे उपहारों या बड़े आयोजनों की आवश्यकता नहीं होती। किसी की बात शांति से सुनना, बड़ों के पास कुछ समय बैठना, बच्चों के साथ खुलकर हँसना और मुश्किल समय में किसी मित्र को फोन करके पूछना कि 'तुम सच में कैसे हो?' – ये छोटी-छोटी बातें जीवन में बहुत बड़ा अर्थ रखती हैं।

हमें नई तकनीक सीखनी चाहिए, डिजिटल दुनिया में आगे बढ़ना चाहिए और समय के साथ बदलना भी चाहिए; लेकिन इस बदलाव में मानवता, आत्मीयता और भावनाओं को खो नहीं देना चाहिए। क्योंकि जीवन के सबसे खूबसूरत पल नेटवर्क की गति से नहीं, बल्कि रिश्तों की गहराई से यादगार बनते हैं।

अंत में बस इतना ही कहना है कि दुनिया से जुड़े रहने के लिए इंटरनेट जरूरी हो सकता है, लेकिन अपने लोगों से जुड़े रहने के लिए संवेदनशील हृदय जरूरी है। स्क्रीन की रोशनी भले ही पूरी रात साथ दे, लेकिन मन के अँधेरे को दूर करने के लिए अपने किसी प्रियजन का आत्मीय शब्द ही काफी होता है।

क्योंकि इंसान को केवल संदेशों की नहीं, बल्कि सच्ची समझ की जरूरत है; केवल संपर्कों की नहीं, बल्कि रिश्तों की जरूरत है।

अडानी दिवाली पर नहीं लूटेगा तो कब लूटेगा?: CNG की कीमतों में अचानक बढ़ोतरी से जनता की दिवाली खराब

त्योहारों का मौसम आम आदमी के घरों में खुशियां लाए या न लाए, लेकिन अडानी जैसे बड़े कॉर्पोरेट घरानों और अरबपतियों की तिजोरियों में कमाई का झरना ज़रूर बहने लगता है। गुजरात में आम लोगों और टैक्सी-ऑटो चलाने वालों की कमर तोड़ने के लिए अडानी टोटल गैस लिमिटेड ने सिर्फ़ दिवाली के दौरान छ्हत्न की कीमत 4.45 रुपये प्रति किलो बढ़ा दी है। सवाल यह है कि सिर्फ़ दिवाली के त्योहार के दौरान यह कीमत क्यों बढ़ाई गई? क्या अडानी ग्रुप इतना गरीब है कि अगर वह दिवाली पर आम लोगों को नहीं लूटेगा तो उसका साम्राज्य बर्बाद हो जाएगा?

त्योहारों की खुशियों पर लाखों का महंगाई का बोझ

गुजरात में लाखों लोग अपनी गाड़ियों में CNG का इस्तेमाल करते हैं। मिडिल क्लास परिवारों, दिहाड़ी मजदूरों और छोटे व्यापारियों के लिए CNG सिर्फ़ एक फ्यूल नहीं, बल्कि रोजी-रोटी का ज़रिया है। जब अडानी जैसे उद्योगपति अचानक 4.45 रुपये प्रति किलो दाम बढ़ाते हैं, तो इसका सीधा असर रिक्शा के किराए, सब्जियों के दाम और आने-जाने के खर्च पर पड़ता है।

एक तरफ लोग त्योहारों पर अपने परिवार के साथ घूमने के लिए अपनी गाड़ियां निकालते हैं, वहीं दूसरी तरफ सरकार और ऐसी कंपनियों की मिलीभगत से लोगों की जेब पर सीधा असर पड़ता है। क्या इसे ही 'डबल इंजन सरकार' की जनहित की नीतियां कहते हैं? या लोगों को लूटने का खुला लाइसेंस दे दिया गया है?

अडानी की कमाई और लोगों की मजबूरी

जब भी इस देश में महंगाई की बात होती है, तो आम नागरिक को हमेशा बलि का बकरा बनाया जाता है। इंटरनेशनल मार्केट में गैस के दाम कितने भी ऊंचे क्यों न हों, ये कीमतें सिर्फ तब ही क्यों बढ़ाई जाती हैं जब भारत में त्योहार या जश्न होते हैं? क्या अडानी ग्रुप का प्रॉफिट कम हो रहा था?

यह दिवाली के दीयों के समय आम लोगों के घरों में अंधेरा करने का काला खेल है। अडानी गैस का यह फैसला साबित करता है कि उन्हें आम लोगों की तकलीफ से कोई लेना-देना नहीं है, उन्हें तो बस अपने फायदे के आंकड़े दिखते हैं। अगर दिवाली जैसे पवित्र त्योहार पर भी जनता को लूटने की पॉलिसी अपनाई जाएगी, तो बाकी दिनों में क्या होगा, इसकी कल्पना भी न करें तो बेहतर है!

महानगर मेट्रो अखबार के ज़रिए, हुक्मरानों और अडानी ग्रुप से हमारा सीधा सवाल है

1. दिवाली के मौके पर CNG के दाम में अचानक इतनी बढ़ोतरी क्यों? क्या वे लोगों की कमाई पर नज़र गड़ाए बैठे हैं?
2. लोग कब तक इस महंगाई के राक्षस को चुपचाप सहते रहेंगे?
3. क्या सरकार सिर्फ़ बड़े उद्योगपतियों की तिजोरियां भरने के लिए बैठी है या आम लोगों के हितों की रक्षा के लिए भी कोई पॉलिसी बची है? जनता अब सब समझ रही है। भले ही अडानी ने दिवाली पर अपनी तिजोरियां भर ली हों, लेकिन गुजरात की जनता का गुस्सा अब फूट रहा है। कि इस गलत कीमत बढ़ोतरी को तुरंत वापस लिया जाए और आम लोगों को राहत दी जाए!

गाय की सेवा और सनातन संस्कृति का अद्भुत शिखर: अनंत अंबानी का ऐतिहासिक गाय सेवा अभियान पूरे देश के लिए प्रेरणा बन रहा है

अहमदाबाद एक बहुत ही प्रेरणा देने वाली, शानदार और गर्व करने वाली तस्वीर सामने आई है जो भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा और दया के इतिहास में दर्ज हो जाएगी। देश के एक महान उद्योगपति परिवार के बेटे अनंत अंबानी द्वारा गाय सेवा के क्षेत्र में चलाए गए महान अभियान की जानकारी जब सामने आई है, तो पूरे देश और गाय प्रेमियों में इस काम के लिए सम्मान की लहर फिर से जाग उठी है। आमतौर पर, आधुनिक युग में, व्यापार की भागदौड़ के बीच बेजुबान जानवरों के प्रति दया दिखाना दुर्लभ होता जा रहा है, लेकिन अनंत अंबानी ने गौ सेवा को अपने जीवन का सबसे बड़ा लक्ष्य बनाकर इतिहास रच दिया है। 9 लाख गायों का एक बड़ा और अद्भुत साम्राज्यः निस्वार्थ समर्पण

अनंत अंबानी और उनका ट्रस्ट अभी लगभग 9 लाख बेसहारा और बेसहारा गाय माताओं की देखभाल कर रहा है। संख्या के हिसाब से यह आंकड़ा सिर्फ़ एक रिकॉर्ड नहीं है, बल्कि करोड़ों रुपये की लागत से चलने वाला एक बहुत बड़ा चैरिटी का काम है। आज के मतलबी ज़माने में, जहाँ लोग सिर्फ़ पैसे के फ़ायदे या दूध के लिए गाय पालते हैं, वहाँ अंबानी परिवार के लिए इतनी बड़ी संख्या में गाय पालना सोच से भी परे है। इन नौ लाख गायों के रखरखाव, रहने की जगह, खाने और बेहतरीन सेहत के लिए स्टेट-ऑफ़-द-आर्ट सुविधाओं वाले बड़े-बड़े कॉम्प्लेक्स तैयार किए गए हैं।

7 लाख नॉन-डेयरी और बूढ़ी गायों की ज़िंदगी भर सेवाः एक अनोखी और दुर्लभ मिसाल

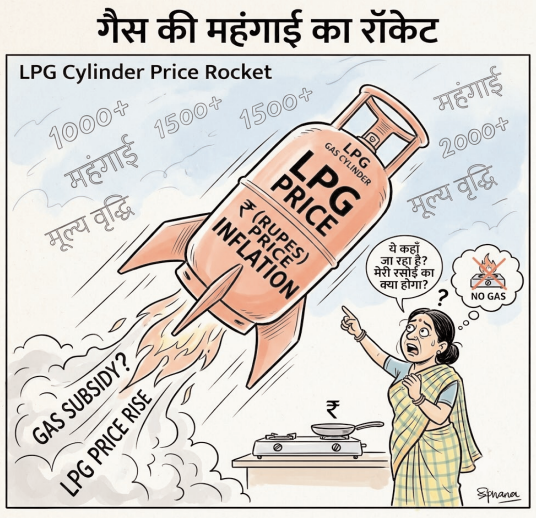
इस मिशन की सबसे बड़ी और इमोशनल बात यह है कि इन 9 लाख गायों में से 7 लाख से ज़्यादा गायें ऐसी हैं जो किसी भी तरह का दूध नहीं देतीं! वे बूढ़ी, कमज़ोर, बीमार हैं या किसी एक्सीडेंट में अपाहिज हो गई हैं। आम बात यह है कि जब गाय दूध देना बंद कर देती है, तो उसे सड़क पर या कसाइयों के हाथों में छोड़ दिया जाता है, लेकिन अनंत अंबानी ने अपने गोशाला में 7 लाख नॉन-डेयरी और कमज़ोर गायों की ज़िंदगी भर सेवा करके गौ सेवा का सही मतलब साबित किया है। इन जानवरों की आखिरी सांस तक की सेवा और खर्च इंसानियत का सबसे ऊंचा मुकाम है। 8 राज्यों में चल रही हैं 100 से ज़्यादा मॉडर्न एम्बुलेंस सिर्फ़ गोशालाएँ

बनाकर बैठे रहने के बजाय, ज़मीनी स्तर पर एक्सीडेंट या बीमारी से पीड़ित गायों को तुरंत मेडिकल मदद देने के लिए एक मज़बूत नेटवर्क बनाया गया है। आज देश के 8 बड़े राज्यों में 100 से ज़्यादा मॉडर्न 'गाय एम्बुलेंस' 24 घंटे चल रही हैं। जानलेवा एक्सीडेंट में शामिल, हाईवे पर घायल या गंभीर बीमारियों से जूझ रही गायों को इन एम्बुलेंस से जल्दी से अस्पताल या गोशाला ले जाया जाता है, जहाँ एक्सपर्ट जानवरों के डॉक्टर समय पर उनका ऑपरेशन और इलाज करते हैं। इस एम्बुलेंस से हज़ारों बेजुबान जानवरों को नई ज़िंदगी मिली है। 50,000 से ज़्यादा बेगुनाह जानवरों को बूचड़खानों के खूनी चंगुल से बचाया गया अनंत अंबानी के इस सेवा यज्ञ का सबसे बड़ा कारनामा यह है कि गैर-कानूनी तस्करी रोककर



अब तक 50,000 से ज़्यादा गायों को सीधे बूचड़खानों के मुंह से बचाया जा चुका है। इन बेजुबान जानवरों को बूचड़खानों की भयानक नरक जैसी हालत से आज़ाद कराकर सुरक्षित माहौल में पहुंचाना और उनके ज़ख्मों को भरना किसी चमत्कार से कम नहीं है। इन गायों को नई ज़िंदगी मिल गई है और वे अब खुले खेतों में बेखौफ घूम रही हैं। सनातन धर्म की नींव और पर्यावरण संतुलनः 'पाको गुजरात' का बड़ा सलाम गोपालन सिर्फ़ हिंदू आस्था का प्रतीक नहीं है, बल्कि भारतीय खेती-बाड़ी की अर्थव्यवस्था और धरती के इकोलॉजिकल संतुलन का मुख्य आधार है। अनंत अंबानी द्वारा शुरू किया गया यह बड़ा अभियान देश के दूसरे उद्योगपतियों, युवाओं और काबिल नागरिकों के लिए एक मिसाल बन गया है। इंसानियत भरे और पवित्र काम को दिल से सलाम करता है। अगर देश के दूसरे काबिल लोग भी इसी तरह आगे आएं तो एक भी गाय बूचड़खाने में या भूखी नहीं भटकती दिखेगी। यह काम न सिर्फ समाज की सेवा है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए सनातन संस्कृति को बचाने की जीती-जागती सीख है।

गैस की महंगाई का रॉकेट



आज का राशिफल

(शनिवार)24 अक्टूबर 2026

मेष — कल का दिन आपके लिए तरक्की और नई उम्मीदें लेकर आएगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की तारीफ होगी और आय के नए स्रोत मिलने की पूरी संभावना है

वृषभ — निवेश और आर्थिक लाभ के दृष्टिकोण से दिन काफी शानदार है। घर में किसी मांगलिक कार्य या धार्मिक आयोजन की रूपरेखा बन सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा

मिथुन — पारिवारिक जीवन में सुख-शांति और खुशहाली बनी रहेगी। व्यापार में किसी नई योजना पर काम शुरू करने के लिए दिन बेहद शुभ है, बड़ा मुनाफा हो सकता है।

कर्क — आपके चारों ओर सकारात्मक माहौल रहेगा और रुकी हुई संपत्ति या धन वापस मिलने के योग हैं। आत्म-विश्वास में वृद्धि होगी और मन शांत रहेगा

सिंह — दिन मिला-जुला रहेगा, इसलिए किसी भी बड़े फैसले में जल्दबाजी न दिखाएं। दफ्तर में सहकर्मियों और अधिकारियों के साथ तालमेल बनाकर चलना फायदेमंद रहेगा।

कन्या — आप खुद को ऊर्जा और उत्साह से भरा हुआ महसूस करेंगे। काम के सिलसिले में की गई छोटी यात्राएं आपके लिए भविष्य में बेहद लाभदायक साबित होंगी

तुला — पुराने दोस्तों और शुभचिंतकों के सहयोग से आपके रुके हुए काम पूरे होंगे। घर-परिवार की जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, इसलिए अपनी सेहत का भी ख्याल रखें

वृश्चिक — आपकी लगन और कड़ी मेहनत से कठिन से कठिन परिस्थितियां भी आसान हो जाएंगी। परिवार के साथ रिश्ते मजबूत होंगे और आपसी प्रेम बढ़ेगा।

धनु — मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। आपकी योजनाएं सफल होंगी, बस अपने सभी महत्वपूर्ण कार्यों को समय पर निपटाने का प्रयास करें

मकर — भाग्य का पूरा साथ मिलने वाला है, जिससे आपके अधूरे प्रोजेक्ट्स गति पकड़ेंगे। नौकरीपेशा लोगों को प्रमोशन या नई जिम्मेदारी मिलने के प्रबल आसार हैं

कुंभ — अनुभवी लोगों का मार्गदर्शन आपके लिए काफी लाभदायक सिद्ध होगा। आर्थिक मामलों में समझदारी से काम लें और फालतू के खर्चों पर थोड़ी लगाम लगाएं

मीन — पुराने किए गए निवेश से बड़ा फायदा मिलने की उम्मीद है। अगर कोई नया व्यापार या नया काम शुरू करने की सोच रहे हैं तो कल का दिन बेहद शुभ रहेगा

प्रधानमंत्री बदलने पर देश में किस तरह का भूचाल आ सकता है?

भारतीय लोकतंत्र और राजनीति के इतिहास में सत्ता परिवर्तन सिर्फ़ दिल्ली के साउथ या नॉर्थ ब्लॉक में कुर्सी बदलने की आम बात नहीं है। यह एक ऐसा प्रोसेस है जो देश के पूरे सिस्टम, एडमिनिस्ट्रेटिव स्ट्रक्चर और सालों से राज़ रखे गए राजनीतिक राज़ों को सामने लाने की ताकत रखता है। मौजूदा राजनीतिक नज़रिए में, अगर कभी केंद्र में सत्ता परिवर्तन होता है और नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री का पद खो देते हैं, तो पूरे देश में इस बात की चर्चा है कि देश के राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक क्षेत्रों में किस तरह के बड़े धमाके हो सकते हैं।

अगर हम सत्ता के हस्तांतरण के साथ देश की दिशा और दशा बदलने वाले कुछ मुख्य कारणों और संभावित घटनाओं पर नज़र डालें, तो कई चौंकाने वाली बातें सामने आती हैं:

1. दबे हुए राज़ों और फाइलों को सामने लाने की चाहत सत्ता और ताकत हमेशा फाइलों को सुरक्षित रखने के लिए ढाल बन जाती है। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, अगर केंद्र में सत्ता परिवर्तन होता है, तो देश के अतीत और वर्तमान के कई संवेदनशील मुद्दों की फाइलें खुल सकती हैं। कानूनी और पार्लियामेंट्री जांच का दायरा बड़ी घटनाओं, पुराने फैसलों और इंटरनेशनल लेवल पर चर्चित टॉपिक पर बढ़ सकता है। जिन कागजों को सरकारी मशीनरी और एजेंसियां दबाने का काम कर रही थीं, वे सत्ता के संरक्षण के बिना सामने आ सकते हैं।

2. आर्थिक साम्राज्यों और बेनामी भ्रष्टाचार का ऑडिट किसी भी सरकार के गिरने के बाद सबसे पहला झटका सत्ताधारी पार्टी से जुड़े अरबपतियों और नेताओं के आर्थिक हितों और बिजनेस साम्राज्यों पर पड़ता है। सालों से जमा किए गए रिसोर्स, सरकारी टेंडर में हेराफेरी, बड़े प्रोजेक्ट और बेनामी संपत्तियों के बंटवारे का हिसाब मांगने का सिलसिला शुरू हो सकता है। सत्ता का संरक्षण हटते ही, आर्थिक गड़बड़ियों के सामने आने का डर हमेशा राजनीतिक दिग्गजों को सताता रहता है।

3. शेयर मार्केट में बनावटी तेजी और पूंजीपतियों का खेल आज भारतीय शेयर मार्केट में तेजी और अडानी-अंबानी जैसे कई बिजनेस दिग्गजों की संपत्ति में बेतहाशा बढ़ोतरी हमेशा चर्चा का विषय रही है। विपक्ष और अर्थशास्त्री आरोप लगाते रहे हैं कि इस तेजी के पीछे कुछ उद्योगपतियों और सरकार की मिलीभगत है। अगर सत्ता बदलती है, तो यह मोनोपॉली कम हो सकती है, जिससे स्टॉक मार्केट में बड़ी गिरावट और इकोनॉमिक पॉलिसी की फिर से जांच होने की पूरी संभावना है।

4. मीडिया की भूमिका और 'गोदी मीडिया' का पर्दाफाश पिछले कुछ सालों से भारतीय पत्रकारिता पर सत्ता के असर और 'सोफ़िस्टिकेशन' के गंभीर आरोप लगते रहे हैं। जिन पत्रकारों ने जनता के सवाल पूछने के बजाय सरकार के PR एजेंट के तौर पर काम किया है, सत्ता बदलते ही उनकी क्रेडिबिलिटी का काला इतिहास लोगों के सामने आ जाएगा। झूठे नैरेटिव चलाने, असली मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने और सिस्टम के अपराधियों को बचाने का काम करने वाले मीडिया हाउस का असली चेहरा सामने आ जाएगा।

5. ब्यूरोक्रेसी और अधिकारियों की जवाबदेही सरकार कोई भी हो, पॉलिसी लागू करने वाले तो अधिकारी ही होते हैं। सत्ता बदलने से उन अधिकारियों और पुलिस एडमिनिस्ट्रेशन के हेड्स को दिक्कत हो सकती है जो सत्ता के इशारे पर विरोधियों को परेशान करते हैं, कानून का गलत इस्तेमाल करते हैं और गैर-कानूनी ऑर्डर फॉलो करते हैं। जब कानून एक्टिव होगा, तो गड़बड़ियों में शामिल अधिकारियों को अपनी नौकरी और पेंशन बचाने में मुश्किल होगी और हर जुल्म के लिए उन्हें ज़िम्मेदार ठहराया जाएगा।

6. आंकड़ों का भ्रम और असली गरीबी की तस्वीर सरकारी दावों के मुताबिक, भारत दुनिया की पांचवीं या तीसरी इकोनॉमिक सुपरपावर बनने की दौड़ में है, लेकिन ज़मीनी हकीकत महंगाई, बेरोज़गारी और गरीबी का महंगा नज़ारा दिखाती है। सत्ता बदलते ही मसालेदार GDP के आंकड़ों, विकास के बढ़ा-चढ़ाकर किए गए दावों और सरकारी डेटा की ट्रांसपेरेंट जांच शुरू हो जाएगी। देश की असली इकोनॉमिक बदहाली, युवाओं की बेरोज़गारी और भुखमरी के असली आंकड़े जनता के सामने आ जाएंगे। राजनीति में कोई भी व्यक्ति या पार्टी हमेशा के लिए अजेय नहीं होती। सत्ता बदलना डेमोक्रेसी का एक खूबसूरत और ज़रूरी हिस्सा है। अगर मोदी ऑफिस हार जाते हैं, तो यह सिर्फ़ चुनावी हार नहीं होगी, बल्कि यह एक बड़ा पॉलिटिकल भूकंप साबित होगा जो देश की दिशा बदल देगा, जिससे देश के बुनियादी मुद्दे एक बार फिर चर्चा के सेंटर में आ जाएंगे। भारतीय लोकतंत्र में केंद्र की सत्ता का हस्तांतरण केवल एक सरकार का बदलना नहीं, बल्कि संपूर्ण प्रशासनिक और राजनीतिक ढांचे की दिशा तय करने वाली घटना होती है। यदि भविष्य में कभी केंद्र में बड़ा राजनीतिक बदलाव होता है, तो इसके व्यापक असर देखने को मिल सकते हैं। सबसे पहले, अतीत और वर्तमान के कई संवेदनशील फैसलों, बड़ी नीतियों और प्रोजेक्ट्स से जुड़ी फाइलें जनसमक्ष आ सकती हैं। जीडीपी और रोजगार से जुड़े डेटा की निष्पक्ष समीक्षा से देश की वास्तविक आर्थिक स्थिति की स्पष्ट तस्वीर सामने आएगी। लोकतंत्र में बदलाव राजनीतिक संतुलन को बनाए रखने और बुनियादी मुद्दों को केंद्र में लाने का एक सशक्त जरिया बनता है।

गाजियाबाद में अस्पताल की इमारत में पटाखों का भंडारण, पांच बोरे बरामद; कर्मचारी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबाद। फर्रुखनगर में पुलिस ने एक अस्पताल की चार मंजिला इमारत में छापा मारकर पटाखों के पांच बोरे बरामद किए हैं। आरोप है कि इमारत की दूसरी मंजिल पर पटाखों का भंडारण कर ऑनलाइन और सीधे ग्राहकों को बिक्री की जा रही थी। पुलिस ने मौके से हैदर नाम के व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जो अस्पताल में काम करता था।



सहायक पुलिस आयुक्त अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, फर्रुखनगर की चार मंजिला इमारत में आरोग्य अस्पताल संचालित है। इमारत की दूसरी मंजिल पर हैदर ने एक कमरा किराए पर लिया था। इसी कमरे में पटाखे रखे गए थे। पुलिस ने छापेमारी के दौरान पांच बोरे पटाखे बरामद किए। इनकी कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, ग्राहकों को अपनी पसंद के पटाखे चुनने की सुविधा दी जाती थी। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने कार्रवाई की। बताया गया है कि इमारत की निचली दो मंजिलों पर अस्पताल संचालित होता है, जबकि ऊपर की दो मंजिलों पर अस्पताल का कर्मचारी अपने परिवारों के साथ रहते हैं। हैदर ने दीपावली के दौरान बिक्री के लिए पटाखों का भंडारण किया था। पटाखों की बिक्री से जुड़ी जानकारी सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित होने के बाद पुलिस की कार्रवाई की बात सामने आई है। हालांकि, पटाखों के भंडारण और बिक्री से संबंधित सभी पहलुओं की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। इस घटना के बीच लाजपत नगर के सामुदायिक केंद्र में रावण के पुतले में बारूद भरते समय हुए धमाके का मामला भी चर्चा में है। इस हादसे में चार लोगों की मौत हुई थी। धमाके से आसपास के मकानों में भी दरारें आने की बात सामने आई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, घटनास्थल पर 10 टन से अधिक बारूद रखे होने की जानकारी दी गई थी।

नोएडा के कारोबारी से 4.72 लाख रुपये वसूलने का आरोप, तीन पुलिसकर्मी निलंबित;

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेरठ। उत्तर प्रदेश में नोएडा के एक फर्नीचर कारोबारी से बैंक खाता खुलवाने के नाम पर कथित तौर पर 4.72 लाख रुपये वसूलने का मामला सामने आया है। कारोबारी शाहिद चौधरी ने मेरठ और मुजफ्फरनगर के पुलिसकर्मियों पर हिरासत में लेकर प्रताड़ित करने और रकम मांगने का आरोप लगाया है। शिकायत के बाद तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है, जबकि जांच में लापरवाही के मामले में एक क्षेत्राधिकारी को अंतिम चेतावनी दी गई है। मामले की जांच मेरठ के पुलिस उपमहानिरीक्षक कलानिधि नैथानी के निर्देश पर की जा रही है। शिकायत में थाने के पास साइबर कैफे चलाने वाले एक व्यक्ति की भूमिका भी सामने आई है। नोएडा के सेक्टर-93 स्थित गेज़ा निवासी शाहिद चौधरी सोफा और फर्नीचर का कारोबार करते हैं। उनके मुताबिक, उनकी पत्नी का बैंक खाता बंद कर दिया गया था। इसी खाते को दोबारा चालू कराने के सिलसिले में वह मेरठ के लिसाड़ी गेट थाने पहुंचे थे। शाहिद का आरोप है कि वहां पुलिसकर्मियों ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया और उन्हें हवालात में बंद कर दिया। उन्होंने दावा किया कि इस दौरान उनका मोबाइल फोन, घड़ी और बेल्ट भी अपने कब्जे में ले लिए गए। उन्हें और उनके भाई सनवर को कार्रवाई करने की धमकी दी गई। कारोबारी के मुताबिक, उन्हें छोड़ने के बदले आठ लाख रुपये मांगे गए और कुछ सादे कागजों पर हस्ताक्षर भी कराए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि 4 अगस्त 2026 को करीब चार लाख रुपये देने के बाद उन्हें छोड़ा गया। उनकी घड़ी और बेल्ट वापस नहीं की गईं। शाहिद ने अपनी शिकायत में कुल 4.72 लाख रुपये की कथित वसूली का विवरण दिया है। उनका दावा है कि 1.20 लाख रुपये का बैंक लेन-देन हुआ, जबकि 2.80 लाख रुपये थाने के सामने स्थित साइबर कैफे संचालक शादाब राव को नकद दिए गए। शाहिद के मुताबिक, 5 अगस्त को शादाब राव ने मोबाइल फोन से उनकी बात दरोगा अंकित सागर और हेड कांस्टेबल नीरज कुमार से कराई। इसके बाद मोहम्मद इमरान और सुशीला के बैंक खातों में 36-36 हजार रुपये भेजने के लिए कहा गया। कारोबारी का आरोप है कि यह रकम सोफा सेट देने के नाम पर मांगी गई थी। उन्होंने भुगतान से संबंधित अभिलेख और अन्य दस्तावेज अपनी शिकायत के साथ दिए हैं। इन आरोपों की जांच की जा रही है। शिकायत के बाद मेरठ के दरोगा अंकित सागर और हेड कांस्टेबल नीरज कुमार को निलंबित कर दिया गया है। मामले में थाने के सामने साइबर कैफे चलाने वाले शादाब राव की भूमिका की भी जांच की जा रही है। जांच अधिकारियों का पता लगाना है कि कारोबारी से रकम लेने में साइबर कैफे संचालक की क्या भूमिका थी और क्या उसने पुलिसकर्मियों के कहने पर रकम मांगी थी। मेरठ में मामले की जांच क्षेत्राधिकारी साइबर अपराध सौम्या अस्थाना को सौंपी गई है। मामले की दूसरी कड़ी मुजफ्फरनगर के खतौली क्षेत्र की पमनावली चौकी से जुड़ी है। शाहिद ने आरोप लगाया कि उनकी पत्नी का बैंक खाता दोबारा चालू कराने के बदले चौकी प्रभारी दरोगा आरिफ अली ने एक लाख रुपये लिए।

सिद्धार्थनगर में तीन दिन के नवजात की मौत, परिजनों ने डीजे के कंपन को ठहराया जिम्मेदार;

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान तीन दिन के नवजात की मौत का मामला सामने आया है। परिजनों का आरोप है कि तेज आवाज में बज रहे डीजे के कंपन से बच्चा डरकर रोने लगा और कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई। परिवार ने पुलिस-प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं, पुलिस के मुताबिक, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डीजे की आवाज से मौत होने की पुष्टि नहीं हुई है। मौत का सही कारण जानने के लिए विसरा जांच के लिए भेजा गया है नवजात के पिता जावेद मनिहार ने बताया कि उनकी पत्नी की डिलीवरी सोमवार शाम को हुई थी। उनके मुताबिक, बच्चा स्वस्थ था और उसे अस्पताल से घर लाया गया था। परिवार का आरोप है कि विजयदशमी की रात करीब 11 से 11:30 बजे दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान डीजे बहुत तेज आवाज में बजाया जा रहा था। आवाज और कंपन इतना ज्यादा था कि घर के बाहर छज्जे का प्लास्टर उखड़ गया और अंदर रखा ड्रम भी हिलने लगा। जावेद के मुताबिक, इसी दौरान बच्चा रोने लगा और कुछ ही सेकेंड में उसकी मौत हो गई। परिजन उसे अस्पताल भी नहीं ले जा सके। हालांकि, डीजे के कंपन और नवजात की मौत के बीच संबंध की अभी तक पुष्टि नहीं हुई है। नवजात की मां सबरून निशा का रो-रोकर बुरा हाल है। उन्होंने बताया कि बच्चा रात में ठीक था, लेकिन तेज आवाज के दौरान अचानक रोने लगा और फिर उसकी सांसें थम गईं। परिवार का कहना है कि उनका बच्चा वापस नहीं आ सकता, लेकिन तेज आवाज में डीजे बजाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। स्थानीय समाजसेवी उपेंद्र पांडेय ने दावा किया कि कस्बे के लोगों ने पहले ही जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक और उपजिलाधिकारी को ज्ञापन देकर डीजे के तेज कंपन पर नियंत्रण लगाने की मांग की थी। उनके मुताबिक, दशहरे से पहले हुई शांति समिति की बैठक में भी क्षेत्राधिकारी, उपजिलाधिकारी और थाना प्रभारी की मौजूदगी में तेज आवाज को लेकर चिंता जताई गई थी। अधिकारियों ने कार्रवाई का आश्वासन दिया था, लेकिन लोगों का आरोप है कि इसके बावजूद दिशा-निर्देशों का पालन नहीं कराया गया।

सरकारी खरीद का चौंकाने वाला हिसाब! 5 का फिनाइल 33,500 में,306 की एलईडी 11,800 में खरीदी;

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश के नगरीय निकायों में सरकारी खरीद को लेकर सामने आए आंकड़ों ने खरीद प्रक्रिया, कीमतों के निर्धारण और अधिकारियों की जवाबदेही पर सवाल खड़े कर दिए हैं। राज्य के 374 नगरीय निकायों में पिछले तीन साल के दौरान सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) पोर्टल के जरिए करीब 1,134 करोड़ रुपये की खरीद की गई। इस खरीद का विश्लेषण करते समय कुछ सामान की दरों में भारी अंतर सामने आया। आंकड़ों के मुताबिक, एक जगह एक लीटर फिनॉलिक डिसइन्फेक्टेंट की कीमत 5 रुपये दर्ज हुई, जबकि दूसरी जगह इसी तरह के उत्पाद की कीमत 33,500 रुपये तक बताई गई। इसी तरह 60 वॉट की एलईडी लाइट एक जगह 306 रुपये में खरीदी गई, जबकि भोपाल में इसकी कीमत 11,800 रुपये दर्ज हुई। इन आंकड़ों के आधार पर प्रस्तुत विश्लेषण में अनुमान लगाया गया कि यदि खरीद औसत दरों पर की जाती, तो करीब 250 करोड़ रुपये की बचत संभव थी। हालांकि, यह संभावित बचत का अनुमान है, सरकारी धन के दुरुपयोग या भ्रष्टाचार का अपने आप में अंतिम प्रमाण नहीं। इसके लिए संबंधित उत्पादों की गुणवत्ता, तकनीकी विशेषताओं, खरीद की शर्तों और भुगतान के रिकॉर्ड की जांच जरूरी होगी। नगरीय प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे का एक पुराना वीडियो इन दिनों सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित हो रहा है। इसमें वह नगरीय निकायों में सामान की खरीद के दौरान सामने आए बड़े मूल्य-अंतर पर अधिकारियों को चेतावनी देते दिखाई दे रहे हैं। बैठक में मध्य प्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम (एमपीएसईडीसी) के अतिरिक्त प्रबंध निदेशक अंशुमान राज की ओर से प्रस्तुत विश्लेषण के आधार पर खरीद की दरों पर चर्चा की गई थी। अब इस मामले में नगरीय प्रशासन राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने भी वीडियो की पुष्टि कराने और अनियमितताओं की जांच कराने की बात कही है। उन्होंने कहा है कि जांच में गड़बड़ी सामने आने पर संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। सरकारी खरीद में अलग-अलग नगरीय निकायों की ओर से एक ही तरह के सामान के लिए अलग-अलग कीमत चुकाए जाने का मुद्दा इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसका सीधा संबंध सार्वजनिक धन के इस्तेमाल से है। नगरपालिकाएं और नगर परिषदें सफाई व्यवस्था, कचरा प्रबंधन, सड़क प्रकाश व्यवस्था और अन्य नागरिक सुविधाओं के लिए हर साल बड़ी मात्रा में सामान खरीदती हैं। ऐसी खरीद में कीमत के साथ उत्पाद की गुणवत्ता, उपयोग की अवधि, तकनीकी मानक और आपूर्ति की शर्तें भी महत्वपूर्ण होती हैं। यदि दो निकायों ने समान विशेषताओं वाला सामान अलग-अलग कीमतों पर खरीदा है, तो यह पता लगाना जरूरी है कि अंतर की वजह क्या थी। प्रस्तुत विश्लेषण में सामने आए उदाहरणों ने इसी प्रक्रिया की समीक्षा की जरूरत को रेखांकित किया है। सवाल यह है कि क्या खरीद से पहले बाजार की दरों की तुलना की गई थी, क्या अधिकारियों ने उत्पाद की विशेषताओं की जांच की थी और क्या अधिक कीमत पर खरीद के लिए पर्याप्त कारण दर्ज किए गए थे। खरीद के आंकड़ों में फिनॉलिक डिसइन्फेक्टेंट की कीमत का अंतर खास तौर पर सामने आया। आंकड़ों के मुताबिक, एक नगरीय निकाय में एक लीटर उत्पाद की कीमत 5 रुपये दर्ज हुई, जबकि दूसरी जगह इसी श्रेणी के उत्पाद के लिए 33,500 रुपये की दर सामने आई। पहली नजर में यह अंतर बेहद बड़ा दिखाई देता है।

कॉलेज में लाठी-डंडों और फावड़ा-कुदाल से भिड़े छात्र, 71 लोगों पर मुकदमा; चौकी प्रभारी समेत 14 पुलिसकर्मी लाइन हाजिर

रामलीला के पुराने विवाद में दो छात्र गुटों के बीच मारपीट, कई घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में एक कॉलेज परिसर में छात्रों के दो गुटों के बीच जमकर मारपीट हुई। लाठी-डंडों के साथ फावड़ा और कुदाल लेकर पहुंचे छात्रों के बीच हुए संघर्ष में कई लोग घायल हो गए। घटना का वीडियो भी सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित हो रहा है। मामला पदड़ा गांव स्थित शास्त्री स्मारक इंटर कॉलेज का है, जहां रामलीला के दौरान हुए पुराने विवाद को मारपीट की वजह बताया जा रहा है। पुलिस ने मामले में 71 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। वहीं, पुलिस की कथित लापरवाही सामने आने के बाद चौकी प्रभारी समेत टटीरी चौकी के 14 पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक, बागपत कोतवाली क्षेत्र के पदड़ा गांव स्थित शास्त्री स्मारक इंटर कॉलेज में छात्रों के दो गुटों के बीच पहले रामलीला के दौरान कहासुनी हुई थी। बताया जा रहा है कि उस समय गाली-गलौज को



लेकर शुरू हुआ विवाद बाद में रंजिश में बदल गया। आरोप है कि घटना वाले दिन तालिब गुट के कुछ छात्रों ने कॉलेज पहुंचने पर दूसरे पक्ष के मोहित और विकुल के साथ मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान कुछ लोगों के हाथों में फावड़ा और कुदाल जैसे औजार भी दिखाई दिए। देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच संघर्ष बढ़ गया और कॉलेज परिसर में अफरा-तफरी मच गई। मारपीट के दौरान दोनों पक्षों के बीच लाठी-डंडे चले। अचानक हुए इस घटनाक्रम से कॉलेज में मौजूद छात्र-छात्राओं में दहशत फैल गई। शोर-शराबे के बीच शिक्षकों ने बीच-बचाव करने की कोशिश की और छात्रों से लाठियां छीनने का प्रयास किया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। घटना में कई लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। मारपीट का वीडियो भी सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित हुआ, जिसके बाद मामला चर्चा में आ गया। हालांकि, घायलों की सही संख्या और उनकी स्थिति के संबंध में विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। घटना के बाद बागपत पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 71 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस अब मामले में शामिल लोगों की पहचान, उनकी भूमिका और विवाद की वजह की जांच कर रही है। मामला दो समुदायों के लोगों से जुड़ा होने के कारण पुलिस घटनाक्रम की जांच में सतर्कता बरत रही है। अधिकारियों की ओर से कानून-व्यवस्था बनाए रखने और दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने की बात कही गई है।चौकी प्रभारी सीमा चौहान और एक उपनिरीक्षक समेत कुल 14 पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया गया। इस कार्रवाई के बाद पुलिस विभाग में हलचल मच गई।

महाकाल मंदिर में आतंकी घुसने का अलर्ट! आधी रात को उतरे एनएसजी के ब्लैक कमांडो, अंधेरे में चलाया अभियान

काले कपड़ों और आधुनिक हथियारों से लैस कमांडो ने संभाला मोर्चा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर में आधी रात को उस समय हलचल मच गई, जब काले कपड़ों और आधुनिक हथियारों से लैस राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के कमांडो सुरक्षा अभ्यास के लिए पहुंचे। रात 12 बजे से 2 बजे के बीच चले इस अभ्यास में जवानों ने संदिग्ध को तलाशने, श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने और आपातकालीन स्थिति से निपटने का पूर्वाभ्यास किया। अचानक कमांडो की गतिविधियां देखकर कुछ देर के लिए लोग हैरान रह गए। हालांकि, यह वास्तविक आतंकी हमला नहीं, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था को परखने के लिए आयोजित अभ्यास था। जानकारी के मुताबिक, एनएसजी की मुंबई टीम ने महाकाल लोक स्थित नंदी द्वार से सुरक्षा अभ्यास शुरू किया। इसके बाद जवान मानसरोवर क्षेत्र तक पहुंचे। अभ्यास में स्थानीय पुलिस और मंदिर प्रशासन की टीमें भी शामिल रहीं। रात करीब साढ़े 12 बजे काले कपड़ों में आधुनिक हथियारों से लैस कमांडो नंदी द्वार के पास सक्रिय दिखाई दिए। जवानों ने संभावित खतरे से निपटने के लिए अलग-अलग रणनीतियों का अभ्यास किया। अभ्यास के दौरान एक समय क्षेत्र में अंधेरा हो गया।



इसके बावजूद कमांडो ने अपनी गतिविधियां जारी रखीं। जवानों ने आसपास की संरचनाओं की आड़ लेकर आगे बढ़ने और एक-दूसरे को सुरक्षा देते हुए लक्ष्य तक पहुंचने का अभ्यास किया। इस दौरान जवानों ने संदिग्ध की तलाश की और उसे निर्धारित स्थान से खोज निकाला। पूरा घटनाक्रम सुरक्षा अभ्यास का हिस्सा था।न मॉकड्रिल में केवल संदिग्ध को पकड़ने ही नहीं, बल्कि आपातकालीन स्थिति में श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने की प्रक्रिया का भी अभ्यास किया गया। अभ्यास के दौरान एक घायल श्रद्धालु को अस्पताल पहुंचाने का दृश्य भी शामिल था। संदिग्ध और श्रद्धालुओं की भूमिका निभाने वाले लोग अभ्यास का हिस्सा थे। इसका उद्देश्य संभावित खतरे की स्थिति में सुरक्षा बलों और स्थानीय प्रशासन के बीच समन्वय को परखना था। उज्जैन के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक शर्मा के मुताबिक, महाकाल मंदिर देश के प्रमुख धार्मिक स्थलों में शामिल है। यहां किसी भी आपातकालीन परिस्थिति से निपटने की तैयारी के तहत उन्नत सुरक्षा अभ्यास किया गया। उन्होंने बताया कि अभ्यास में 100 से अधिक एनएसजी कमांडो के साथ स्थानीय पुलिस और मंदिर प्रशासन के कर्मचारी भी शामिल हुए। महाकाल मंदिर परिसर में इससे पहले भी सुरक्षा संबंधी अभ्यास आयोजित किए जा चुके हैं। 26 सितंबर 2023 को भी मंदिर परिसर में आतंकी घटना जैसी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए बचाव अभियान का पूर्वाभ्यास किया गया था।

धार में हैरान करने वाली वारदात! पिता-पुत्र को कार के बोनट पर लटकाकर 4 किलोमीटर तक घसीटा

विरोध करने पर भड़का चालक; पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

धार। मध्य प्रदेश के धार जिले के कुक्षी में सड़क पर हुआ एक विवाद बेहद खतरनाक घटना में बदल गया। यहां एक कार चालक पर पिता-पुत्र को कार के बोनट पर लटकाकर करीब चार किलोमीटर तक घसीटने का आरोप लगा है। बताया जा रहा है कि घटना की शुरुआत उस समय हुई, जब तेज रफ्तार कार की टक्कर एक व्यक्ति के पैर में लग गई। इस पर उसने चालक का विरोध किया तो कहासुनी शुरू हो गई। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर चालक ने पहले व्यक्ति को थप्पड़ मारा और फिर उसके बेटे के मौके पर पहुंचने के बाद दोनों को कार से टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद पिता-पुत्र कार के बोनट पर लटक गए, लेकिन चालक ने वाहन नहीं रोका। आरोप है कि वह दोनों को काफी दूर तक घसीटता हुआ ले गया। घटना का वीडियो सामने आने के बाद मामला चर्चा में आ गया। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत के आधार पर आरोपी आशीष



चौहान को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल, मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, पूरा मामला धार जिले के कुक्षी क्षेत्र का है। यहां बाबूलाल नाम के व्यक्ति के पैर में एक कार की टक्कर लग गई थी। टक्कर लगने के बाद बाबूलाल ने चालक से विरोध जताया। आरोप है कि इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। बताया जा रहा है कि विवाद इतना बढ़ गया कि कार चालक ने गाड़ी से उतरकर बाबूलाल को थप्पड़ मार दिया। सड़क पर शुरू हुई इस कहासुनी के दौरान माहौल तनावपूर्ण हो गया। इसी बीच बाबूलाल का बेटा भरत भी मौके पर पहुंच गया। जानकारी के अनुसार, बाबूलाल के साथ हुए विवाद के दौरान उनका बेटा भरत भी वहां पहुंचा। भरत ने घटनाक्रम के बीच कार की तस्वीर खींचनी शुरू कर दी। आरोप है कि इससे चालक आशीष चौहान नाराज हो गया और विवाद ने और गंभीर रूप ले लिया। इसके बाद आरोपी ने पिता-पुत्र को कार से टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद दोनों कार के बोनट पर लटक गए। ऐसे हालात में चालक को वाहन रोककर उनकी मदद करनी चाहिए थी, लेकिन शिकायत में आरोप लगाया गया है कि उसने कार नहीं रोकी। इस घटना का सबसे गंभीर पहलू यह है कि पिता-पुत्र के कार के बोनट पर लटक जाने के बावजूद चालक वाहन चलाता रहा। आरोप है कि दोनों करीब चार किलोमीटर तक कार के बोनट पर लटके रहे और चालक उन्हें घसीटता हुआ ले गया। इस दौरान दोनों की जान खतरे में पड़ गई। चलती कार पर लटके रहने के कारण किसी भी समय गंभीर हादसा हो सकता था।

मोहन भागवत समेत देशभर के दिग्गज जुटेंगे; 3 दिन में तय होगी संघ की आगे की रणनीति

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की वार्षिक बैठक 2 से 4 नवंबर तक आयोजित होगी। तीन दिनों तक चलने वाली इस बैठक में संघ प्रमुख मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले समेत संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल होंगे। संघ के शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों के बाद हो रही इस बैठक में संगठन के कामकाज की समीक्षा, भविष्य की कार्ययोजना और देश के मौजूदा सामाजिक एवं राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। बैठक को लेकर इंदौर में तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसमें संघ के राष्ट्रीय नेतृत्व के साथ विभिन्न प्रांतों और क्षेत्रों के प्रमुख पदाधिकारी भी हिस्सा लेंगे। संगठन की आगामी गतिविधियों, सामाजिक संपर्क और वैचारिक कार्यों को मजबूत करने से जुड़े विषयों पर मंथन किया जा सकता है। इंदौर में होने वाली बैठक में संघ प्रमुख मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले के साथ सभी छह सह-सरकार्यवाह, अखिल भारतीय विभागों के प्रमुख और राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य शामिल होंगे। इसके अलावा सभी प्रांतों के प्रांत संघचालक, प्रांत कार्यवाह और प्रांत प्रचारक भी बैठक में मौजूद रहेंगे। संघ के 11 क्षेत्रों से क्षेत्र संघचालक, क्षेत्र कार्यवाह और क्षेत्र प्रचारकों की भागीदारी भी प्रस्तावित है। इस तरह बैठक में संगठन के राष्ट्रीय नेतृत्व से लेकर प्रांत और क्षेत्र स्तर तक के पदाधिकारी एक साथ बैठकर कामकाज की समीक्षा करेंगे। आरएसएस की यह बैठक संगठन के शताब्दी वर्ष के दौरान देशभर में आयोजित कार्यक्रमों के बाद हो रही है। विजयादशमी उत्सव के साथ कार्यक्रमों की एक प्रमुख श्रृंखला पूरी होने के बाद अब संगठन के कामकाज का आकलन किया जाएगा। बैठक में शताब्दी वर्ष के दौरान आयोजित कार्यक्रमों, सामाजिक संपर्क अभियानों और संगठन की पहुंच बढ़ाने के प्रयासों की समीक्षा हो सकती है। इसके साथ ही आने वाले वर्षों में संघ की गतिविधियों को किस दिशा में आगे बढ़ाया जाए, इस पर भी विचार-विमर्श होने की संभावना है। बैठक में संगठनात्मक विषयों के अलावा कई समसामयिक मुद्दों पर चर्चा हो सकती है। इनमें नए मीडिया मंचों का बढ़ता प्रभाव, डिजिटल माध्यमों से जुड़ी चुनौतियां और नशीले पदार्थों के सेवन को लेकर बढ़ती चिंताएं शामिल हैं। इसके अलावा भारत के आंतरिक मामलों में बाहरी हस्तक्षेप और बदलती वैश्विक परिस्थितियों पर भी विचार किया जा सकता है।

शिवपुरी के भदैयाकुंड पर हंगामा, पत्नी को बॉयफ्रेंड के साथ देख भड़का पति

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शिवपुरी। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के प्रसिद्ध और लोकप्रिय पर्यटन स्थल भदैयाकुंड पर एक महिला और उसके पति के बीच चल रहा पुराना पारिवारिक विवाद अचानक एक गंभीर और सनसनीखेज मारपीट की घटना में बदल गया. पूरी जानकारी के अनुसार पूजा नाम की महिला अपने एक अन्य पुरुष मित्र के साथ भदैयाकुंड घूमने के लिए गई हुई थी. इसी दौरान उसका पति गोविंद भी अचानक वहां आ गया. अपनी पत्नी को किसी अन्य युवक के साथ घूमते हुए देखकर पति का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया और उसने मौके पर ही जमकर हंगामा करना शुरू कर दिया. प्रत्यक्षदर्शियों और पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, गुस्से में आगबबूला हुए पति गोविंद ने तुरंत अपने चचेरे भाई को भी फोन करके मौके पर बुला लिया. इसके बाद दोनों भाइयों ने मिलकर पहले तो उस युवक के हाथ-पैर मजबूती से बांध दिए और फिर बेरहमी की सारी हदें पार करते हुए बेल्ट से अपनी पत्नी तथा उसके साथ मौजूद युवक की ताबड़तोड़ पिटाई शुरू कर दी. इस घटना के दौरान वहां पर्यटकों और स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई. इस सनसनीखेज मारपीट का किसी ने अपने मोबाइल से वीडियो भी बना लिया, जो सोशल मीडिया के अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर तेजी से वायरल हो रहा है. वायरल वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि कैसे दो लोग मिलकर एक युवक के पैर बांधकर उसे बेल्ट से पीट रहे हैं और बीच-बचाव करने पर महिला के साथ भी मारपीट की जा रही है. वीडियो सामने आते ही यह मामला पूरे इलाके में चर्चा का विषय बन गया. घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया और डायल एक सौ बारह की टीम तुरंत हरकत में आते हुए मौके पर पहुंची. पुलिस ने वहां पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और भीड़ को तितर-बितर किया. इसके बाद पुलिस महिला पूजा को अपने साथ थाने ले गई, जहां अधिकारियों ने उससे इस पूरी घटना को लेकर विस्तार से पूछताछ की. पीड़ित महिला पूजा की लिखित शिकायत के आधार पर पुलिस ने उसके पति गोविंद और अन्य नामजद आरोपी के खिलाफ संबंधित गंभीर धाराओं में आपराधिक मामला दर्ज कर लिया है. पुलिस के शुरुआती अधिकारियों ने इस मामले पर जानकारी देते हुए बताया कि पूजा और उसके पति गोविंद के बीच आपसी अनबन के कारण काफी समय से पारिवारिक विवाद चल रहा था, जिसके चलते पूजा पिछले कुछ दिनों से अपने मायके में ही रह रही थी. इसी रंजिश और भदैयाकुंड पर दूसरे युवक के साथ देखने के बाद यह विवाद अचानक इतना बढ़ गया कि मारपीट की नौबत आ गई. फिलहाल शिवपुरी के एडिशनल एसपी आरडी प्रजापति के मार्गदर्शन में स्थानीय पुलिस इस पूरे वायरल वीडियो और मामले की गहराई से जांच-पड़ताल कर रही है. इस बड़ी घटना के बाद से पूरे इलाके में सनसनी फैली हुई है और हर कोई पुलिस की अगली कानूनी कार्रवाई का इंतजार कर रहा है.



एमसीडी सदन में विकास निधि और प्रदूषण के मुद्दे पर जोरदार हंगामा



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। नगर निगम के सदन में विकास निधि और प्रदूषण जैसे गंभीर मुद्दों पर चर्चा के दौरान आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के पार्षद आपस में भिड़ गए. बैठक के दौरान स्थिति इतनी तनावपूर्ण हो गई कि तीखी बहस, धक्का-मुक्की और खींचतान के बाद मामला हाथापाई तक पहुंच गया. इस घटना की मुख्य बातें इस प्रकार हैं:विवाद की शुरुआतः सदन में विकास कार्यों के लिए मिलने वाले फंड और प्रदूषण के मुद्दों पर चर्चा चल रही थी. इसी दौरान कांग्रेस नेता नाजिया दानिश और आम आदमी पार्टी की पार्षद शगुफ्ता चौधरी के बीच तीखी बहस शुरू हो गई. सदन में हंगामा और हाथापाईः बहस बढ़ने पर विवाद ने उग्र रूप ले लिया. आरोप है कि कुछ पार्षद महापौर की कुर्सी और आसन के पास पहुंच गए, जहां माइक छीनने और उसे तोड़ने की कोशिश की गई. सदन के अंदर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और पानी व फाइलें फेंके जाने की बात भी सामने आई.महापौर को सुरक्षित निकालनाः बढ़ते हंगामे और सुरक्षा को देखते हुए मार्शलों की मदद से महापौर प्रवेश वाही को सुरक्षित बाहर निकाला गया.कार्रवाई और प्रतिक्रियाः भारी हंगामे और विरोध के बावजूद महापौर ने सदन का जरूरी एजेंडा पास कराया और बैठक को स्थगित कर दिया. इस घटना के बाद से राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है और अनुशासनहीनता के मामलों को लेकर अनुशासनात्मक कार्रवाई किए जाने के संकेत दिए गए हैं.

मतदाता सूची से करीब साढ़े सैंतालीस लाख नाम हटाए गए



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। की मतदाता सूची में एक बहुत बड़ा और महत्वपूर्ण बदलाव सामने आया है. विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (SIR) प्रक्रिया के तहत फॉर्म-6 के आवेदनों के निपटारे से जुड़े आंकड़ों में भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है. आंकड़ों में बड़ा बदलावः चुनाव आयोग के अधिकारियों के अनुसार, पहले आधिकारिक वेबसाइट पर 11 अक्टूबर तक केवल 1,238 आवेदनों का निपटारा दिखाया जा रहा था. तकनीकी खराबी में सुधार और डेटा अपडेट होने के बाद 20 अक्टूबर तक यह आंकड़ा बढ़कर लगभग 1.15 लाख हो गया है. प्राप्त आवेदनः 20 अक्टूबर तक पहली बार मतदाता बनने और नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म-6 के कुल 4,56,913 आवेदन प्राप्त हुए हैं. इनमें से 2,12,400 आवेदन 30 अगस्त तक मिले थे, जबकि 2,44,513 आवेदन 31 अगस्त से 20 अक्टूबर के बीच दर्ज किए गए. बड़े पैमाने पर कटे नामः पुनरीक्षण प्रक्रिया से पहले दिल्ली में लगभग 1.45 करोड़ पंजीकृत मतदाता थे. 31 अगस्त को जारी ड्राफ्ट मतदाता सूची में यह संख्या घटकर 97.53 लाख रह गई. जांच के दौरान लगभग 47.5 लाख नाम हटाए गए, जिनमें लगभग 43.3 लाख अनुपस्थित या दूसरी जगह जाने वाले, 2.82 लाख मृत और 1.41 लाख दोहरे नाम वाले मतदाता शामिल हैं. विधानसभा क्षेत्रों में सत्यापनः दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में सत्यापन का स्तर अलग-अलग रहा. ओखला में 54.6', आरके पुरम में 44.5' और कस्तूरबा नगर में 44' मतदाताओं का सत्यापन पूरा हुआ. निपटारे की समयसीमाः चुनाव अधिकारियों के सामने 33.12 लाख नोटिस मामलों का निपटारा मुख्य प्राथमिकता है. अधिकारियों के अनुसार 80' से अधिक मामलों का समाधान कर लिया गया है और सभी लंबित आवेदनों का निपटारा 30 नवंबर तक पूरा कर लिया जाएगा.

दिल्ली के बड़े हिस्से में 20 दिनों तक पानी की किल्लत, 50-60 लाख लोग होंगे प्रभावित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। के पूर्वी, उत्तर-पूर्वी, दक्षिण-पूर्वी, दक्षिणी और नई दिल्ली के कई महत्वपूर्ण तथा प्रमुख क्षेत्रों में रहने वाले लाखों नागरिकों को आने वाले लगभग बीस दिनों तक पीने के पानी की बेहद गंभीर किल्लत का सामना करना पड़ सकता है. इस पूरी अवधि के दौरान इन इलाकों में रहने वाली लगभग पचास से साठ लाख की विशाल आबादी



को स्वच्छ गंगाजल की जगह केवल यमुना के पानी पर ही निर्भर रहना होगा. इस जल संकट के पीछे का मुख्य कारण यह है कि पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश में अपर गंगा कैनाल की वार्षिक सफाई, मरम्मत और रखरखाव का कार्य आधिकारिक तौर पर शुरू कर दिया गया है. इसी वजह से दिल्ली को मिलने वाले गंगाजल की नियमित आपूर्ति को फिलहाल पूरी तरह से रोक दिया गया है. सामान्य दिनों में अपर गंगा कैनाल के माध्यम से दिल्ली के सोनिया विहार और भागीरथी जल शोधन संयंत्रों के लिए प्रतिदिन लगभग दो सौ चालीस से दो सौ पचास मिलियन गैलन गंगाजल प्राप्त होता है. सफाई का यह विशेष काम बीस अक्टूबर की रात से प्रारंभ हो चुका है और यह आठ नवंबर की रात तक लगातार जारी रहेगा. इस स्थिति का असर दिल्ली के दो सबसे बड़े जल शोधन संयंत्रों और उनसे जुड़े अनेक क्षेत्रों पर पड़ेगा. सोनिया विहार जल शोधन संयंत्र, जिसकी दैनिक क्षमता एक सौ चालिस मिलियन गैलन है, उसके प्रभावित होने से मयूर विहार, शकरपुर, लक्ष्मी नगर, पांडव नगर, कोंडली, त्रिलोकपुरी, न्यू अशोक नगर, सीलमपुर, वेलकम, जाफराबाद, दिलशाद गार्डन, शाहदरा, विवेक विहार, यमुना विहार, गोकलपुरी और करावल नगर के साथ-साथ दक्षिण और नई दिल्ली के वीवीआईपी इलाकों तक पानी की आपूर्ति बाधित रहेगी. वहीं दूसरी तरफ भागीरथी जल शोधन संयंत्र, जिसकी क्षमता एक सौ दस मिलियन गैलन है, उससे जुड़े गोकलपुर, भागीरथी विहार, दिलशाद गार्डन, सीलमपुर, भजनपुरा और मुस्तफाबाद जैसे कई बड़े आवासीय इलाकों में जल आपूर्ति पर गहरा असर पड़ेगा. गंगाजल की आवक रुकने के बाद जल बोर्ड और दिल्ली सरकार ने इस बड़ी समस्या का समाधान निकालने के प्रयास तेज कर दिए हैं. अपर गंगा कैनाल से गंगाजल मुरादनगर रेगुलेटर तक आता है, जहां से चौबीस किलोमीटर लंबी विशेष पाइपलाइन के जरिए इसे संयंत्रों तक पहुंचाया जाता है।

अमिताभ बच्चन और दिलजीत दोसांझ को जान से मारने की धमकीः मुंबई की मेयर को मिला ई-मेल, बंगले जलसा को बम से उड़ाने की चेतावनी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। की मेयर रितु तावड़े को मिले एक सनसनीखेज धमकी भरे ईमेल के बाद पूरी मुंबई पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर आ गई हैं. इस ईमेल में बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन के निवास स्थान और प्रसिद्ध पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ को निशाना बनाने की बात कही गई है. धमकी भरा ईमेल और मुख्य बिंदुःअमिताभ बच्चन का बंगला निशाने परः ईमेल में चेतावनी दी गई है कि इकतीस अक्टूबर से सत्ताईस नवंबर के बीच किसी भी समय अमिताभ बच्चन के जुहू स्थित प्रसिद्ध बंगले जलसा को बम से उड़ाया जा सकता है. संदेश में इस संभावित हमले को वर्ष 1984 के ऑपरेशन ब्लू स्टार के प्रतिशोध के रूप में दर्शाया गया है. दिलजीत दोसांझ पर आत्मघाती हमले की चेतावनीः इसी ईमेल में पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ को भी जान से मारने की सीधी धमकी दी गई है. ईमेल में लिखा गया है कि दिलजीत ने एक कार्यक्रम के दौरान अमिताभ बच्चन के चरण स्पर्श किए थे, इसलिए उन्हें निशाना बनाया जाएगा. इसमें सत्ताईस नवंबर को



महालक्ष्मी रेस कोर्स में आयोजित होने वाले संगीत कार्यक्रम के दौरान उन पर आत्मघाती हमला करने का दावा किया गया है. खालिस्तान समर्थक नारे और संगठन का नामः मेयर को प्राप्त इस ईमेल में खालिस्तान समर्थक नारों के साथ-साथ वर्ष 1984 के सिख-विरोधी दंगों का भी उल्लेख किया गया है. खुद को खालिस्तान नेशनल आर्मी बताने वाले एक समूह ने इस धमकी की



जिम्मेदारी लेने की बात कही है. सुरक्षा बलों की त्वरित कार्रवाई और जांचःईमेल मिलते ही मुंबई पुलिस, साइबर सेल, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड की टीमें तुरंत हरकत में आ गईं. पुलिस की टीमों ने बृहन्मुंबई महानगरपालिका मुख्यालय पहुंचकर मेयर और डिप्टी मेयर के कार्यालयों सहित विभिन्न कक्षों की गहन तलाशी ली. जांच के दौरान परिसर में कोई भी संदिग्ध वस्तु या सामग्री प्राप्त नहीं हुई है. इसके बावजूद एहतियात के तौर पर महालक्ष्मी रेस कोर्स, जुहू स्थित जलसा और शहर के कई प्रमुख स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था को अत्यधिक कड़ा कर दिया गया है. शहर में अन्य हालिया घटनाएं और पुलिस का रुखःस्कूलों में तनाव का माहौलः शुक्रवार की सुबह मुंबई के दादर स्थित लगभग चार प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों को भी इसी प्रकार के धमकी भरे ईमेल प्राप्त हुए थे. पुलिस द्वारा की गई तत्काल जांच में स्कूलों से कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला, हालांकि कुछ समय के लिए वहां डर का माहौल बन गया था. अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर गोलीबारी मामलाः यह नई धमकी ऐसे समय पर आई है जब बीते रविवार को मुंबई के जुहू इलाके में अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर दो पहिया सवार हमलावरों ने गोलीबारी की थी. उस घटना में अभिनेता पूरी तरह सुरक्षित रहे थे, जबकि उनका चालक और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गए थे. पुलिस और अपराध शाखा ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन राज्यों से कुल दस आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है.

त्रिपुरा के युवक पर नस्लभेदी टिप्पणी करने वाला आरोपी गिरफ्तार, दिल्ली पुलिस ने वीडियो वायरल होने के बाद की त्वरित कार्रवाई

सदर बाजार का घोषित बदमाश आमिर शौकीन गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। त्रिपुरा के एक निवासी के साथ दिल्ली में हुई नस्लभेदी टिप्पणी की बेहद संवेदनशील और गंभीर घटना के मामले में दिल्ली पुलिस ने त्वरित और कड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. सोशल मीडिया पर इस अमानवीय घटना का वीडियो तेजी से प्रसारित होने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया, जिसके बाद अधिकारियों ने मामले की गंभीरता को देखते हुए खुद संज्ञान लिया और आरोपी को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया. गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान दिल्ली के सदर बाजार इलाके के रहने वाले आमिर शौकीन के रूप में हुई है. पुलिस द्वारा दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार, पकड़ा गया आरोपी सदर बाजार थाने का एक घोषित अपराधी और असामाजिक तत्व है. उसका पुराना आपराधिक इतिहास रहा है और उसके खिलाफ पहले से ही मारपीट, गाली-गलौज और महिलाओं के साथ छेड़छाड़ जैसी विभिन्न गंभीर धाराओं में कई मामले दर्ज हैं. इस पूरे मामले में दिल्ली पुलिस के उत्तरी जिले की पुलिस



उपायुक्त निहारिका भट्ट ने बताया कि जैसे ही सोशल मीडिया के माध्यम से यह विवादित वीडियो उनके संज्ञान में आया, पुलिस ने बिना किसी देरी के तुरंत मामला दर्ज किया. सदर बाजार थाने में भारतीय न्याय संहिता की कई गंभीर धाराओं जैसे 192, 196, 352 और 353 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है. ये धाराएं समाज में दंगा भड़काने के इरादे से उकसाने, विभिन्न समूहों या समुदायों के बीच वैमनस्य और अफवाह फैलाने, शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करने और भ्रामक जानकारी प्रसारित करने से संबंधित हैं. मामले की तकनीकी जांच के लिए दिल्ली पुलिस की विशेष साइबर इकाई को जिम्मेदारी सौंपी गई है. जांच अधिकारियों के अनुसार, आरोपी ने विवाद बढ़ने के बाद अपने सोशल मीडिया खाते से संबंधित वीडियो को हटा दिया था. इसलिए पुलिस अब उस उपकरण और मोबाइल को जब्त करने का प्रयास कर रही है, जिससे यह वीडियो रिकॉर्ड किया गया था. यदि उपकरण से डेटा पूरी तरह मिटा दिया गया होगा, तो भी उसे फॉरेंसिक जांच केंद्र भेजकर मिटाए गए वीडियो को दोबारा पुनर्प्राप्त करने की पूरी कोशिश की जाएगी. मामला दर्ज होने और पुलिस की लगातार छापेमारी के बाद आरोपी आमिर शौकीन ने अपने सोशल मीडिया खाते से एक के बाद एक कई नए वीडियो जारी कर सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है. उसने अपनी सफाई में दावा किया है कि यह वीडियो उसने केवल हंसी-मजाक में बनाया था और किसी विशेष राज्य या समुदाय के लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाना उसका उद्देश्य नहीं था. उसने यह भी कहा कि उसे त्रिपुरा राज्य के बारे में कोई विशेष जानकारी नहीं थी और वह पीड़ित समुदाय के लोगों के बीच जाकर व्यक्तिगत रूप से क्षमा मांगने के लिए तैयार है. हालांकि, पुलिस का कहना है

महाराष्ट्र के बीड में शादी के नाम पर बड़ा फर्जीवाड़ा, फर्जी पहचान पत्र के जरिए नाबालिग लड़की की कराई गई थी शादी

शादी के दो दिन बाद दुल्हन ने खुद दी पुलिस को जानकारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बीड। महाराष्ट्र के बीड जिले के गेवराई इलाके में शादी के नाम पर की जाने वाली धोखाधड़ी और ठगी के एक बड़े रैकेट का सनसनीखेज मामला सामने आया है. दो लाख पचास हजार रुपये देकर रचाई गई शादी के महज अडतालीस घंटे के भीतर ही दुल्हन ने खुद इस पूरे गिरोह की पोल खोलकर रख दी. इसके साथ ही पुलिस जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि फर्जी पहचान पत्र के जरिए नाबालिग लड़की की उम्र बढ़ाकर बीस साल दिखाई गई थी. प्राप्त विवरण के अनुसार, गेवराई के रहने वाले एक युवक के परिवार वाले शादी के लिए रिश्ता तलाश रहे थे. इसके लिए उन्होंने जालना जिले के जाफराबाद में रहने वाले बिचौलियों से संपर्क किया. जून के महीने में युवक के पिता ने अपने बेटे की तस्वीर और जानकारी बिचौलियों के पास भेजी. इसके जवाब में बिचौलियों ने एक लड़की की तस्वीर भेजकर युवक के परिवार को जाफराबाद आने के



लिए कहा. अक्टूबर के पहले हफ्ते में युवक अपने माता-पिता के साथ लड़की देखने पहुंचा. वहां बातचीत के दौरान बिचौलियों ने रिश्ता पक्का कराने और शादी कराने के एवज में दो लाख पचास हजार रुपये की मांग रखी. बेटे के घर बसने की उम्मीद में परिवार वालों ने बिचौलियों की इस मांग को स्वीकार कर लिया. तय सौदे के अनुसार, अक्टूबर की पांच तारीख की शाम को दुल्हन पक्ष के लोग कार से गेवराई पहुंचे. परिवार वालों ने मांगी गई कुल रकम में से पचास हजार रुपये दो अलग-अलग मोबाइल नंबरों पर डिजिटल माध्यम से जमा कराए, जबकि बाकी बचे दो लाख रुपये नकद सौंप दिए. इसके बाद आनन-फानन में एक पुजारी को बुलाकर विवाह की सभी रस्में पूरी करा दी गईं. शादी संपन्न होते ही बिचौलिए पैसे लेकर वहां से चले गए और लड़की को दूल्हे के घर छोड़ दिया. विवाह के महज दो दिनों के भीतर ही नवविवाहिता अपने मायके वापस जाने की जिद करने लगी. जब ससुराल वालों ने उसे त्यौहार के समय घर पहुंचाने का आश्वासन दिया, तो लड़की ने घबराकर पूरी सच्चाई बता दी. उसने खुलासा किया कि यह विवाह वास्तव में एक सोचे-समझे ठगी के गिरोह का हिस्सा था, जिसका मुख्य उद्देश्य शादी का नाटक करके पैसे और सोने-चांदी के गहने हड़पना था. मामला पुलिस तक पहुंचने पर जब लड़की का बयान दर्ज किया गया, तो एक और गंभीर बात सामने आई. लड़की के पहचान पत्र में उसकी उम्र बीस वर्ष दर्ज थी, लेकिन पुलिस की छानबीन में पता चला कि वह वास्तव में नाबालिग है और फर्जी कागजात बनाकर उसकी उम्र गलत दिखाई गई थी।

वर्धा में महिला डॉक्टर पर हमलाः पुलिस सुरक्षा के बीच आदतन अपराधी कादिर अली रज्जाक ने जड़ा थप्पड़

ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर श्रद्धा भुमरे पर अपराधी ने किया हमला

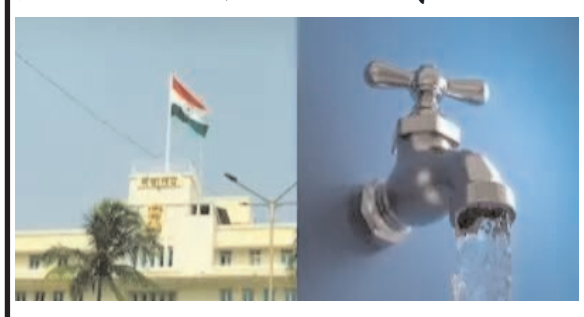
महानगर मेट्रो ब्यूरो

वर्धा। महाराष्ट्र के वर्धा जिले से एक बेहद हैरान करने वाली और गंभीर घटना सामने आई है, जिसने अस्पतालों में डॉक्टरों की सुरक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर से बहुत बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं. वर्धा जिले के तलेगांव श्यामजी पंत स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में ड्यूटी पर तैनात एक महिला चिकित्सा अधिकारी पर एक आदतन अपराधी ने बेरहमी से थप्पड़ जड़ दिया. यह चौंकाने वाली घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में पूरी तरह कैद हो गई है, जिसका फुटेज अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. प्राप्त विवरण के अनुसार, आरोपी कादिर अली रज्जाक एक स्थानीय आदतन अपराधी है, जिसके खिलाफ पहले से ही कई आपराधिक मामले दर्ज हैं. अदालत में पेश करने से पहले कानूनी प्रक्रिया के तहत अनिवार्य चिकित्सीय जांच कराने के लिए पांच पुलिसकर्मी इस आरोपी को तलेगांव प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर आए थे. ड्यूटी पर मौजूद महिला चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर श्रद्धा भुमरे को इस आरोपी की मेडिकल जांच करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी. डॉक्टर भुमरे



ने पूरी पेशेवर ईमानदारी के साथ अपनी जरूरी मेडिकल प्रक्रिया को पूरा किया. इसके बाद जब डॉक्टर ने आरोपी को आवश्यक कागजात पर हस्ताक्षर करने के लिए कहा, तो वह अचानक गुस्से में आ गया और बिना किसी उकसावे के ड्यूटी पर तैनात महिला डॉक्टर को एक जोरदार थप्पड़ जड़ दिया. इस अचानक हुए हमले से अस्पताल परिसर में हड़कंप मच गया. वहां मौजूद अन्य मरीज, तीमारदार और अस्पताल के अन्य कर्मचारी बुरी तरह सहम गए और सदमे में आ गए. आश्चर्य की बात यह है कि आरोपी के साथ पांच पुलिसकर्मी भी वहां मौजूद थे, जो इस अचानक हुए हमले से कुछ पलों के लिए हैरान रह गए. हालांकि, घटना के तुरंत बाद सतर्क हुए पुलिसकर्मियों ने आरोपी को तत्परता से काबू में कर लिया और स्थिति को संभाला. इस गंभीर घटना के बाद आरोपी के खिलाफ सरकारी कर्मचारी पर हमला करने, ड्यूटी में बाधा डालने और अन्य सुसंगत धाराओं के तहत एक नया आपराधिक मामला दर्ज कर लिया गया है. इस शर्मनाक घटना के सामने आने के बाद वर्धा जिले के तमाम डॉक्टरों, चिकित्सा अधिकारियों और विभिन्न मेडिकल एसोसिएशन में भारी नाराजगी और रोष व्याप्त है. डॉक्टरों ने कड़े शब्दों में इस घटना की निंदा करते हुए आरोपी के खिलाफ सबसे सख्त कानूनी कार्रवाई करने और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जैसे ग्रामीण चिकित्सा संस्थानों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने की पुरजोर मांग की है. चिकित्सा कर्मियों के साथ दुर्व्यवहार की यह पहली घटना नहीं है. इससे पहले बीते महीने पालघर जिले में भी ऐसा ही एक मामला सामने आया था, जब दही हांडी उत्सव के दौरान मानव पिरामिड बनाने में घायल हुए कुछ लोगों को अस्पताल लाया गया था और वहां डॉक्टरों व स्वास्थ्यकर्मियों के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार किया गया था।

प्रशासन ने अब हर 15 दिन में टंकियों की सफाई का लिया फैसला



महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। सरकार के मुख्य प्रशासनिक मुख्यालय 'मंत्रालय' से एक गंभीर और चौंकाने वाली खबर सामने आई है, जहाँ दूषित पानी की आपूर्ति की वजह से अधिकारियों और कर्मचारियों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ा है. कर्मचारियों द्वारा पेट दर्द, उल्टी, दस्त और बुखार जैसी स्वास्थ्य समस्याओं की लगातार शिकायतें किए जाने के बाद प्रशासन में हड़कंप मच गया है. इस मुद्दे की गंभीरता को देखते हुए अब टंकियों की नियमित सफाई और जल गुणवत्ता की कड़ी निगरानी के नए निर्देश जारी किए गए हैं. हर 15 दिनों में होगी टंकियों की सफाईः दूषित जल आपूर्ति की शिकायतों का संज्ञान लेते हुए सार्वजनिक निर्माण विभाग ने निर्णय लिया है कि अब मंत्रालय परिसर में स्थित पानी की सभी बड़ी टंकियों की प्रत्येक 15 दिनों में गहन सफाई की जाएगी. जांच रिपोर्ट सीधे संदेश ऐप परः पानी की स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से जल के नमूनों की प्रयोगशाला में जांच की जाएगी. सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस जांच की आधिकारिक रिपोर्ट कर्मचारियों के आधिकारिक संदेश समूह (व्हाट्सऐप ग्रुप) पर साझा की जाएगी, ताकि व्यवस्था में पूर्ण पारदर्शिता बनी रहे. अधिकारियों और कर्मचारियों की स्वास्थ्य समस्याएंः इसी वर्ष जुलाई महीने के दौरान कर्मचारियों ने आरोप लगाया था कि लगातार कई दिनों तक बदबूदार और दूषित पानी की आपूर्ति हुई. इस वजह से बड़ी संख्या में अधिकारी और कर्मचारी बीमार पड़ गए, जिससे मंत्रालय के भीतर स्थित डिस्पेंसरी में मरीजों की कतारें लग गई थीं. यह पहली बार नहीं है जब राज्य के इतने बड़े प्रशासनिक केंद्र में पानी को लेकर सवाल उठे हैं. इससे पहले वर्ष 2019 में भी दूषित पानी के कारण कई कर्मचारी गंभीर रूप से बीमार हो चुके थे. सार्वजनिक निर्माण विभाग के उप अभियंता सचिन कांबले के अनुसार, अब सफाई की प्रक्रिया को कड़ा कर दिया गया है ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा उत्पन्न न हो. उल्लेखनीय है कि मुंबई के अत्यधिक संभ्रांत इलाके में स्थित इस मंत्रालय भवन में राज्य के मुख्यमंत्री, सभी कैबिनेट मंत्रियों और वरिष्ठ नौकरशाहों के मुख्य कार्यालय मौजूद हैं।

कार चालक ने की युवक की निर्मम हत्या, आक्रोशित परिजनों ने शव लेने से किया इनकार



महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। के छत्रपति संभाजीनगर से एक बेहद दहला देने वाली और खौफनाक घटना सामने आई है, जहाँ मामूली सी सड़क दुर्घटना के विवाद में एक कार सवार ने दिनदहाड़े बीच सड़क पर स्कूटी सवार युवक की बेरहमी से हत्या कर दी. इस सनसनीखेज वारदात के बाद से पूरे इलाके में भारी तनाव और आक्रोश का माहौल बना हुआ है. प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह दर्दनाक घटना छत्रपति संभाजीनगर शहर के सिडको इलाके में बलीराम पाटिल हाईस्कूल के पास हुई. मृतक की पहचान बंटी दीक्षित के रूप में की गई है. बताया जा रहा है कि सड़क पर पहले एक मामूली हादसा हुआ था, जिसमें एक कार चालक ने बंटी दीक्षित की स्कूटी को टक्कर मार दी. इसी मामूली बात को लेकर दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया. विवाद इतना बढ़ गया कि कार सवार शख्स ने गुस्से में आकर बीच सड़क पर ही बंटी दीक्षित पर घातक हमला कर दिया और उसकी निर्मम हत्या कर दी. दिनदहाड़े व्यस्त सड़क पर हुई इस वीभत्स घटना से पूरे शहर में सनसनी फैल गई है. वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी अपनी कार समेत मौके से फरार हो गया. इस भीषण हत्याकांड का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें आरोपी बंटी दीक्षित पर हमला करता हुआ और उसके बाद अपनी कार लेकर घटनास्थल से भागता हुआ साफ नजर आ रहा है. इस घटना का वीडियो बेहद भयानक और झकझोर देने वाला है, जिसे देखकर नागरिकों में भारी गुस्सा देखने को मिल रहा है. दिनदहाड़े सरेआम हुई इस हत्या ने कानून-व्यवस्था की स्थिति पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंच गई और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया. इस बीच, अस्पताल और घटनास्थल पर पहुंचे मृतक के परिजनों और स्थानीय लोगों ने गहरा रोष व्यक्त किया है. परिजनों ने साफ तौर पर कह दिया है कि जब तक मुख्य आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया जाता, तब तक वे मृतक का शव नहीं लेंगे. इस विरोध प्रदर्शन के कारण घटनास्थल के आसपास भारी ट्रैफिक जाम की स्थिति भी पैदा हो गई थी. पुलिस ने इस मामले में हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है और सीसीटीवी फुटेज तथा कार के नंबर के आधार पर फरार आरोपी की तलाश के लिए विशेष टीमों का गठन किया है. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा और इस बात की भी जांच की जा रही है कि यह हत्या सिर्फ सड़क हादसे के गुस्से में हुई या इसके पीछे कोई पुरानी रंजिश जुड़ी हुई थी।

वेलस्पन कॉर्प को मिला 5,500 करोड़ की पाइप आपूर्ति का ठेका

नई दिल्ली ।

वेलस्पन कॉर्प को अमेरिका में प्राकृतिक गैस पाइपलाइन परियोजना के लिए कोटेड लाइन पाइप की आपूर्ति करने का करीब 5,500 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि इस ठेके के साथ उसकी वैश्विक ऑर्डर बुक बढ़कर करीब 5.25 अरब अमेरिकी डॉलर (50,000 करोड़ रुपये) के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई है। इसमें कहा गया कि वेलस्पन कॉर्प की अमेरिकी अनुषंगी कंपनी वेलस्पन ट्यूबलर एलएलसी को पर्मियन प्राकृतिक गैस पाइपलाइन परियोजना के लिए कोटेड लाइन पाइप की आपूर्ति करने के वास्ते एक प्रमुख मिडस्ट्रीम (परिवहन एवं भंडारण) कंपनी से करीब 5,500 करोड़ रुपये का ठेका मिला है।

इंडसइंड सिक्योरिटीज ने राजीव श्रीवास्तव को एमडी एवं सीईओ किया नियुक्त

नई दिल्ली ।

इंडसइंड कैपिटल की अनुषंगी कंपनी और इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स लिमिटेड (आईआईएचएल) का हिस्सा इंडसइंड सिक्योरिटीज ने राजीव आर. श्रीवास्तव को अपना प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त करने की शुक्रवार को घोषणा की। कंपनी पहले रिलायंस सिक्योरिटीज लिमिटेड के नाम से जानी जाती थी। इंडसइंड सिक्योरिटीज ने बयान में कहा कि यह नियुक्ति ब्रोकिंग कंपनी के लिए नए सिरे से वृद्धि की रणनीति की शुरुआत है। कंपनी का लक्ष्य देश में तेजी से बढ़ते निवेशक आधार के लिए आधुनिक और प्रौद्योगिकी आधारित निवेश मंच बनना है। कंपनी ने कहा कि श्रीवास्तव को बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और पूंजी बाजारों में करीब 25 साल का अनुभव है। उन्होंने बाजार के कई उतार-चढ़ाव के दौरान ब्रोकिंग कारोबार का नेतृत्व किया है। इंडसइंड सिक्योरिटीज से जुड़ने से पहले वह स्टैंडर्ड चार्टर्ड सिक्योरिटीज के एमडी एवं सीईओ थे। बयान के अनुसार, इंडसइंड सिक्योरिटीज में वह कंपनी की वृद्धि के अगले चरण का नेतृत्व करेंगे। उन्हें कारोबार को फिर से गति देने और भारत के बदलते निवेश परिदृश्य में इसे अग्रणी स्थान पर पहुंचाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

बोनफिग्लियोली ट्रांसमिशंस के शेयर की बाजार में सपाट शुरुआत



मुंबई ।

बोन्फिग्लियोली ट्रांसमिशंस लिमिटेड के शेयर शुक्रवार को शेयर बाजारों में सूचीबद्ध हुए। अपने 586 रुपये के निर्गम मूल्य पर सपाट शुरुआत करने के बाद कंपनी के शेयरों में निवेशकों की अच्छी प्रतिक्रिया देखने को मिली और बाद में वे 3.58 प्रतिशत की बढ़त के साथ 607 रुपये पर पहुंच गए। बीएसई और एनएसई दोनों पर कंपनी के शेयर 586 रुपये के निर्गम मूल्य पर कारोबार शुरू किया। हालांकि, कारोबार के दौरान इनमें तेजी आई और यह 607 रुपये पर पहुंच गया। लिस्टिंग के बाद, कंपनी का बाजार पूंजीकरण एनएसई पर 10,917.86 करोड़ रुपये और बीएसई पर 10,775.92 करोड़ रुपये रहा। बोन्फिग्लियोली ट्रांसमिशंस के 2,533.80 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को सोमवार को बोली के अंतिम दिन 46.06 गुना अभिदान मिला था। निर्गम का मूल्य दायरा 558-586 रुपये प्रति शेयर था। यह आईपीओ पूरी तरह बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित था, जिससे कंपनी को कोई राशि नहीं मिलेगी। यह इटली की बोन्फिग्लियोली एस.पी.ए. की भारतीय अनुषंगी है, जो गियरबॉक्स और ड्राइव सिस्टम जैसे यांत्रिक तथा इलेक्ट्रो-मेकेनिकल पावर ट्रांसमिशन उत्पादों का विनिर्माण करती है।

शेयर बाजार की मजबूती के साथ शुरुआत

सेंसेक्स में 500 अंकों की रैली, निफ्टी 22,700 के पार; बाजार का हाल

मुंबई ।



भारतीय इक्विटी बाजार में शुक्रवार की सुबह कारोबार की शुरुआत होते ही शानदार तेजी दर्ज की गई। ओपनिंग बेल के साथ ही घरेलू शेयर बाजार में जोरदार खरीदारी देखने को मिली, जिसके चलते बीएसई सेंसेक्स में 500 अंकों तक की रैली दर्ज की गई और एनएसई निफ्टी 22,700 का महत्वपूर्ण स्तर पार करने में कामयाब रहा। बाजार के इस सकारात्मक रुझान को मुख्य रूप से टेक्नोलॉजी क्षेत्र का मजबूत समर्थन मिला, जहां टेक इंडेक्स में 3 प्रतिशत तक का उछाल आया। कारोबारी सत्र की शुरुआत के बाद उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, दोनों मुख्य बेंचमार्क सूचकांक हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। बीएसई सेंसेक्स 273.43 अंक की बढ़त के साथ 73,522.82 के स्तर पर ट्रेड कर रहा था। शुरुआती सत्र के दौरान इसमें 500 अंकों तक का उछाल देखा गया। एनएसई का 50 शेयरों वाला निफ्टी इंडेक्स 16.25 अंक यानी 0.07 प्रतिशत की बढ़त लेकर 22,703.90 के स्तर पर पहुंच गया। निफ्टी ने कारोबार की शुरुआत में ही 22,700 के स्तर को पार कर लिया। इस शुरुआती रैली में किस सेक्टर ने सबसे मजबूत भूमिका निभाई?शुक्रवार को ओपनिंग बेल के बाद बाजार को सबसे बड़ा सहारा टेक्नोलॉजी सेक्टर से मिला।

आईटी और टेक शेयरों में आई तेजी के कारण टेक इंडेक्स 3 प्रतिशत तक उछल गया।

रुपया तीन पैसे चढ़कर 94.78 प्रति डॉलर पर खुला

रुपया गुरुवार को 94.81 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था

मुंबई ।



रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार करता हुआ तीन पैसे चढ़कर 94.78 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और विदेशी पूंजी की निकासी से घरेलू मुद्रा की बढ़त सीमित रही। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि वैश्विक स्तर पर डॉलर की मजबूती और ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों के 113 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बने रहने सहित लगातार बनी व्यापक आर्थिक चुनौतियों के कारण रुपये पर दबाव है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.78 प्रति डॉलर पर खुला जो पिछले बंद भाव के मुकाबले तीन पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया गुरुवार को 94.81 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 प्रतिशत की बढ़त के साथ 101.64 पर आ गया।

ड्राइविंग लाइसेंस अब और मुश्किल, पासिंग मार्क्स बढ़े

ऑनलाइन परीक्षा में अब 75 फीसदी अंक अनिवार्य

नई दिल्ली ।

ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करना अब और चुनौतीपूर्ण होने वाला है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने सुरक्षित ड्राइविंग सुनिश्चित करने के लिए ऑनलाइन परीक्षा में उत्तीर्ण होने हेतु न्यूनतम अंक 60 फीसदी से बढ़ाकर 75 फीसदी करने का प्रस्ताव किया है। इसके साथ ही, कई प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाने और कुछ सेवाओं को निशुल्क करने की भी तैयारी है, जिससे आवेदकों को सुविधा मिलेगी। मंत्रालय द्वारा जारी मसौदे के अनुसार सुरक्षित ड्राइविंग हेतु न्यूनतम 30 मिनट का एक अनिवार्य ऑनलाइन पाठ्यक्रम भी पास करना होगा। इन बदलावों का उद्देश्य सड़क सुरक्षा में सुधार लाना है।

अच्छी खबर यह है कि आधार से सत्यापित कुछ चुनिंदा ऑनलाइन लाइसेंस सेवाओं के लिए शुल्क में छूट देने का भी प्रस्ताव है। साथ ही, लाइसेंस में नाम और पते में बदलाव के लिए अब कोई शुल्क नहीं लगेगा। लाइसेंस विवरण में बदलाव के आवेदनों पर 15 दिन के भीतर निर्णय लेना अनिवार्य होगा, और अस्वीकृति की स्थिति में कारण भी बताने होंगे। पहचान, आयु और निवास के प्रमाण के रूप में आधार, पासपोर्ट, मतदाता पहचान पत्र, ई-राशन कार्ड और जन्म प्रमाणपत्र जैसे दस्तावेज स्वीकार किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, सभी नए और नवीनीकृत होने वाले ड्राइविंग लाइसेंस अब फॉर्म-7 के तहत लैमिनेटेड या पीवीसी कार्ड के रूप में जारी किए जाएंगे। मंत्रालय ने इन मसौदा नियमों पर संबंधित पक्षों से 30 दिन के भीतर आपत्तियां और सुझाव आमंत्रित किए हैं।

एआई ने बैंकिंग में दी दस्तक, बार्कलेज 5000 नौकरियों की करेगा कटौती

- ब्रिटिश बैंक ने लागत घटाने और दक्षता बढ़ाने के लिए उठाया कदम

नई दिल्ली ।



कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का दोहरा प्रभाव अब स्पष्ट रूप से सामने आ रहा है- जहां एक ओर यह उत्पादकता बढ़ाता है, वहीं दूसरी ओर यह रोजगार पर तलवार बनकर लटक रहा है। आईटी क्षेत्र के बाद अब बैंकिंग सेक्टर भी इसकी चपेट में आ गया है। हाल ही में, ब्रिटेन के प्रमुख बैंक बार्कलेज ने घोषणा की है कि वह 5,000 कर्मचारियों की छंटनी करेगा, जो उसके कुल कार्यबल का लगभग 5 फीसदी है। एक रिपोर्ट के अनुसार, बार्कलेज का लक्ष्य एआई के उपयोग से अपनी निश्चित लागतों को कम करना और लाभप्रदता में सुधार करना है। घोषित 5,000 नौकरियों की कटौती में से, लगभग 1,000 पद पहले ही समाप्त किए जा चुके हैं, जबकि शेष कर्मचारियों को साल 2026 के अंत तक बाहर किया जा सकता है। यह छंटनी ऐसे समय में हो रही है जब बैंक ने अपनी तीसरी तिमाही में 2.3 अरब पाउंड (लगभग 29,193 करोड़ रुपये) का प्रभावशाली मुनाफा दर्ज किया है। हालांकि, यह पिछले साल की तुलना में बेहतर था, विशेषज्ञों का अनुमान था कि मुनाफा और अधिक हो सकता था, जिसका मुख्य कारण बैंक के फिक्स्ड-इनकम ट्रेडिंग कारोबार का कमजोर प्रदर्शन रहा। इस छंटनी और कमजोर ट्रेडिंग प्रदर्शन को लेकर बार्कलेज के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने निराशा व्यक्त की है। उन्होंने फिक्स्ड-इनकम ट्रेडिंग को बैंक की पारंपरिक ताकतों में से एक बताते हुए कहा कि इस पर उनका पूरा ध्यान रहेगा। इस खबर का असर बैंक के शेयर बाजार प्रदर्शन पर भी दिखा है। इस साल बार्कलेज के शेयरों में 14 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है, जो पिछले कई सालों की तेजी के बाद आया है। ऊंची ब्याज दरों से बढ़े मुनाफे के बावजूद, एआई आधारित लागत कटौती की रणनीति और कुछ क्षेत्रों में कमजोर प्रदर्शन ने निवेशकों की चिंताओं को बढ़ा दिया है। यह घटना दर्शाती है कि एआई का प्रभाव अब केवल तकनीक तक सीमित नहीं है, बल्कि यह रोजगार के परिदृश्य को व्यापक रूप से बदल रहा है।

जियो प्लेटफॉर्म्स आईपीओ ने रचा नया इतिहास

1 करोड़ आवेदनों का आंकड़ा पार करने वाला बना दुनिया का पहला आईपीओ

नई दिल्ली ।

भारतीय पूंजी बाजार के इतिहास में जियो प्लेटफॉर्म्स के प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम यानी आईपीओ ने एक नया और अभूतपूर्व विश्व कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। जियो प्लेटफॉर्म्स का आईपीओ 1 करोड़ से अधिक आवेदन प्राप्त करने वाला दुनिया का पहला आईपीओ बन गया है। इस निर्गम के अंतिम दिन बोली प्रक्रिया का समय समाप्त होने से पहले ही निवेशकों की रिकॉर्डतोड़ और अभूतपूर्व भागीदारी दर्ज की गई। निवेशकों का यह ऐतिहासिक उत्साह रिलायंस इंडस्ट्रीज के संस्थापक स्वर्गीय धीरूभाई अंबानी की दूरदर्शी विरासत और चेयरमैन मुकेश अंबानी के उस दृष्टिकोण को आगे बढ़ाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य देश के करोड़ों आम नागरिकों के लिए धन सृजन की प्रक्रिया को सुलभ बनाना और भारतीय निवेशकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है।

जियो प्लेटफॉर्म्स के आईपीओ में खुदरा, गैर-संस्थागत और योग्य संस्थागत निवेशकों ने जबरदस्त रुचि दिखाई है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के साथ जियो प्लेटफॉर्म्स ने वारी एनर्जीज के लगभग 97 लाख आवेदनों के पिछले वैश्विक रिकॉर्ड को काफी पीछे छोड़ दिया है। इसके अलावा, इसने भारत के अन्य सबसे बड़े आईपीओ जैसे बजाज हाउसिंग फाइनेंस और बीसीसीएल को भी पछाड़ दिया है, जिन्हें पहले लगभग 90-90 लाख आवेदन प्राप्त हुए थे।

ईपीएम के तहत एमएसएमई के महंगे प्रमाणन का खर्च उठाएगी सरकार गोयल

बर्लिन ।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि सरकार निर्यात संवर्धन मिशन (ईपीएम) के तहत सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसएमई) के महंगे प्रमाणन का पूरा खर्च उठाने को तैयार है। उन्होंने मौजूदा और नए निर्यातकों से वैश्विक बाजारों तक पहुंच बनाने में सहायता के लिए विदेश व्यापार महानिदेशालय से संपर्क करने का आग्रह किया। पिछले साल नवंबर में 25,060 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ मंजूर किए गए इस छह वर्षीय मिशन का उद्देश्य भारतीय निर्यात को बढ़ावा देना है।

मंत्री ने स्पष्ट किया कि दुनिया में कहीं भी निर्यात करने की इच्छा रखने वाले हर व्यक्ति की सरकार मदद करेगी। एमएसएमई के लिए प्रमाणन का पूरा खर्च सरकार वहन करेगी, जबकि अन्य महंगी प्रक्रियाओं का खर्च भी उठाने को तैयार है। गोयल ने विशेष रूप से बताया कि यूरोपीय संघ के कार्बन सीमा समायोजन तंत्र और वनोन्मूलन विनियमन जैसे कड़े नियमों का अनुपालन करने की लागत एमएसएमई के लिए सरकार उठाएगी। अन्य व्यवसायों को उनकी श्रेणी के अनुसार सहायता मिलेगी।

जियो आईपीओ ने शेयर बाजार में नया रिकॉर्ड बनाया

1 करोड़ से ज्यादा आवेदन हासिल करने वाला भारत के इतिहास का पहला आईपीओ बना

मुंबई ।

जियो प्लेटफॉर्म्स के आईपीओ ने भारतीय शेयर बाजार में नया रिकॉर्ड बना दिया है। कंपनी का आईपीओ 1 करोड़ से ज्यादा आवेदन हासिल करने वाला भारत के इतिहास का पहला आईपीओ बन गया है। शुक्रवार को बोली के तीसरे और आखिरी दिन दोपहर 12 बजे तक इस आईपीओ को कुल 1,00,15,118 आवेदन मिल चुके थे। 30,213 करोड़ रुपए के इस इश्यू को अब तक 6.89 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। इससे पहले सबसे ज्यादा आवेदन पाने का रिकॉर्ड वारी एनर्जीज के नाम था। अक्टूबर 2024 में आए उसके आईपीओ को करीब 97.3 लाख आवेदन मिले थे। जियो प्लेटफॉर्म्स ने इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। जियो के आईपीओ को निवेशकों की विभिन्न श्रेणियों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। दोपहर 12 बजे तक क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) का हिस्सा 14.38 गुना सब्सक्राइब हुआ। वहीं, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स की श्रेणी में 9.38 गुना और रिटेल निवेशकों की श्रेणी में 2.07 गुना सब्सक्रिप्शन दर्ज किया गया। कर्मचारियों के लिए आरक्षित हिस्सा 2.48 गुना सब्सक्राइब हुआ, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज के पात्र शेयरधारकों के लिए आरक्षित हिस्से को 5.68 गुना सब्सक्रिप्शन मिला।

इंडियन बैंक की स्पेशल एफडी पर मिलेगा शानदार रिटर्न, जानिए नई दरें

555 और 777 दिन की इंड ग्रो व इंड प्रॉस्पर स्कीमों पर 0.15 फीसदी की बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन बैंक ने अपनी दो विशेष एफडी योजनाओं पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी की घोषणा की है। यह वृद्धि 0.15 प्रतिशत की है, जो 23 अक्टूबर से प्रभावी होगी, जिससे निवेशकों को अब इन आकर्षक स्कीमों पर बेहतर रिटर्न मिलेगा। इंडियन बैंक ने अपनी दो लोकप्रिय स्पेशल एफडी स्कीमों- इंड ग्रो और इंड प्रॉस्पर- पर ब्याज दरों में 15 बेसिस पॉइंट (0.15 फीसदी) की वृद्धि की है। यह बढ़ोतरी 23 अक्टूबर से लागू हो गई है।

बैंक ने हालांकि, अपनी सभी एफडी की ब्याज दरों में बदलाव नहीं किया है, बल्कि यह लाभ विशेष रूप से इन दो चुनिंदा योजनाओं पर केंद्रित है। इस बदलाव के बाद 555 दिन की इंड ग्रो स्कीम पर मिलने वाली पुरानी 6.65 फीसदी की ब्याज दर अब बढ़कर 6.80त हो गई है। इसी तरह, 777 दिन की इंड प्रॉस्पर स्कीम पर पहले मिल रही 6.60त की ब्याज दर अब 6.75 फीसदी हो गई है। यह उन ग्राहकों के लिए एक आकर्षक अवसर है जो मध्यम अवधि के लिए सुरक्षित और बेहतर रिटर्न देने वाले निवेश की तलाश में हैं। ब्याज दर में 0.15 प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी का सीधा मतलब है कि अगर आप इन स्कीमों में 1 लाख रुपये जमा करते हैं, तो सालाना आधार पर आपको लगभग 150 रुपये का अतिरिक्त ब्याज मिल सकता है। हालांकि, निवेशकों को यह ध्यान रखना चाहिए कि वास्तविक रिटर्न एफडी की अवधि, ब्याज के चक्रवृद्धि (कंपाउंडिंग) और बैंक के नियमों पर निर्भर करेगा। इसलिए, एफडी कराने से पहले मैच्योरिटी पर मिलने वाली कुल रकम की जानकारी अवश्य लेनी चाहिए।

इंडियन बैंक का यह कदम भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अक्टूबर की मौद्रिक नीति समीक्षा में रेपो रेट में 0.25 प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी के बाद आया है।

अहमदाबाद में सीएनजी महंगी, अडानी गैस ने 4.45 रुपए बढ़ाई कीमत

नई कीमत 98.47 रुपए प्रति किलो, ऑटो-रिक्शा चालक नाराज

नई दिल्ली ।

दीवाली से ठीक पहले अहमदाबाद के लाखों ड्राइवरों और आम जनता को महंगाई का एक और बड़ा झटका लगा है। अडानी गैस ने कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) की कीमत में 4.45 रुपये प्रति किलोग्राम की अचानक बढ़ोतरी कर दी है। इस वृद्धि के बाद अहमदाबाद में अडानी सीएनजी की नई कीमत बढ़कर 98.47 रुपये प्रति किलो हो गई है, जिससे त्योहारों के इस मौसम में लोगों का बजट बुरी तरह प्रभावित हुआ है। अहमदाबाद में दीवाली जैसे बड़े त्योहार से ठीक पहले अडानी गैस द्वारा सीएनजी की कीमतों में की गई यह वृद्धि रिक्शा चालकों और रोज की कमाई पर निर्भर रहने वाले वाहन चालकों की जेब पर सीधा असर डालेगी। त्योहारों के दिनों में खरीदारी और घूमने-फिरने की योजना बना रहे आम लोगों को भी अब अपनी जेब और ढीली करनी पड़ेगी।

यह इस साल की दूसरी बड़ी बढ़ोतरी है। इससे पहले अगस्त 2023 में भी कंपनी ने सीएनजी की कीमत में 4 रुपये प्रति किलो की वृद्धि की थी, जिससे उस समय दाम 94.20 रुपये तक पहुंच गए थे। लगातार बढ़ती कीमतों से खासकर ऑटो-रिक्शा चालकों में भारी नाराजगी और गुस्सा देखा जा रहा है। उनका तर्क है कि गैस की कीमत लगातार बढ़ रही है, लेकिन ट्रांसपोर्ट कमिश्नर इसके मुकाबले रिक्शा किराए में पर्याप्त बढ़ोतरी को मंजूरी नहीं दे रहे हैं। पहले भी किराया बढ़ोतरी और ऑनलाइन कैब/रिक्शा एप्लीकेशन के विरोध में रिक्शा चालकों ने हड़ताल की थी। दीवाली के समय हुई इस नई कीमत बढ़ोतरी से रिक्शा चालकों समेत आम वाहन चालकों का घरेलू बजट बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

ऑयल इंडिया को उथले समुद्री क्षेत्र में मिली प्राकृतिक गैस

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल) ने कृष्णा-गोदावरी बेसिन के उथले समुद्री क्षेत्र में एक ब्लॉक में महत्वपूर्ण प्राकृतिक गैस की खोज की घोषणा की है। यह देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगी और आयात पर निर्भरता घटाएगी। कंपनी ने शुक्रवार को बताया कि कृष्णा-गोदावरी बेसिन के उथले समुद्री अपतटीय ब्लॉक क ृ ज ी - डीएसएफ/जीएसकेडब्ल्यू/2018 में गोदावरी-1 कुएं में यह खोज की गई है। हाल ही में किए गए परीक्षणों में अधिकतम 2,00,000 मानक घन मीटर प्रतिदिन (एससीएमडी) गैस प्रवाह और लगभग 170 बैरल प्रतिदिन कंडेनसेट उत्पादन दर्ज किया गया। वर्तमान में कुएं से लगभग 1,00,000 एससीएमडी गैस निकल रही है। यह ब्लॉक ओआईएल ने डीएसएफ बोली प्रक्रिया के दौरान हासिल किया था। यह खोज भारत के लिए घरेलू



गैस का एक अतिरिक्त स्रोत प्रदान करेगी, जो प्राकृतिक गैस की जरूरतों को पूरा करने के लिए अब भी आयात पर बहुत अधिक निर्भर है। सरकार ने 2030 तक ऊर्जा मिश्रण में प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी मौजूदा छह प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा है, जिससे घरेलू संसाधनों का विकास उसकी ऊर्जा रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है।



हेयर कलरिंग

से बदलें अपना रूप



फैशन और सौंदर्य एक दूसरे के पर्याय है। जिस प्रकार कपड़ों का फैशन दिन प्रतिदिन बदल जाता है उसी प्रकार मेकअप, स्टाइल और हेयर कट और स्टाइल का भी ट्रेड बदल जाता है। अगर आप बालों को एक नया रूप, नया स्टाइल देना चाहती है तो हेयर कलर एक बेहतरीन उपाय है। लेकिन हेयर कलर कराने से पहले आपको किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है आप भी जानिए। शुरूआत कुछ इस तरह करे।

रंगों के पहिए को घुमाएं और देखें कि कैसे-कैसे रंग बिखरते है-

पीला, नीला, लाल, बैगनी, नारंगी और हरा।

ये सभी प्राइमरी और सेकेंडरी रंग है जो हमारे बालों को एक नया रूप देने में काम आते है। जैसा कि हम सभी जानते है कि आज हेयर कलरिंग, हाइलाइटिंग और स्ट्रीकिंग आदि फैशन में है। इसकी शुरुआत आज से दस साल पहले हो गई थी जब सुनहरे बालों वाली अपने बालों को कॉपर और रेड रंग से स्ट्रीकिंग करती थीं लेकिन अब काले बालों वाली लड़कियां भी अपने बालों को विभिन्न रंगों से संवार रही है।

आजकल बालों का जो वास्तविक रंग है उसे पूरी तरह बदलकर दूसरे रंगों का प्रयोग का चलन काफी बढ़ गया है। बड़े परदे पर दिखने वाली तमाम अभिनेत्रियों के बालों का रंग हर तीन-चार माह में बदल जाता है। इसके पीछे भी कारण यही होता है- बालों के वास्तविक रंग को ट्रांसफॉर्म कर देना।

बालों को कलर कराने में सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि जो भी कलर कराएं वह आपके रंग, चेहरे और व्यक्तित्व को पूरी तरह सूट करे। इसलिए अलग-अलग स्किन टोन के मुताबिक हेयर कलर कराने पर आप अपने रूप को पूर्णतया बदल सकती है।

गोरी रंगत

अगर आप गोरी है तो बहुत भाग्यशाली है। आप सौम्यता और ठंडक का एहसास दिलाने वाले कलर्स जैसे कि आप ब्लॉन्ड कलर्स करा सकती है, जो इस समय सबसे ज्यादा फैशन में है। गोरी युवतियों पर कॉपर और लाल रंग से हाइलाइटिंग बहुत अच्छी लगती है। इसके अलावा कॉलेज जाने वाली लड़कियां फंकी कलर्स का भी प्रयोग कर सकती है जैसे आधा ब्लॉन्ड और आधा रेड।

गेहुंआ रंग

गेहुएं रंग वाली युवतियों पर कॉपर और ब्लॉन्ड की हाइलाइटिंग बहुत फबती है। ऐसी रंगत वाली लड़कियां अगर पूरे बालों को रंगना या कलरिंग कराना चाहती है तो उन पर ऑबर्न या चेस्टनट या फिर माहोगनी की गहरी टोन ज्यादा सूट करेगी। अगर वे ब्लॉन्ड या कॉपर कलर से हालाइटिंग कराती है तो इस नए प्रयोग के लिए उन्हे अपने को ज्यादा आकर्षक दिखाने के लिए पूरे रूप को संवारना होगा।

सांवली रंगत

सांवली रंगत के लिए कुछ डीप जोन हाइलाइटिंग ज्यादा सूट करती है जैसे- पर्पल, रेड, और रेड पैशन से हाइलाइटिंग।

बालों को कलर कराने के बाद उनकी सही देखभाल बहुत जरूरी होती है, क्योंकि हर कलर में थोड़े-बहुत केमिकल जरूर होते है। बालों को अत्यधिक रूखा और बेजान होने से बचाने के लिए और कलर को कई दिनों तक बरकरार रखने के लिए उसकी जरूरी देखभाल जरूर करे।

कैसे करे देखभाल

कलर बालों की देखभाल के लिए आपको हफ्ते में एक बार सिर्फ दस मिनट का समय निकालना होगा। इसके लिए कलर शैंपू, कंडीशनर और डीप इंटेसिव हेयर मास्क का इस्तेमाल बेहतर होता है। कलर बालों की देखभाल के लिए लोरियल, क्यूने और यूरोप की एक ब्रांड इकोजलाइन के हेयर प्रोडक्ट काफी अच्छे माने जाते है।

गर्मी में आपके कलर्ड हेयर अतिरिक्त देखभाल मांगते है, क्योंकि धूप से भी आपके बालों को काफी नुकसान पहुंचता है। इसलिए कलर शैंपू करने के बाद बालों पर लीव-ऑन कंडीशनर लगा सकती है, जो सूर्य की अल्ट्रावायलट किरणों से बालों को सुरक्षा प्रदान करेगा।

जिनके बाल घुंघराले और बेजान हों, उन्हे नियमित देखभाल की विशेष जरूरत होती है। उन्हे ऐसे हेयर प्रोडक्ट का इस्तेमाल करना चाहिए जो बालों को एक फर्म, या मजबूती प्रदान कर उनमें लचीलापन और चमक भी लाए।

जो स्त्रियां लगातार अपने बालों में कलरिंग, स्ट्रेटनिंग या री-बॉडिंग कराती है उन्हे किसी अच्छे पार्लर में एक्सपर्ट के जरिए रिकंस्ट्रक्शन प्रोग्राम लेना चाहिए। यह प्रोग्राम बालों में पूर्णतया नई जान डालेगा।

स्वस्थ रहे आपके बाल

यह बात हमेशा ध्यान रखें कि बालों को प्रोटीन की बहुत जरूरत होती है। अगर आपका खानपान बेहतर होगा तो उसकी झलक आपके बालों में जरूर दिखेगी। आपके बालों में एक अलग ही चमक होगी। आप ध्यान दें कि बाजार में बालों की देखभाल, विकास और उनके बेहतर स्वास्थ्य के लिए जितने भी उत्पाद उपलब्ध है वे ज्यादातर प्रोटीन बेस्ड होते है।

बालों के लिए विटामिन बी बहुत महत्वपूर्ण है। आपने हेयर प्रोडक्ट्स पर पैनथेनॉल का नाम जरूर पढ़ा होगा। यह बी कॉम्पलेक्स और प्रोटीन के जरिए आपके बालों को स्वस्थ और मुलायम बनाता है।

तो फिर आप बेफिक्र अपने बालों को दें अपना पसंदीदा रंग और बदल डालें पुराने स्टाइल को। इससे न सिर्फ आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा बल्कि आपमें गजब का आत्मविश्वास भी जगेगा।

हाथों की शान बढ़ाते कंगन

कपड़े और एक्सेसरीज के साथ ही दुल्हन के लिए खास होते है कंगन। मॉर्केट में मौजूद है इनकी ढेरों डिजाइनर वैरायटीज..

शादी में दुल्हन के लिए जितना क्रेज लहगे का होता है, उससे कई गुना अधिक वो ध्यान देती है कंगन की खरीददारी में। लहगे की अहमियत तो जयमाल के समय होती है लेकिन कंगन शादी के कई माह बाद तक नववधू के हाथों की शोभा बढ़ाते है। नई-नवेली दुल्हन जींस, सलवार और साड़ी के साथ शादी में पहने गए कंगनों को शान से धारण करती है।

सदाबहार प्लेन कंगन

शिवाला के चूड़ी विक्रेता राशिद बताते है, प्लेन कंगन हमेशा डिमाड में रहते है। लाल रग शादी में शुभ माना जाता है इसलिए भले ही नववधू कितने ही डिजाइनर कंगन क्यों न खरीदें लेकिन वह लाल व महरून कंगनों को खरीदना नहीं भूलती। फैशन के लिहाज से भी यह कंगन सदाबहार रहते है। इनकी बिक्री पूरे वर्ष बनी रहती है।

हर ड्रेस से मैचिंग

अगर प्लेन से अलग स्टाइलिश लुक चाहती है तो नग वाले कंगनों का चयन बेहतर रहेगा। यह मेटल और लाख दोनों में ही आते है। जूवैलि डिजाइनर सुपर्णा निगम बताती है अगर आप ट्रेड के हिसाब से कंगनों का चयन करती है तो मेटल वाले कंगनों के बीच में लाख के नग वाले कंगनों को ट्राय कर सकती है।

पारपरिक है बीकानेरी

धनकुट्टी स्थित श्रीकृष्णा बुटीक की फैशन डिजाइनर सारिका अग्रवाल कहती है, शादी में पारपरिक बीकानेरी कंगनों की डिमाड खास होती है। चटख रगों के इन कंगनों की विशेषता है कि इनका रग फेड नहीं होता। लाल और महरून रग के बीकानेरी कंगन उत्तर भारत में शादी के अवसर पर नई दुल्हन के लिए शुभ माने जाते है।

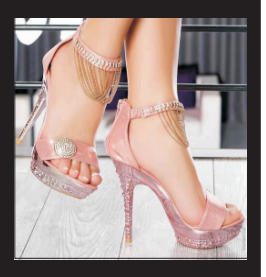
लिखवाएं दिल की बात

बिसाती बाजार के चूड़ी विक्रेता नईम भाई बताते है, इन दिनों जीवन साथी का नाम कंगनों पर लिखवाने का ट्रेड जोरों पर है। हमारे पास बहुत सी ऐसी ग?र्ल्स आती है जो कंगनों पर अपना और अपने होने वाले पति का नाम या दिल बनवाती है। यह काम ऑर्डर पर किया जाता है और नगों के हिसाब से इसका चार्ज कंगनों की कीमत से अलग लिया जाता है।



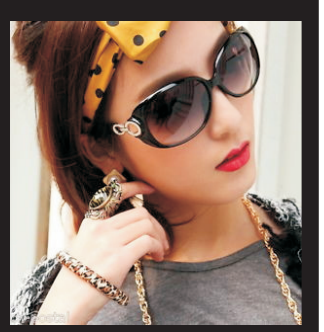
हिट हैं हाई हील्स

गर्मी की दस्तक के साथ ही बदल गया है फुटवेयर का अंदाज। हाई हील्स है इन दिनों फैशन में। दरअसल स्मार्ट समर फैशनेबल आउटफिट्स के साथ परफेक्ट कांबिनेशन हैं हाई हील्स। हाई हील पहनने से लंबाई अधिक व फिगर स्लिम प्रतीत होता है और खूबसूरत दिखने का आत्मविश्वास पैदा होता है। इस तरह फैशनेबल एक्सेसरी के साथ ही आत्मविश्वास बढ़ाने के लिहाज से भी हाई हील्स का चुनाव है उपयुक्त। स्टिलटो, पम्प इत्यादि स्टाइल्स में से आप अपनी पसंद के अनुरूप कुछ भी चुन सकती हैं। यह फैशन का ही असर है कि इन दिनों बाजार में हाई हील्स में कलर्स और डिजाइन्स की व्यापक रेंज उपलब्ध है। लुई वितां, शैनल, गुच्ची, जिम्मी चू जैसे बड़े व छोटे विभिन्न ब्रांड्स ने रेड, ब्लू, पिंक, ग्रीन जैसे मनचाहे सिंगल कलर्स के साथ ही एनीमल व फ्लोरल प्रिंट्स में पेश की हैं आकर्षक हाई हील फुटवेयर। इनके अलावा फ्रंट में स्ट्रैप से लेकर दो कलर्स के कांबिनेशन वाली हाई हील्स भी है युवतियों के बीच बेहद लोकप्रिय। अब आपको क्या पसंद है, यह आप स्वयं तय करें।



शाइनिंग सनग्लासेज

सनग्लासेज सिर्फ फैशनेबल एक्सेसरी नहीं है। आंखों की सुरक्षा के लिहाज से इनका इस्तेमाल है बेहद जरूरी। नंगी आंखों से सूरज की ओर देखते हैं तो पराबैंगनी किरणों के विकिरण से उत्पन्न अतिरिक्त ऊर्जा के कारण तकलीफ होती है। इससे राहत का सबब हैं पोलराइज्ड एंटी ग्लेयर सनग्लासेज। ये सुरक्षा परत की तरह काम करते हैं। इनके लेंस में मौजूद छोटी-छोटी हॉरीजेंटल स्ट्राइप्स उस चमक को बीच में रोक देती हैं, जो सतह से टकराकर परावर्तित होती हैं। वहीं फोटोक्रोमिक लेंस में सिल्वर क्लोराइड या सिल्वर हैलाइड यौगिक होता है। जब पराबैगनी किरणें उससे टकराती हैं तो एक विशेष प्रतिक्रिया उत्पन्न होती है। यही वजह है कि धूप में आने पर फोटोक्रोमिक लेंस का रंग गहरा हो जाता है। लेंस के बाद अब बारी आती है फैशन की। आजकल ड्रेस की मैचिंग के सनग्लासेज हैं युवाओं की पसंद। उनका चयन चेहरे के आकार के अनुसार करना चाहिए। पतले और स्ट्रेट चेहरे पर छोटे सनग्लासेज फबते हैं, जबकि बड़े चेहरे पर चौड़े सनग्लासेज भाते हैं। वहींगोरे रंग के लोगों पर गहरे शेड्स के सनग्लासेज जंचते हैं, जबकि गहरी रंगत पर गहरे शेड्स को छोड़कर किसी भी कलर के सनग्लासेज खूबसूरत लगते हैं।





सिलिकॉन वैली स्क्वैश

अनाहत सिंह ने सेमीफाइनल में जगह बनाई

रेडवुड सिटी । दुनिया की 15वें नंबर की खिलाड़ी भारत की अनाहत सिंह ने मिस्र की छठी सीड सलमा हैनी पर पांच गेम की रोमांचक जीत के साथ सिलिकॉन वैली ओपन स्क्वैश के सेमीफाइनल में जगह बना ली। अनाहत ने पहली बार अपने पीएसए गोल्ड-लेवल सेमीफाइनल में जगह बनाई है। दुनिया की नंबर 3 और आठ बार की वर्ल्ड चैंपियन मिस्र की नूर एलशेरबिनी को सीधे गेम में हराने के एक दिन बाद, 18 साल की भारतीय खिलाड़ी ने क्वार्टर फाइनल में दुनिया की नंबर 14 हैनी को 42 मिनट तक चले मुकाबले में 4-11, 11-8, 4-11, 11-2, 11-5 से हराया। अनाहत मुकाबले में 2-1 से पीछे चल रही थीं, लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए 11-2, 11-5 से जीत हासिल की और अपने करियर में पहली बार गोल्ड सेमीफाइनल में जगह बनाई।

2-1 से पीछे होने के बाद वापसी करते हुए जीत हासिल करने के बाद अनाहत ने हैनी के बारे में कहा, 'मैंने उनके खिलाफ पहले कभी नहीं खेला था। मुझे नहीं पता था कि कोर्ट पर आकर क्या करना है। मैंने उन्हें कई बार खेलते हुए देखा है। वह पीएसए टूर में बहुत अनुभवी हैं। '

अनाहत ने कहा, 'एलशेरबिनी के खिलाफ जीत के बाद, मुझे पता है कि अगर मैं अच्छा खेल रही हूं तो मेरे पास जिससे भी खेलूंगी, उसके खिलाफ मौका है। मैं इसी सोच के साथ उतरना चाहती थी। ' स्टार भारतीय खिलाड़ी ने कहा, 'गुरुवार की जीत के बाद इमोशन की वजह से मैं मैच में थोड़ी थकी हुई थी। मैं आज मोमेंटम नहीं खोना चाहती थी, मैं अपना शत-प्रतिशत देना चाहती थी। टूर्नामेंट में एक कदम आगे बढ़कर मैं खुश हूं। ' अनाहत सिंह का अगला मुकाबला दुनिया की नंबर चार और मौजूदा एशियन गेम्स चैंपियन मलेशिया की शिवसांगरी सुब्रमण्यम से होगा। अनाहत को एशियन गेम्स 2026 के फाइनल में शिवसांगरी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।

अनाहत का साल 2026 में सफर शानदार रहा है। इस साल की शुरुआत में वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप जीतने के बाद एशियन गेम्स स्क्वैश सिंगल्स फाइनल में जगह बनाई थी।

ऋद्धिमान साहा: तेज गेंदबाज के तौर पर शुरू हुआ था टीम इंडिया के बेहतरीन विकेटकीपर का सफर



नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा का करियर संघर्ष और सफलता का एक शानदार उदाहरण है। एक बेहतरीन विकेटकीपर के रूप में अपनी पहचान बनाने वाले साहा ने अपने रोमांचक करियर की शुरुआत एक तेज गेंदबाज के रूप में की थी। ऋद्धिमान साहा का जन्म 24 अक्टूबर, 1984 को शक्तिगढ़, सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल में हुआ था। बंगाल भारतीय क्रिकेट का गढ़ है और इसका असर साहा पर भी पड़ा। साहा ने क्रिकेट के क्षेत्र में अपना करियर बनाने का फैसला किया था। शुरुआती दिनों में साहा एक तेज गेंदबाज के रूप में खेला करते थे, लेकिन समय के साथ उनकी दिलचस्पी विकेटकीपिंग में बढ़ी। इसके बाद उन्होंने एक विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर अपनी पहचान बनाने के लिए कड़ी मेहनत शुरू की। 2007 में बंगाल के लिए प्रथम श्रेणी और लिस्ट ए में डेब्यू करने वाले साहा को अच्छे प्रदर्शन के बावजूद भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। इसकी वजह महेंद्र सिंह धोनी थे, जो भारतीय कप्तान होने के साथ ही तीनों फॉर्मेट में स्थापित विकेटकीपर बल्लेबाज थे।

2010 में भारतीय टीम के लिए टेस्ट और वनडे फॉर्मेट में डेब्यू करने वाले साहा की टेस्ट टीम में नियमित जगह दिसंबर 2014 में धोनी के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद बनी।

संक्षिप्त समाचार

ईशान किशन न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 से बाहर, BCCI ने दी जानकारी

नई दिल्ली । न्यूजीलैंड के खिलाफ गुरुवार को क्राइस्टचर्च में खेले गए पहले टी20 में लक्ष्य का पीछा करते हुए अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज करने वाली भारतीय टीम को दूसरे टी20 से पहले बड़ा झटका लगा है। विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन चोट की वजह से दूसरे टी20 में नहीं खेलेंगे। ईशान किशन के दूसरे टी20 में नहीं



खेलने की जानकारी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने सोशल मीडिया पेज के माध्यम से दी है। बीसीसीआई ने शुक्रवार की सुबह अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर लिखा, 'ईशान किशन न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 से लो-ग्रेड राइट एडिक्टर स्ट्रेन की वजह से बाहर हो गए हैं। उन्हें सीरीज के पहले टी20 मैच के दौरान चोट लगी। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ईशान पर नजर रख रही है।' ईशान किशन का दूसरे टी20 से बाहर होना टीम इंडिया के लिए बड़ा झटका है। भारतीय टीम ने पहले टी20 में 226 के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल किया था। ईशान बेशक पहले टी20 में बड़ी पारी नहीं खेल पाए थे और 3 गेंदों पर 1 रन बनाकर आउट हो गए थे। लेकिन वो जिस क्षमता के बल्लेबाज हैं, उस क्षमता की टीम इंडिया को इस सीरीज में जरूरत पड़ने वाली है। भारतीय टीम उम्मीद करेगी कि ईशान 27 अक्टूबर को खेले जाने वाले तीसरे टी20 से पहले फिट हो जाएं।

भारतीय महिला टीम की बल्लेबाज सब्बीनेनी मेघना ने संन्यास लिया

नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की शीर्ष क्रम की बल्लेबाज रहीं सब्बीनेनी मेघना ने शुक्रवार को क्रिकेट को अलविदा कह दिया। उन्होंने सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया है। मेघना 2022 में कॉमनवेल्थ गेम्स में सिल्वर मेडल जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रही थीं। मेघना ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'वर्ल्ड स्टेज पर जर्सी पहनने के लिए हाथ में बल्ला



लेकर पहली बार मैदान पर उतरना किसी सपने के सच होने से कम नहीं है। मैं एक खिलाड़ी के तौर पर क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास की घोषणा करती हूं। मेरा दिल शुक्रगुजार है। मैदान मेरा दूसरा घर रहा है, जिसने मुझे हिम्मत दी, विनम्रता सिखाई और ऐसी यादें और दोस्ती दी, जिन्हें मैं जिंदगी भर संभालकर रखूंगी।' उन्होंने लिखा, 'मेरे परिवार को, जो हर मुश्किल समय में मेरे साथ खड़े रहे, आपके कभी न खत्म होने वाले त्याग के लिए धन्यवाद। मेरे कोच, टीममेट्स और सपोर्ट स्टाफ को, मुझे अपना बेस्ट देने के लिए प्रेरित करने और मेरे साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने के लिए धन्यवाद।'

एशियन पैरा गेम्सः बैडमिंटन, आर्चरी, जैवलिन में आए गोल्ड और सिल्वर से पदकों का शतक पूरा

पांचवें दिन की धमाकेदार शुरुआत

नागोया । जापान के आइची-नागोया में खेले जा रहे एशियन पैरा गेम्स 2026 के पांचवें दिन (शुक्रवार) की शुरुआत भारतीय दल के लिए शानदार रही है। भारतीय एथलीटों ने दिन की शुरुआत ही गोल्ड और सिल्वर मेडल से की है। पैरा आर्चरी विमेंस रिकर्व डबल्स गोल्ड मेडल मैच में भारत की भावना और पूजा को चीन की जोड़ी से हारकर सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा।

चीन ने शुरू से आखिर तक मुकाबला अपने नाम किया और हर तीर पर 9.33 के हाई-कैलिबर एवरेज के साथ सेट 38-31, 35-30 और 39-29 से अपने नाम किए, जबकि भारत का औसत 7.50 रहा।

थुलसिमथी मुरुगेसन ने बैडमिंटन के एसयू5 महिला एकल में सिल्वर मेडल जीता। उन्हें फाइनल में चीन की किउक्सिया यांग से 18-21, 11-21 से हार का सामना करना पड़ा।

प्रमोद ने पुरुषों की 1500 मीटर टी46 इवेंट में दूसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने 4:09.65 का समय निकालकर शानदार प्रदर्शन किया और सिल्वर मेडल जीता। प्रमोद ने हांगझोऊ पैरा एशियन गेम्स में भी सिल्वर मेडल जीता था।

हरविंदर सिंह और विजय सुंडी ने पैरा आर्चरी मेन्स रिकर्व टीम इवेंट में शानदार परफॉर्मेंस के साथ 2026 एशियन पैरा गेम्स में गोल्ड जीता। पहला सेट 35-35 से बराबरी के बाद भारतीय जोड़ी ने अगले दो सेट 37-36 और 38-36 से जीते और चीन पर 5-1 की जीत के साथ गोल्ड मेडल अपने नाम किया।



नितेश, थुलसिमथी ने बैडमिंटन मिक्स्ड डबल्स में सिल्वर जीता

नागोया । भारत के नितेश कुमार और थुलसिमथी मुरुगेसन ने शुक्रवार को मिक्स्ड डबल्स एसएल3-एसयू5 कैटेगरी में सिल्वर मेडल जीता। भारतीय जोड़ी को फाइनल में इंडोनेशिया की लीनी रात्री ओक्टिला और हिकमत रामदानी से 21-11, 19-21, 14-21 से हार के बाद सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। भारतीय जोड़ी ने शुरुआती गेम में 21-11 से दबदबा बनाया, लेकिन दूसरा गेम 19-21 से हार गई और फिर आखिरी गेम में 14-21 से हार गई। इससे पहले, थुलसिमथी मुरुगेसन ने विमेंस सिंगल्स एसयू5 फाइनल में चीन की यांग से 21-18, 21-11 से हारने के बाद सिल्वर मेडल जीता था। नितेश ने



हमवतन प्रमोद भगत को हराकर गोल्ड मेडल जीता था। प्रमोद ने 2018 और 2022 एडिशन में गोल्ड जीता था। दो पैरालंपिक चैंपियनों के बीच खेला गया फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। मुकाबला 21-18, 21-16 से नितेश के पक्ष में रहा। एक अन्य मैच में नित्या श्री सुमति सिवन ने महिला एकल एसएच6 फाइनल में चीन की ली फेंगमेई से 12-21, 13-21 से हारने के बाद सिल्वर मेडल जीता। पैरा बैडमिंटन में, एसएल3 उन खिलाड़ियों के लिए है जिनके निचले अंगों में गंभीर कमी है और जो हाफ कोर्ट पर खेलते हैं, जबकि एसएल4 उन एथलीटों के लिए है जिनके निचले अंगों में गंभीर कमी है और जिनका चलने और दौड़ने का संतुलन बेहतर होता है। एसयू5 उन खिलाड़ियों के लिए है जिनके ऊपरी अंगों में कमी है, जबकि एसएच6 छोटे कद के एथलीटों के लिए है। भारत हांगझोऊ 2023 में अपने अब तक के सबसे अच्छे एशियन पैरा गेम्स कैंपेन के बाद आइची-नागोया पहुंचा है। भारतीय दल ने पिछले संस्करण में रिकॉर्ड 111 मेडल जीते थे, जिनमें 29 गोल्ड, 31 सिल्वर और 51 ब्रॉन्ज थे। रिपोर्ट लिखे जाने तक एशियन पैरा गेम्स 2026 में भारतीय दल 104 मेडल अपने नाम कर चुका है। इसमें 27 गोल्ड, 34 सिल्वर और 43 ब्रॉन्ज हैं। भारतीय दल फिलहाल चौथे नंबर पर है।

धर्मराज सोलैराज ने भारत को दिलाया एक और गोल्ड मेडल

लॉन्ग जंप में 7.15 मीटर की छलांग लगाकर बनाया नया रिकॉर्ड

नागोया। भारत के धर्मराज सोलैराज ने गुरुवार को जापान के आइची-नागोया में जारी एशियन पैरा गेम्स 2026 में पुरुषों की लॉन्ग जंप (लंबी कूद) में गोल्ड मेडल अपने नाम किया। उन्होंने 7.15 मीटर की रिकॉर्ड-तोड़ छलांग लगाकर गोल्ड पर कब्जा जमाया। नागोया सिटी मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में टी44/टी62/टी64 के संयुक्त फाइनल में हिस्सा लेते हुए तमिलनाडु के 32 वर्षीय एथलीट ने अपने दूसरे प्रयास में यह निर्णायक छलांग लगाई। इसके साथ ही उन्होंने एक नया एशियाई रिकॉर्ड बनाया और इस महाद्वीपीय मल्टी-स्पोर्ट इवेंट में लगातार दूसरी बार गोल्ड मेडल अपने नाम किया। यह प्रदर्शन हांगझोऊ एशियन पैरा गेम्स 2023 में गोल्ड मेडल जीतने के बाद से सोलैराज के करियर में एक और अहम उपलब्धि है। इसके साथ ही उन्होंने 7.08 मीटर का अपना पिछला एशियाई रिकॉर्ड भी बेहतर कर



लिया, जो उन्होंने नई दिल्ली में वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स 2025 चैंपियनशिप में बनाया था।

सोलैराज ने प्रतियोगिता की शुरुआत 6.88 मीटर की छलांग के साथ की और दूसरे राउंड में 7.15 मीटर की दूरी तय की। इसके बाद उन्होंने 6.82 मीटर और 6.85 मीटर की छलांग लगाई, जबकि उनके आखिरी दो प्रयास फाउल रहे। हालांकि, उनकी शुरुआती रिकॉर्ड-तोड़ छलांग ही खिताब जीतने के लिए काफी थी।

टी44 क्लासिफिकेशन में 6.34 मीटर की सर्वश्रेष्ठ दूरी तय करने वाले मलेशिया के एडी बर्नार्ड 740 रजा प्वाइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर रहे। जापान के युमा तामाकी ने टी64 कैटेगरी में 6.89 मीटर की अपनी अब तक की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाई और 726 प्वाइंट्स के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

श्रीलंका ने वनडे का दूसरा बड़ा लक्ष्य हासिल किया

इंग्लैंड को रोमांचक मैच में हराया; ब्रूक की पारी गई बेकार

रावलपिंडी । श्रीलंका ने बल्लेबाजों के दमदार प्रदर्शन की मदद से त्रिकोणीय सीरीज के मुकाबले में इंग्लैंड को दो विकेट से हराया। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान हैरी ब्रूक के दोहरे शतक की मदद से 50 ओवर में चार विकेट पर 429 रन बनाए। जवाब में पवन रत्नायके, अविष्का फर्नांडो, दासुन शनाका और जनिथ लियानागे की दमदार पारी से श्रीलंका ने 49.5 ओवर में आठ विकेट पर 430 रन बनाकर रोमांचक जीत दर्ज की। श्रीलंका ने इस तरह वनडे इतिहास का दूसरा बड़ा रन चेज किया।

श्रीलंका ने भारत को पीछे छोड़ा- श्रीलंका ने वनडे में सबसे बड़े रन चेज के मामले भारतीय टीम को पीछे छोड़ दिया है। भारत ने इसी साल वेस्टइंडीज के खिलाफ



गुवाहाटी में खेले गए मुकाबले में 406 रनों का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया था जो वनडे का दूसरा सबसे बड़ा रन चेज था। लेकिन श्रीलंका ने इस मामले में भारत को पीछे छोड़ा और 50 ओवर के प्रारूप का दूसरा सबसे बड़ा रन चेज कर लिया।

श्रीलंका की दमदार बल्लेबाजी

लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने कामिंदु मेंडिस और कुसल मेंडिस के विकेट जल्द गंवा दिए। इसके बाद अविष्का फर्नांडो और रत्नायके के बीच तीसरे विकेट के लिए 166 रनों की साझेदारी हुई। फर्नांडो हालांकि, शतक पूरा करने से चूक गए और 97 रन बनाकर आउट हुए। फिर रत्नायके ने दासुन शनाका के साथ पारी आगे बढ़ाई और चौथे विकेट के लिए 133 रन जोड़े। इन दोनों साझेदारी के दम पर श्रीलंका ने मैच में अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

वनडे क्रिकेट के सबसे बड़े रन चेज

लक्ष्य	स्कोर	टीम	बनाम	स्थान	वर्ष
435	438/9	दक्षिण अफ्रीका	ऑस्ट्रेलिया	जोहानिसबर्ग	2006
430	430/8	श्रीलंका	इंग्लैंड	रावलपिंडी	2026
406	406/2	भारत	वेस्टइंडीज	गुवाहाटी	2026
375	374/9	नीदरलैंड	वेस्टइंडीज	हरारे	2023
372	372/6	दक्षिण अफ्रीका	ऑस्ट्रेलिया	डरबन	2016

हैरी ब्रूक ने जड़ा वनडे इतिहास का सबसे तेज 'दोहरा शतक'

सिर्फ 114 गेंदों में रचा इतिहास



रावलपिंडी। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने गुरुवार को रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ वनडे ट्राई-सीरीज के तीसरे मुकाबले में दोहरा शतक जड़ा। ब्रूक ने 200 रनों का आंकड़ा महज 114 गेंदों में छुआ, जिसके साथ वह वनडे फॉर्मेट में सबसे तेज 'दोहरा शतक' लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। इस पारी के साथ ब्रूक वनडे पारी में 200 रन बनाने वाले इंग्लैंड के पहले बल्लेबाज भी बन गए हैं। ग्लेन मैक्सवेल के बाद, ब्रूक वनडे में दोहरा शतक लगाने वाले दूसरे ऐसे खिलाड़ी हैं जो ओपनर नहीं हैं। वनडे क्रिकेट में गेंदों के लिहाज से सबसे तेज दोहरा शतक जड़ने वाले खिलाड़ियों में शुभमन गिल दूसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने साल 2026 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 117 गेंदों में ऐसा किया था।

'हम अपनी गलती जानते हैं': हैरी ब्रूक

नई दिल्ली । पाकिस्तान में खेली जा रही वनडे त्रिकोणीय सीरीज में गुरुवार को खेले गए एक हाईस्कोरिंग मैच में इंग्लैंड को श्रीलंका के खिलाफ एक बड़ी और ऐतिहासिक हार का सामना करना पड़ा। हार के बाद इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने कहा कि हमें अपनी गलती पता है। हार के बाद प्रेजेंटेशन के दौरान हैरी ब्रूक ने कहा, 'यह एक शानदार क्रिकेट मैच था। मुझे लगा कि दोनों टीमें बहुत बढ़िया थीं। बदकिस्मती से, श्रीलंका ने हमें हरा दिया। हम गेंद से ठीक से खेल नहीं पाए और उनकी ताकत के हिसाब से थोड़ा खेले, और फिर उन्होंने 400 रन बनाकर जबरदस्त क्रिकेट खेला।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि 20 साल में पहली बार यह एक जबरदस्त उपलब्धि है। अब हारने वाली टीम का कोई मतलब नहीं है। हमें ड्रॉइंग बोर्ड पर वापस जाना होगा।



नाना ने 5 साल तक नहीं की थी पिता जी से बात: सलमान खान

हाल ही में बॉलीवुड के दबंग भाईजान सलमान खान ने खुलासा किया कि उनके नाना उनकी मॉम और डैड की शादी के सख्त खिलाफ थे और उन्होंने पापा सलीम खान से पूरे पाँच साल तक बात तक नहीं की थी। सलमान ने यह चौंकाने वाला किस्सा किसी और जगह नहीं, बल्कि बिग बॉस 20 के मंच पर वीकेंड के वार के दौरान सबके सामने रखा।

इतना ही नहीं, एक्टर ने अपने माता-पिता की लड़ाई को लेकर भी हैरान करने वाला खुलासा किया, जब सलमान की मां, सलमा खान, सलीम खान संग बहस करके गुस्से में घर छोड़कर अपने मायके चली गई थीं। बिग बॉस 20 के स्टेज पर कंटेस्टेंट्स से बात करते हुए सलमान खान ने अपनी पर्सनल लाइफ से जुड़ा यह पुराना और दिलचस्प राज खोला। उन्होंने बताया कि जब उनके माता-पिता की शादी हुई थी, तब किसी धर्म को लेकर कोई दिक्कत नहीं थी, बल्कि असली वजह कुछ और ही थी। सलमान ने बताया कि उनके नाना इस बात से नाराज थे कि उनकी बेटी की शादी एक ऐसे गुड लुकिंग इंसान से हो रही है जो एक्टर बनना चाहता है और फिल्म इंडस्ट्री में हाथ आजमा रहा है। नाना को इसी बात पर सबसे बड़ा एतराज था। सलमान ने आगे बात करते हुए बताया कि उनके नाना को हमेशा यही डर सताता रहता था कि उनकी बेटी इस फिल्मी माहौल में अपना जीवन कैसे बिताएगी। इसी नाराजगी के चलते उन्होंने सलीम खान से पाँच साल तक दूरी बनाए रखी और बातचीत बंद कर दी थी।

एक्टर ने यह भी साझा किया कि जब उनके छोटे भाई सोहेल खान का जन्म हुआ, तब उनके नाना माहिम से बांद्रा आए थे। वह अपने साथ जलेबी का डिब्बा लेकर आए थे और उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया था कि उनसे बहुत बड़ी भूल हो गई कि उन्होंने अपने नाती-नातिन को बचपन में बड़े होते हुए नहीं देखा। वहीं, सलमान ने ये भी बताया कि एक बार जब डैड और मॉम की एक लड़ाई हुई तो मॉम गुस्से में मायके चली गईं, लेकिन उनके नाना ने फिर उनकी मां को कहा कि वह जब चाहें घर आ सकती हैं, लेकिन लड़ाई के बाद कभी नहीं। सलमान ने अपने नाना के शब्दों को दोहराते हुए कहा, उन्होंने कहा कि तुम कभी भी घर आ सकती हो, लेकिन झगड़ा करके तुम नहीं आओगी। यह एक ऐसी सीख थी जो सलमा खान के जीवन में हमेशा रही। सलीम खान और सलमा की प्रेम कहानी भी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। दोनों के प्यार की शुरुआत बालकनी से एक-दूसरे को देखने से हुई थी। सलीम खान ने खुद एक बार बताया था कि वे शाम और रात के वक्त लाइन में खड़े होकर एक-दूसरे से मिल लिया करते थे। जब सलमा के घर वालों को इस बात की भनक लगी, तो उन पर काफी दबाव बढ़ने लगा। इसके बाद दोनों ने कड़ा कदम उठाते हुए शादी करने का फैसला किया। सलीम खान की जिंदगी में एक नया मोड़ तब आया जब उनकी मुलाकात हेलेन से हुई। सलीम और हेलेन साल 1963 में एक फिल्म के सेट पर मिले थे, जहां से दोनों की दोस्ती प्यार में बदल गई। इसके बाद सलीम और हेलेन ने साल 1980 में शादी कर ली। हालांकि सलीम खान पहले से शादीशुदा थे और उनके चार बच्चे थे, लेकिन इसके बावजूद पूरे परिवार ने हेलेन को खुले दिल से अपनाया।



मैं हर किसी के लिए उपलब्ध नहीं हूं: माही विज

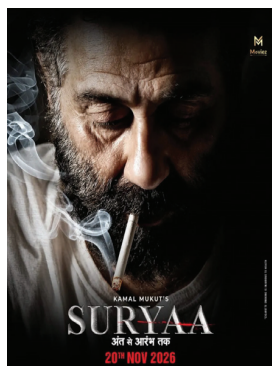
हाल ही में बिग बॉस-20 में अभिनेत्री माही विज से साथी प्रतियोगी काजी तौकीर ने उनकी प्रेम कहानी के बारे में मजाकिया अंदाज में सवाल पूछा, जिस पर माही विज शर्मा गईं। तौकीर ने पूछा कि क्या कोई भी व्यक्ति उनसे संपर्क कर सकता है। इस सवाल के जवाब में माही ने कहा, नहीं, कोई मुझसे संपर्क नहीं कर सकता। मैं सबके लिए उपलब्ध नहीं हूं।

उनके इस जवाब ने चर्चा को और हवा दी, खासकर ऐसे समय में जब उनके निजी जीवन को लेकर अटकलें तेज हैं। इसके बाद काजी ने माही से और जानकारी लेने की कोशिश की, यह जताते हुए कि शायद वह कुछ चुनिंदा लोगों में ही दिलचस्पी रखती हों। उन्होंने माही को चिढ़ाते हुए पूछा कि क्या वह तीन-चार लोगों में से किसी को चुनेंगी या कोई उसे सीधे शादी का प्रस्ताव दे सकता है। काजी के लगातार मजाक उड़ाने पर माही मुस्कुराती और शर्माती नजर आईं, लेकिन अपनी बात पर कायम रहीं। उन्होंने यह भी सवाल किया कि उनके पास कितने विकल्प हैं, यह इशारा करते हुए कि माही की प्रतिक्रिया से शायद यह पता चलता है कि उनकी जिंदगी में कोई खास है या उन्हें कई लोगों का ध्यान मिल रहा है, हालांकि माही ने किसी में दिलचस्पी होने की बात स्वीकार नहीं की। उस समय उदिति भी उनके आसपास ही थीं, जिन्होंने टिप्पणी की कि शायद माही का कोई खास इंसान यह शो देख रहा होगा। यह हल्की-फुल्की बातचीत जनवरी 2026 में माही और टेलीविजन अभिनेता जय भानुशाली द्वारा अपने 14 साल के वैवाहिक जीवन के अंत की घोषणा के कुछ महीनों बाद हुई है।

पूर्व दंपति की एक बेटी तारा है और वे अपने गोद लिए बच्चों खुशी और राजवीर की परवरिश भी कर रहे हैं। यह बयान ऐसे समय में आया है जब उनके प्रशंसकों को उनके निजी जीवन को लेकर उत्सुकता है और वे उनके अगले कदम का इंतजार कर रहे हैं। इस बीच, जय भानुशाली ने हाल ही में बताया कि बिग बॉस 20 में माही विज की भागीदारी ने उन्हें अपनी बेटी तारा के साथ अधिक समय बिताने का अवसर दिया है। इंस्टाग्राम पर अपने प्रशंसकों से बातचीत के दौरान जय ने बताया कि माही की अनुपस्थिति में तारा के साथ अधिक समय बिताने से उनका और तारा के साथ रिश्ता और मजबूत हो गया है। उन्होंने यह भी बताया कि वह माही को रियलिटी शो में जारी रखना चाहते थे।

सूर्या: का दमदार टीज़र रिलीज

बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल के जन्मदिन पर उनकी आगामी फिल्म 'सूर्या- अंत से आरंभ तक' का दमदार टीज़र रिलीज कर दिया गया है। एम. पद्मकुमार के निर्देशन में बनी इस फिल्म में सनी देओल एक बिल्कुल अलग और गंभीर अंदाज में नजर आ रहे हैं। फिल्म की कहानी एक ऐसे शख्स के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने अतीत के दर्द से जूझते हुए मेडिकल सिस्टम के भीतर छिपी एक बड़ी साजिश का पर्दाफाश करने निकलता है। क्राइम थ्रिलर से भरपूर टीज़र में भावनात्मक उतार-चढ़ाव, जांच-पड़ताल, रहस्य और एक्शन की झलक देखने को मिलती है। 19 अक्टूबर को सनी देओल के जन्मदिन के मौके पर फिल्म के निर्माताओं ने इसका टीज़र जारी किया। इससे पहले फिल्म के मोशन पोस्टर को दर्शकों और अभिनेता के प्रशंसकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। पोस्टर में सनी देओल का रफ एंड टफ लुक, चेहरे पर उम्र का असर और उनकी गंभीर नजरें चर्चा में रही थीं। अब टीज़र ने फिल्म की कहानी को लेकर उत्सुकता बढ़ा दी है। टीज़र से संकेत मिलता है कि 'सूर्या' की कहानी केवल एक व्यक्ति के संघर्ष तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके तार एक ऐसे सिस्टम से जुड़े हैं।



कबूतर में मुख्य भूमिका निभाएंगे नवाजुद्दीन सिद्दीकी

बॉलीवुड के लेखक-निर्देशक इशान शर्मा की पहली फीचर फिल्म कबूतर में बॉलीवुड अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी मुख्य भूमिका निभाते नज़र आएंगे। इस अनोखी फिल्म की मुख्य शूटिंग 2027 की शुरुआत में दिल्ली में शुरू होने वाली है, जो पुरानी दिल्ली की जर्जर होती इमारतों और वहां की अनूठी दुनिया की पृष्ठभूमि पर आधारित होगी। कबूतर का निर्माण निखिल चौधरी की कंपनी एमडीसी फिल्मवर्क्स कर रही है। यह भारत, फ्रांस और नॉर्वे के बीच एक महत्वाकांक्षी अंतरराष्ट्रीय सह-निर्माण है, जिसमें भारत की एमडीसी फिल्मवर्क्स, फ्रांस की हायकू फिल्म्स और नॉर्वे की रैन फिल्म शामिल हैं। भारतीय पक्ष से रोहित सक्सेना सह-निर्माता की भूमिका निभा रहे हैं। कबूतर की कहानी महबूब नाम के एक सड़कछाप जासूस के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी ज़िंदगी में अनोखे तरीके से काम करता है। महबूब गुप्त रूप से जिन्न के नाम लिखे गए खत पढ़ता है, ताकि संभावित ग्राहक तलाश सके।

इसी दौरान उसकी मुलाकात नाओको से होती है, जो जापान से आई एक पर्यटक है और अपने अतीत के दर्द से जूझ रही है। कहानी में रूबी नाम का एक छोटा बच्चा भी है, जो अपने माता-पिता की तलाश में है। फिल्म में अनोखेपन, भावनात्मक गहराई और मानवीय अनुभवों के विरोधाभासों को एक अलग अंदाज़ में पेश किए जाने की उम्मीद है, और इस फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी अपने अभिनय का एक बिल्कुल नया पहलू दिखाते नज़र आएंगे।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी को फिल्म में मुख्य भूमिका के लिए चुने जाने पर निर्माता निखिल चौधरी ने कहा, नवाज़ असाधारण अभिनय क्षमता वाले कलाकार हैं। वह गैंग्स ऑफ वासेपुर में खतरनाक नज़र आ सकते हैं, तो द लंचबॉक्स में उनका अभिनय दिल को छू लेने वाला और बेहद कोमल हो सकता है। वह उन चुनिंदा भारतीय अभिनेताओं में से हैं, जिनकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मजबूत पहचान है। उनकी फिल्में कई बार कान फिल्म महोत्सव तक पहुंची हैं और उन्हें इंटरनेशनल एमी के लिए भी नामांकित किया गया है। भारत-फ्रांस-नॉर्वे के सह-निर्माण वाली फिल्म कबूतर को दुनियाभर के दर्शकों तक पहुंचाने के लिहाज़ से यह बेहद अहम है। उन्होंने आगे कहा, इसके अलावा, नवाज़ दिल्ली को गहराई से जानते हैं। इशान और मेरे लिए यह फिल्म इस शहर के प्रति प्रेम-पत्र की तरह है। हमें ऐसे अभिनेता की ज़रूरत थी, जो दिल्ली को समझ सके, उसे महसूस कर सके और अपने अभिनय में जीवंत कर सके। नवाज़ ये तीनों खूबियां रखते हैं। पिछले कई वर्षों में नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने भारतीय सिनेमा के सबसे विशिष्ट अभिनेताओं में अपनी जगह बनाई है। जटिल, असामान्य और गहराई से मानवीय किरदारों को सहजता से निभाने की उनकी क्षमता ने उन्हें खास पहचान दिलाई है। उनकी चर्चित फिल्मों में अनुराग कश्यप की गैंग्स ऑफ वासेपुर, रितेश बत्रा की द लंचबॉक्स और नंदिता दास की मंटो शामिल हैं।



उड़ता तीर मूवी रिव्यू : आयुष्मान खुराना की कॉमेडी और कन्फ्यूजन से भरपूर फिल्म, हंसते-हंसते हो जाएंगे लोटपोट

कल्पना कीजिए कि पाकिस्तान का एक खुफिया एजेंट भारत में एक हादसे का शिकार हो जाता है और अपनी याददाश्त खो बैठता है। होश में आने पर उसे लगता है कि वह भारत का काउंटर-इंटेलिजेंस ऑफिसर है। बस, इसी गड़बड़ी से शुरू होता है फिल्म 'उड़ता तीर' का मजेदार सफर, जहां गलतफहमियां, उलझनें और हास्यास्पद हालात एक के बाद एक सामने आते हैं। आकाश ए. कौशिक के निर्देशन और लेखन में बनी यह फिल्म अपनी मजेदार कहानी, चुटीले डायलॉग और शानदार कॉमिक टाइमिंग के दम पर दर्शकों को हंसाने की कोशिश करती है। फिल्म का बैकग्राउंड म्यूजिक भी कई मौकों पर कॉमेडी का मजा बढ़ा देता है। 'उड़ता तीर' में जिस तरह की उलझनें दिखाई गई हैं, वे कई बार इतनी अजीब और मजेदार होती हैं कि हंसी अपने आप छूट जाती है। फिल्म के डायलॉग कहानी की जान हैं। कलाकारों की कॉमिक टाइमिंग और एक-दूसरे के साथ उनकी केमिस्ट्री सीन को मजेदार बनाती है। बैकग्राउंड म्यूजिक भी सही समय पर कॉमेडी के साथ मेल मिलाता है और कई सीन का असर बढ़ा देता है।





अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने मनोज बाजपेयी के बयान का किया समर्थन - कहा - नकारात्मकता से हटकर सकारात्मक नजरिया अपनाने की जरूरत

बॉलीवुड की बहुमुखी प्रतिभा की धनी अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने हाल ही में अपने सह-कलाकार और वरिष्ठ अभिनेता मनोज बाजपेयी के उस बयान का पूर्ण समर्थन किया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि किसी भी व्यक्ति को केवल उसके पेशे के आधार पर आंकना सही नहीं है। दिव्या दत्ता का मानना है कि समाज में हर क्षेत्र और पेशे में अच्छे और बुरे दोनों तरह के लोग मौजूद होते हैं, इसलिए कुछ व्यक्तियों की गलतियों के कारण पूरे विभाग या संस्था को कठघरे में खड़ा करना न्यायसंगत नहीं है। उनका यह बयान फिल्म उद्योग और आम जनता के बीच एक नई चर्चा को जन्म दे रहा है।

हाल के दिनों में मुंबई में अभिनेता टाइगर श्रॉफ के आवास के बाहर हुई गोलीबारी की घटना और दिल्ली-मुंबई में पुलिस प्रशासन की आलोचना के संदर्भ में मनोज बाजपेयी ने निष्पक्ष दृष्टिकोण रखने की बात कही थी। उसी मुद्दे पर आगे बढ़ते हुए दिव्या दत्ता ने कहा कि मनुष्य का स्वभाव अक्सर ऐसा होता है कि वह अच्छी और सकारात्मक बातों को नजरअंदाज कर देता है और नकारात्मक चीजों की ओर बहुत तेजी से आकर्षित होता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब तक हम किसी व्यक्ति को व्यक्तिगत रूप से नहीं जान लेते, तब तक केवल उसकी वर्दी या उसके पेशे को देखकर उसके चरित्र का फैसला करना अनुचित है।

दिव्या दत्ता ने इस बात पर चिंता जताई कि आजकल लोग सकारात्मक पहलुओं को पीछे छोड़कर नकारात्मक खबरों को जल्दी पकड़ लेते हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस हो या कोई अन्य पेशा, उसमें कई ऐसे लोग होते हैं जो अपने कर्तव्य का पालन पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करते हैं। ऐसे में कुछ काली भेड़ों की वजह से पूरे तंत्र पर सवाल उठाना उन लोगों के मनोबल को तोड़ता है जो दिन-रात निस्वार्थ भाव से समाज की सेवा में लगे हुए हैं। इसलिए समाज को अपना नजरिया बदलने की सख्त जरूरत है।

काम की बात करें तो दिव्या दत्ता और मनोज बाजपेयी के साथ फिल्म गजब रात में अभिनय करते नजर आई। इस फिल्म को लेकर पहले काफी विवाद हुआ था और इसका शुरुआती शीर्षक घूसखोर पंडित रखा गया था, जिसे बाद में जनभावनाओं का सम्मान करते हुए बदलकर गजब रात कर दिया गया। रितेश शाह के निर्देशन में बनी और प्रसिद्ध निर्माता नीरज पांडे की कंपनी फाइडे स्टोरीटेलर्स द्वारा निर्मित यह फिल्म चर्चा का विषय बनी हुई हैं।



अरुणाचल प्रदेश में भारत-चीन सैनिकों के बीच तनाव जारी, आईटीबीपी प्रमुख का बड़ा खुलासा; ड्रोन और भूमिगत सुरक्षा पर 1,000 करोड़ खर्च करने की तैयारी

सेवानिवृत्ति से सात दिन पहले शत्रुजीत कपूर ने सीमा पर मौजूदा हालात को लेकर दी जानकारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अलवर। भारत-चीन सीमा पर तनाव को लेकर भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश के ऊपरी सुबनसिरी जिले में असाफिला और माजा सहित कई क्षेत्रों में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच आमने-सामने आने की स्थिति बनी हुई है। उनके अनुसार, जुलाई के अंत से शुरू हुआ तनाव अब भी जारी है। सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए भारत ने भी अपनी तैनाती बढ़ाई है। शत्रुजीत कपूर ने यह जानकारी गुरुवार को राजस्थान के अलवर स्थित केंद्रीय प्रशिक्षण महाविद्यालय में आयोजित हिमवीर सम्मान समारोह के दौरान दी। उन्होंने पहली बार सार्वजनिक रूप से इन क्षेत्रों में जारी तनाव का उल्लेख किया। उनका कहना है कि मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए सीमा सुरक्षा में आधुनिक तकनीक, विशेषकर ड्रोन और उनसे बचाव करने वाली प्रणालियों की भूमिका बढ़ाना जरूरी है। उन्होंने गलवान घाटी जैसी स्थिति से निपटने के लिए आधुनिक युद्ध कौशल और तकनीकी क्षमताओं पर ध्यान देने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। खास बात यह है कि कपूर 31 अक्टूबर को सेवानिवृत्त होने वाले हैं और उनका यह बयान सेवानिवृत्ति से सात दिन पहले आया है। आईटीबीपी प्रमुख के अनुसार, जुलाई से अब तक भारत और चीन के बीच तीन स्तरों पर बातचीत हुई है। इनमें कार्यकारी तंत्र की बैठक, विशेष प्रतिनिधियों की वार्ता और कोर कमांडर स्तर की बातचीत शामिल हैं। इसके बावजूद अरुणाचल प्रदेश के कुछ सीमावर्ती क्षेत्रों में तनाव बना हुआ है। इस अवधि में सितंबर में 18वें ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की भारत यात्रा भी हुई थी। हालांकि, कूटनीतिक बातचीत और उच्चस्तरीय बैठकों के बावजूद सीमा पर स्थिति सामान्य होने को लेकर अभी स्पष्ट तस्वीर सामने नहीं आई है। सीमा सुरक्षा को आधुनिक बनाने के लिए आईटीबीपी बड़े स्तर पर तकनीकी बदलाव की तैयारी कर रही है। शत्रुजीत कपूर के अनुसार, लगभग 4,000 करोड़ की आधुनिकीकरण योजना को मंजूरी मिलने की स्थिति में करीब 1,000 करोड़ ड्रोन और ड्रोन रोधी प्रणालियों पर खर्च करने का प्रस्ताव है। इसके अलावा, 400 करोड़ की मौजूदा योजना में भी लगभग 70 प्रतिशत राशि ड्रोन क्षमता बढ़ाने के लिए निर्धारित की गई है। आधुनिक युद्ध में ड्रोन का उपयोग निगरानी, दुर्गम क्षेत्रों की जानकारी जुटाने और सीमावर्ती गतिविधियों पर नजर रखने के लिए किया जा सकता है। वहीं, ड्रोन रोधी प्रणालियां संभावित हवाई खतरों का पता लगाने और उनसे निपटने में मदद करती हैं। आईटीबीपी ने अपनी सभी सीमा सुरक्षा बटालियनों में ड्रोन दल तैयार किए हैं। बल के जवानों को ड्रोन उड़ाने और उनके संचालन का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके साथ ही अपने स्तर पर ड्रोन विकसित करने की दिशा में भी काम किया जा रहा है। इसका उद्देश्य सीमावर्ती इलाकों में निगरानी क्षमता



बढ़ाना और सीमावर्ती क्षेत्रों में कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के कारण हर स्थान तक पहुंचना आसान नहीं होता। ऐसे में ड्रोन के माध्यम से दूरस्थ क्षेत्रों की निगरानी और जरूरी सूचनाएं जुटाने में सहायता मिल सकती है।

जियो के आईपीओ ने तोड़े सारे रिकॉर्ड 1 करोड़ से ज्यादा आवेदन, 18 गुना भरा इश्यू

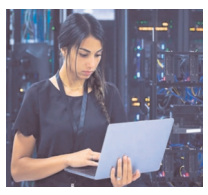
महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। देश के सबसे बड़े आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के लिए आवेदन का आज आखिरी दिन, निवेशकों में भारी उत्साह; करोड़ जुटाने की तैयारी, शेयरों की संभावित सूचीबद्धता पर टिकी नजरें जियो प्लेटफॉर्म्स के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को लेकर निवेशकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। आवेदन के आखिरी दिन शाम 4:30 बजे तक यह निर्गम करीब 18 गुना भर चुका था। इस दौरान कंपनी के आईपीओ में एक करोड़ से अधिक आवेदन आने की जानकारी सामने आई है। इसके साथ ही यह एक करोड़ आवेदन का आंकड़ा पार करने वाला दुनिया का पहला आईपीओ बन गया है। इससे पहले यह रिकॉर्ड भारत की वारी एनर्जीज लिमिटेड के नाम था, जिसके आईपीओ को लगभग 97 लाख आवेदन मिले थे। जियो के निर्गम में संस्थागत निवेशकों की ओर से सबसे अधिक मांग देखने को मिली है। हालांकि, अंतिम आंकड़े शाम 5:30 बजे के बाद जारी होने की जानकारी दी गई थी। जियो प्लेटफॉर्म्स ने अपने आईपीओ में कुल 19.75 करोड़ शेयर जारी किए हैं। इन्हें खरीदने के लिए निवेशकों की ओर से लगभग 404 करोड़ शेयरों की बोलियां लगाई गईं। दिए गए आंकड़ों के अनुसार, संस्थागत निवेशकों के लिए आरक्षित हिस्सा 55 गुना भर चुका था, जबकि खुदरा निवेशकों का हिस्सा 2.69 गुना भरा था। इससे स्पष्ट है कि बड़े संस्थागत निवेशकों के साथ आम निवेशकों ने भी निर्गम में रुचि दिखाई है। जियो का आईपीओ 21 अक्टूबर को खुलने के पहले दिन ही 3.02 गुना भर गया था। उस समय 19.75 करोड़ शेयरों के मुकाबले लगभग 59.68 करोड़ शेयरों के लिए बोलियां मिली थीं। दूसरे दिन भी निवेशकों की मांग जारी रही। संस्थागत निवेशकों की ओर से बड़ी संख्या में बोलियां आने के कारण कुल अभिदान में तेजी दर्ज की गई।

अमेरिका में बसने का सपना देख रहे भारतीयों के लिए बड़ा झटका: अब ग्रीन कार्ड मिलना कितना मुश्किल होगा?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अमेरिका। अमेरिका में अपने ज्ञान, मेहनत और हुनर से देश का नाम रोशन कर रहे लाखों भारतीय IT प्रोफेशनल, इंजीनियर और रिसर्चर के लिए 'अमेरिकन ड्रीम' यानी ग्रीन कार्ड (अमेरिका में परमानेंट रेजिडेंस परमिट) पाना अब बहुत मुश्किल और डरावने मोड़ पर पहुँच गया है। US इमिग्रेशन सिस्टम की मुश्किलों, सालाना लिमिट और पॉलिसी में सख्त बदलावों की वजह से, अमेरिका में काम कर रहे भारतीयों के लिए ग्रीन कार्ड पाना अब लोहे के चने चबाने जैसा हो गया है। US इमिग्रेशन कानून के मुताबिक, किसी भी एक देश के लिए ग्रीन कार्ड के सालाना एलोकेशन की 7' की एक खास लिमिट है। हर साल, भारत जैसे अरबों की आबादी वाले देश से बड़ी संख्या में बहुत स्किल्ड प्रोफेशनल्स H-vB वीज़ा पर अमेरिका जाते हैं। लेकिन इस 7' लिमिट की वजह से भारतीय नागरिकों के एप्लीकेशन का बैकलॉग बहुत ज़्यादा हो गया है। हाल की रिपोर्ट्स के मुताबिक, EB-2 और EB-3 कैटेगरी में ग्रीन कार्ड का इंतज़ार कर रहे भारतीयों का वेटिंग पीरियड दशकों बढ़कर 50 से 135 साल होने का अनुमान है, ग्रीन कार्ड मिलने में देरी का सबसे बड़ा झटका भारतीय परिवारों और उनके बच्चों पर पड़ रहा है। US कानून के मुताबिक, जब H-4 डिपेंडेंट वीज़ा वाले बच्चे 21 साल के हो जाते हैं.



'छैंया-छैंया' से मिली पहचान, अरबाज से तलाक और अर्जुन कपूर से अलगाव तक चर्चा में रही निजी जिंदगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

मुंबई। अभिनेत्री और नृत्यांगना मलाइका अरोड़ा अपनी खूबसूरती, शानदार नृत्य, फिटनेस और बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं। उनकी पेशेवर जिंदगी जितनी चर्चित रही है, निजी रिश्तों को लेकर भी वह लगातार सुर्खियों में रही हैं। अरबाज खान के साथ करीब 19 साल की शादी, तलाक के बाद अभिनेता अर्जुन कपूर के साथ लंबे समय तक चला रिश्ता और अलगाव के बाद नए नामों को लेकर उठती चर्चाओं ने उन्हें अक्सर खबरों में बनाए रखा है। मलाइका आज अपना जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर उनके करियर, रिश्तों और निजी जिंदगी में मीडिया की दिलचस्पी एक बार फिर चर्चा का विषय है। हालांकि, उनकी जिंदगी की कहानी केवल रिश्तों तक सीमित नहीं है। मनोरंजन जगत में अपनी अलग पहचान बनाने से लेकर फिटनेस और जीवनशैली के क्षेत्र में लोकप्रियता हासिल करने तक, उन्होंने कई भूमिकाओं में अपनी पहचान कायम की है। मलाइका अरोड़ा ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग और दूरदर्शन के मनोरंजन कार्यक्रमों से की थी। वर्ष 1998 में प्रदर्शित फिल्म 'दिल से' के चर्चित गीत 'छैंया-छैंया' में उनके नृत्य ने उन्हें देशभर में लोकप्रिय बना दिया। इस गीत में उनके अंदाज और ऊर्जा को दर्शकों ने खूब पसंद किया। इसके बाद फिल्म 'दबंग' के गीत 'मुन्नी बदनाम हुई' ने उनकी लोकप्रियता को और बढ़ाया। उन्होंने कई मनोरंजन कार्यक्रमों में निर्णायक की भूमिका निभाई। साथ ही, फिटनेस, व्यायाम और खानपान को लेकर उनकी सक्रियता ने उन्हें एक अलग पहचान दिलाई। मलाइका अरोड़ा और अभिनेता अरबाज खान की शादी लंबे समय तक मनोरंजन जगत की चर्चित जोड़ियों में शामिल रही। दोनों की शादी करीब 19 साल चली। इस दौरान उनका एक बेटा अरहान खान हुआ। हालांकि, समय के साथ दोनों के रिश्ते में बदलाव आया और वर्ष 2017 में उनका तलाक हो गया। अलग होने के बाद भी दोनों अपने बेटे अरहान की परवरिश को लेकर संपर्क में रहे। उनके रिश्ते में आए इस बदलाव ने उस समय काफी सुर्खियां बटोरी थीं।



शशि थरूर बोले- राहुल गांधी को गंभीरता से ले भाजपा, युवाओं में बढ़ रही लोकप्रियता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को राहुल गांधी को गंभीरता से लेने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ महीनों में राहुल गांधी ने युवा मतदाताओं के बीच अपनी लोकप्रियता बढ़ाई है। थरूर के मुताबिक, भाजपा को राहुल गांधी की राजनीतिक सक्रियता और युवाओं के बीच उनकी बढ़ती स्वीकार्यता को हल्के में नहीं लेना चाहिए। थरूर ने यह टिप्पणी NDTV वर्ल्ड समिट में बातचीत के दौरान की। उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है कि भाजपा ने राहुल गांधी की भूमिका और प्रभाव पर ध्यान दिया है। इसी वजह से उनके अनुसार, राहुल गांधी को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। उनकी इस टिप्पणी को ऐसे समय में महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जब कांग्रेस और भाजपा के बीच राहुल गांधी को लेकर राजनीतिक बयानबाजी लगातार चर्चा में बनी हुई है। शशि थरूर का यह बयान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की समिट में की गई टिप्पणी के एक दिन बाद आया। पीएम मोदी ने कांग्रेस का नाम लेते हुए राहुल गांधी का सीधे नाम नहीं लिया था, लेकिन उनके बयान को राहुल गांधी से जोड़कर देखा गया प्रधानमंत्री ने कहा था कि पता नहीं कांग्रेस कब तक अपने 'फेल प्रोडक्ट' की लॉन्चिंग के लिए देश को दांव पर लगाती रहेगी। युवा मतदाताओं के बीच उनकी लोकप्रियता में कितनी वृद्धि हुई है, इसका आकलन करने के लिए स्वतंत्र सर्वेक्षणों और चुनावी आंकड़ों को देखना जरूरी होगा।



अडाणी पावर का मुनाफा दोगुने से ज्यादा बढ़कर 6,919 करोड़ पहुंचा, कमाई में 44% का उछाल

23,720 मेगावाट बिजली उत्पादन क्षमता बढ़ाने की तैयारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। अडाणी पावर ने वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में शानदार वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी का शुद्ध मुनाफा पिछले वर्ष की समान तिमाही के 2,953 करोड़ से बढ़कर 6,919 करोड़ पर पहुंच गया। इस तरह कंपनी का मुनाफा एक साल में दोगुने से भी अधिक हो गया। वहीं, कारोबार से होने वाली आय 44 प्रतिशत बढ़कर 19,438 करोड़ हो गई, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 13,457 करोड़ थी। कंपनी की आय में इस बढ़ोतरी के पीछे बिजली की बढ़ती मांग, बिजली बिक्री की बेहतर दरें और बिक्री की मात्रा में इजाफा प्रमुख कारण बताए गए हैं। कंपनी के वित्तीय नतीजों में परिचालन लाभ के साथ बिजली उत्पादन क्षमता बढ़ाने की योजनाएं भी महत्वपूर्ण हैं। अडाणी पावर आने वाले वर्षों में अपनी उत्पादन क्षमता का बड़े स्तर पर विस्तार करने की तैयारी कर रही है। परिचालन लाभ में करीब 60 प्रतिशत की बढ़ोतरी कंपनी का ब्याज, कर और मूल्यह्रास से पहले का परिचालन लाभ यानी एबिटा 59.8 प्रतिशत बढ़कर 8,231.6 करोड़ पहुंच गया। पिछले वर्ष की दूसरी तिमाही में यह 5,150 करोड़ था। वहीं, कंपनी का एबिटा लाभ मार्जिन 38 प्रतिशत से बढ़कर 42.35 प्रतिशत हो गया। इसका अर्थ है कि कंपनी की परिचालन आय के मुकाबले लाभ कमाने की क्षमता में सुधार हुआ है। एबिटा के जरिए किसी कंपनी के मुख्य कारोबार के प्रदर्शन का आकलन किया जाता है। इससे निवेशकों और कर्ज देने वाली संस्थाओं को यह समझने में मदद मिलती है कि ब्याज, कर और मूल्यह्रास जैसे खर्चों से पहले कंपनी अपने कारोबार से कितना लाभ कमा रही है। हालांकि, कंपनी की वास्तविक वित्तीय स्थिति समझने के लिए शुद्ध मुनाफे, कर्ज, नकदी प्रवाह और एकमुश्त लाभों को भी देखना जरूरी है। सितंबर तिमाही में अडाणी पावर की कुल बिजली बिक्री 11.5 प्रतिशत बढ़कर 26.4 अरब यूनिट हो गई। पिछले वर्ष की समान अवधि में कंपनी ने 23.7 अरब यूनिट बिजली बेची थी। बिजली की मांग में बढ़ोतरी से कंपनी के उत्पादन संयंत्रों का इस्तेमाल भी बढ़ा। कोयला आधारित बिजली संयंत्रों का औसत क्षमता उपयोग 62 प्रतिशत से बढ़कर 68 प्रतिशत पहुंच गया। इससे कंपनी को अपने उपलब्ध उत्पादन संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल करने में मदद मिली। कंपनी के जारी



आंकड़ों के अनुसार, लगातार जारी परिचालन से प्राप्त आय 28.5 प्रतिशत बढ़कर 17,528 करोड़ रही, जबकि पिछले वर्ष की समान तिमाही में यह 13,639 करोड़ थी। कंपनी के लिए दूसरी तिमाही में बढ़ती बिजली बिक्री के साथ ईंधन की लागत भी चुनौती बनी रही। ईंधन पर होने वाला खर्च 41.8 प्रतिशत बढ़कर 10,229.38 करोड़ पहुंच गया। पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 7,216.23 करोड़ था। इस बढ़ोतरी के पीछे बिजली उत्पादन और बिक्री की अधिक मात्रा के साथ आयातित कोयले की पहुंच लागत में करीब 50 प्रतिशत की वृद्धि को प्रमुख कारण बताया गया है .

सलमान खान ने ऐश्वर्या राय की बांह छुई तो संजय लीला भंसाली ने लगाई थी डांट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। अभिनेता सलमान खान और ऐश्वर्या राय बच्चन की प्रेम कहानी एक समय मनोरंजन जगत की सबसे चर्चित कहानियों में शामिल थी। दोनों के रिश्ते की शुरुआत फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' की शूटिंग के दौरान हुई थी। अब इस फिल्म में ऐश्वर्या की मां का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री स्मिता जयकर ने शूटिंग से जुड़ा एक पुराना किस्सा साझा किया है। उन्होंने बताया कि एक रोमांटिक गीत की शूटिंग के दौरान सलमान ने ऐश्वर्या की बांह छू ली थी। यह दृश्य की पटकथा का हिस्सा नहीं था। इस बात पर निर्देशक संजय लीला भंसाली ने सलमान को डांट लगा दी थी। स्मिता जयकर ने यह किस्सा सिद्धार्थ कन्नन के साथ बातचीत में सुनाया। उनके मुताबिक, फिल्म की शूटिंग के दौरान सलमान और ऐश्वर्या के बीच नजदीकियां बढ़ रही थीं। दोनों के बीच प्रेम का असर उनके व्यवहार में भी दिखाई देता था। स्मिता ने उस दौर को याद करते हुए कहा कि दोनों को साथ देखकर ऐसा लगता था, जैसे वे किसी अलग ही दुनिया में हों। स्मिता जयकर ने सलमान और ऐश्वर्या के रिश्ते को याद करते हुए कहा कि उस समय दोनों एक-दूसरे के प्यार में थे। ऐश्वर्या बेहद खूबसूरत लगती थीं और उनके बीच की नजदीकियां पर्दे पर भी नजर आती थीं। उन्होंने बताया कि दोनों के बीच बढ़ते प्रेम का असर फिल्म के दृश्यों में भी दिखाई देता था। उनके अनुसार, कलाकारों के बीच वास्तविक भावनाएं कई बार अभिनय को स्वाभाविक बना देती हैं।



ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के नियम बदलने की तैयारी परीक्षा में 75 प्रतिशत अंक जरूरी करने का प्रस्ताव

परिवहन मंत्रालय ने नियमों का नया मसौदा तैयार किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। नया वाहन चलाने का लाइसेंस बनवाने या पुराने लाइसेंस का नवीनीकरण कराने वालों के लिए नियमों में बदलाव की तैयारी की जा रही है। प्रस्तावित बदलावों के तहत वाहन चलाने की परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 75 प्रतिशत अंक हासिल करने होंगे। अभी तक इसके लिए 60 प्रतिशत अंक की आवश्यकता बताई गई है। इसके साथ ही सुरक्षित वाहन चलाने से जुड़ा कम से कम 30 मिनट का पाठ देखना भी अनिवार्य करने का प्रस्ताव है। परिवहन मंत्रालय की ओर से तैयार किए गए नियमों के नए मसौदे में लाइसेंस की बनावट और ऑनलाइन सेवाओं से जुड़े प्रावधानों में भी बदलाव शामिल हैं। हालांकि, इन प्रस्तावों को लागू नियम मानने से पहले अंतिम अधिसूचना और प्रभावी होने की तारीख की पुष्टि करना जरूरी है। प्रस्ताव के अनुसार, वाहन चलाने का लाइसेंस हासिल करने के लिए होने वाली परीक्षा में अब पहले के मुकाबले अधिक अंक लाने होंगे। जहां पहले 60 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर उत्तीर्ण होने की व्यवस्था बताई गई है, वहीं नए मसौदे में इसे बढ़ाकर 75 प्रतिशत करने का प्रस्ताव है। इस बदलाव का उद्देश्य आवेदकों को यातायात नियमों, सड़क सुरक्षा और जिम्मेदारी से वाहन चलाने के प्रति अधिक जागरूक बनाना बताया जा रहा है। यदि यह प्रस्ताव लागू होता है, तो परीक्षा की तैयारी करने वाले लोगों को नियमों और सुरक्षित वाहन संचालन की जानकारी पर विशेष ध्यान देना होगा। नए मसौदे में सुरक्षित वाहन चलाने से संबंधित कम से कम 30 मिनट का पाठ देखने की शर्त भी शामिल बताई गई है। इसका उद्देश्य चालकों को सड़क पर सावधानी बरतने, यातायात नियमों का पालन करने और दुर्घटनाओं से बचने के उपायों के बारे में जागरूक करना है। इस व्यवस्था के लागू होने पर लाइसेंस की प्रक्रिया में केवल परीक्षा ही नहीं,



बल्कि सड़क सुरक्षा से जुड़ी जानकारी को भी महत्व दिया जाएगा लाइसेंस की बनावट को लेकर भी बदलाव की बात कही गई है। नए लाइसेंस और पुराने लाइसेंस के नवीनीकरण पर साधारण कागज के बजाय निर्धारित प्रारूप वाला मजबूत और पानी से सुरक्षित रहने वाला पीवीसी कार्ड देने का प्रावधान बताया गया है।पीवीसी कार्ड टिकाऊ होने के कारण लंबे समय तक इस्तेमाल में सुविधाजनक हो सकता है। हालांकि, कार्ड से जुड़े अंतिम नियम और उनके लागू होने की तारीख की आधिकारिक पुष्टि आवश्यक है। नए प्रस्ताव में आधार सत्यापन के माध्यम से ऑनलाइन उपलब्ध कुछ सेवाओं का शुल्क समाप्त करने की बात भी शामिल है। इनमें लाइसेंस पर नाम और पता बदलवाने जैसी सेवाएं बताई गई हैं। यदि यह प्रस्ताव लागू होता है, तो संबंधित सेवाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन करने वाले लोगों को शुल्क में राहत मिल सकती है। हालांकि, किन सेवाओं पर यह छूट मिलेगी और किन शर्तों के तहत मिलेगी, यह अंतिम नियमों से स्पष्ट होगा। लाइसेंस बनवाने की प्रक्रिया में पहचान, उम्र और पते के प्रमाण की आवश्यकता होती है।

कालाबाजारी रोकने के लिए एक ग्राहक को सीमित फोन बेचने की तैयारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महंगे आईफोन की मांग और त्योहारों के दौरान होने वाली खरीदारी के बीच फोन की जमाखोरी तथा कालाबाजारी का मुद्दा चर्चा में है। जानकारी के अनुसार, एक साथ बड़ी संख्या में आईफोन खरीदने वाले ग्राहकों और पुनर्विक्रेताओं पर नियंत्रण के लिए खरीद की सीमा तय करने की कोशिश की जा रही है। इसका उद्देश्य आम ग्राहकों को फोन उपलब्ध कराना और बाजार में कृत्रिम कमी पैदा होने से रोकना है। त्योहारों के समय कुछ लोग और पुनर्विक्रेता एक साथ कई आईफोन खरीद लेते हैं। इससे कई बार आम ग्राहकों को पसंदीदा मॉडल खरीदने में परेशानी होती है। ऐसे में खरीद की सीमा लागू होने पर अधिक लोगों को फोन खरीदने का अवसर मिल सकता है। हालांकि, नियम के तहत एक ग्राहक कितने फोन खरीद सकेगा और यह व्यवस्था किन बाजारों में लागू होगी, इसकी पुष्टि जरूरी है। महंगे और लोकप्रिय इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की मांग बढ़ने पर कुछ विक्रेता बड़ी संख्या में फोन खरीदकर बाद में ऊंचे दाम पर बेचने की कोशिश करते हैं। इससे ग्राहकों को निर्धारित कीमत पर फोन उपलब्ध होने में परेशानी हो सकती है। खरीद की सीमा तय करने का उद्देश्य ऐसे मामलों को कम करना है। यदि यह व्यवस्था लागू होती है, तो एक ही ग्राहक या खरीदार के नाम पर बड़ी संख्या में फोन की खरीद को नियंत्रित किया जा सकेगा। इससे सामान्य ग्राहकों को भी नए मॉडल खरीदने का बेहतर अवसर मिलने की उम्मीद फोल्ड होने वाली स्क्रीन वाले आईफोन को लेकर भी बाजार में चर्चा है। उपलब्ध कराई गई जानकारी में आईफोन डुओ नाम के एक कथित मॉडल का उल्लेख किया गया है, जिसकी शुरुआती कीमत करीब तीन लाख रुपये और सबसे महंगे मॉडल की कीमत साढ़े चार लाख रुपये तक बताई गई है।



दिल्ली में SIR प्रक्रिया के खिलाफ सड़क पर उतरे प्रदर्शनकारी: बंगला साहिब के पास घेराबंदी

मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर भारी हंगामा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के प्रसिद्ध बंगला साहिब गुरुद्वारे के पास शुक्रवार को विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के खिलाफ विरोध प्रदर्शन ने बेहद उग्र रूप ले लिया। 'पीपल अगेंस्ट ' और वामपंथी छात्र संगठन आइसा के संयुक्त आह्वान पर सैकड़ों की संख्या में प्रदर्शनकारी और छात्र सड़कों पर उतर आए। प्रदर्शन में शामिल लोग मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के बड़े-बड़े पोस्टर और तख्तियां हाथों में लेकर पहुंचे थे, जिन पर SIR प्रक्रिया को तुरंत रद्द करने और मुख्य चुनाव आयुक्त के तत्काल इस्तीफे की मांग से जुड़े नारे लिखे हुए थे। यह जोरदार विरोध प्रदर्शन लगभग तीन घंटे तक लगातार जारी रहा, जिससे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। तय कार्यक्रम के मुताबिक, विभिन्न छात्र और नागरिक अधिकार संगठनों से जुड़े लोग बंगला साहिब गुरुद्वारे के पास एकत्र हुए और वहां से जुलूस निकालते हुए निर्वाचन सदन यानी चुनाव आयोग के मुख्यालय की ओर बढ़ने लगे। हालांकि, स्थिति की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने पहले से ही पूरे रूट पर कड़े सुरक्षा इंतजाम कर रखे थे। भारी पुलिस बल ने रास्ते में मजबूत बैरिकेडिंग लगाकर प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोक दिया। जब प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड्स पार कर आगे बढ़ने का प्रयास किया, तो पुलिस के साथ उनकी तीखी झड़प और धक्का-मुक्की हुई। इसके बाद पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए कार्रवाई की और मार्च कर रहे करीब 100 से अधिक प्रदर्शनकारियों को मौके से हिरासत में लेकर बसों में भर दिया और संबंधित थानों में ले गई गौरतलब है कि दिल्ली में SIR प्रक्रिया की वापसी और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर पिछले 22 दिनों के भीतर विरोध-प्रदर्शन की यह 9वीं से भी अधिक बड़ी घटना है। इस मुद्दे पर सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ विपक्ष और नागरिक समाज का गुस्सा लगातार बढ़ता ही जा रहा है। अब तक इस आंदोलन के समर्थन में 10 प्रमुख राजनीतिक दल, छात्र संगठन और किसान



यूनियनें एक मंच पर आ चुकी हैं। इनमें विपक्षी गठजोड़ 'इंडिया' ब्लॉक की पार्टियां, आम आदमी पार्टी विभिन्न वामपंथी दल, ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन , स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया, सिटिजन्स फॉर जस्टिस एंड पीस , संयुक्त किसान मोर्चा और जो इस मुद्दे पर पीछे हटने को तैयार नहीं हैं।

printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.